जबलपुर
रविवार, 5 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष -03
वर्ष : 20, अंक : 334
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 35
न्यून. 22

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

संघ के विविध संगठनों की 'समन्वय बैठक' शुरू

संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर चर्चा

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दो दिवसीय समन्वय बैठक का आयोजन राजधानी के केरवा रोड स्थित शारदा विहार परिसर में किया जा रहा है। शनिवार से यह बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक में संघ की मध्यभारत प्रांत की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों सहित विविध संगठनों के पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। इसमें भाजपा, विहिप, सेवा भारती, विद्या भारती, अभाविप, आरोग्य भारती, क्रीड़ा भारती, विज्ञान भारती, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद सहित अन्य विविध संगठन शामिल हो रहे हैं। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे से यह बैठक शुरू हुई। बैठक में संगठनों द्वारा संगठनात्मक शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर महत्वपूर्ण कार्यवृत्त रखा जाएगा।

कोतमा में हादसा दो की मौत

चार मंजिला इमारत भरभरा कर गिरी, कई मलबे में दबे

अनूपपुर/कोतमा

कोतमा नगर के बस स्टैंड में शनिवार 4 अप्रैल को चार मंजिला भवन गिरने से बड़ा हादसा घटित हो गया, जिसमें कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। ये हादसा शहर के वार्ड नंबर 05 में मौजूद अग्रवाल लाज बस स्टैंड के पास भीड़भाड़ वाले इलाके मे हुआ है । प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है तथा घायल तीन लोगों को अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया है।

घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना शाम 5:30 बजे की बताई जा रही है जब अचानक तीन मंजिला भवन धराशाई होकर पुट्टे की तरह रह गया भवन गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास तेज आवाज के साथ ही धूल के गुब्बार छा गए । भीड भाड वाली जगह होने के कारण अफरा तफरी मच गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बगल में निर्माणधीन भवन में बेसमेंट के लिए गड्ढा खोदा गया था और उस गड्ढे में पानी भरा हुआ था जिसके कारण लाज का भवन साइड से ऊपर की तरफ से धराशाई होकर गिर गया। भवन गिरने की धमक से आसपास के मकान में भी तेज भूकंप के झटके जैसे महसूस हुआ। यहां तक की अगल-बगल दुकानों के दुकानदार एवं ग्राहकों को भी दुकान का छज्जा गिरने से चोट लगी है। घटना की जानकारी लगते ही विद्युत विभाग एवं नगर पालिका का अमला तत्काल पहुंच गया विद्युत विभाग के सहायक अभियंता आशुतोष चंद्रा कनिष्ठ अभियंता लालमणि प्रजापति के द्वारा स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचकर तत्काल ही विद्युत आपूर्ति नगर की बंद करवा दी गई। मौके पर तत्काल ही थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

बेसमेंट के लिए गड्ढा खोदा गया था और उस गड्ढे में पानी भरा होने से हादसा

- हादसे में घायल तीन लोगों को अस्पताल भेजा
- सीएम ने जताया दुख

सीएम ने जताया दुख: मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने टिविटर पर कोतमा में भवन गिरने की घटना पर दुख प्रगत करते हुए मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है व घायलों के बेहतर इलाज के लिए प्रशासन को निर्देशित किया है।

राहत व बचाव कार्य शुरू- नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ के द्वारा राहत एवं बचाव कर शुरू करवाया गया । मौके पर स्थानीय प्रशासन तहसीलदार दशरथ सिंह राजस्व विभाग के साथ पहुंचकर व्यवस्था में जुट गए । प्रशासन के द्वारा तत्काल ही आसपास के एम्बुलेंस एवं क्रेन को मौके पर बुलाकर राहत एवं बचाव कर में जुटी हुई है । 2 घंटे बाद प्रशासन के द्वारा जेएमएस कंपनी एवं जमुना कोतमा क्षेत्र के रेस्क्यू दल को बुलाया गया जो बचाव कार्य में लगी हुई है । घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर हर्षल पंचोली पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान अपर कलेक्टर दिलीप पांडे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह एवं यातायात विभाग का अमला भी जिले से पहुंच गया । रात्रि 8:00 बजे तक दबे लोगों में से चार लोगों को निकाला जा चुका है जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो चुकी है शेष अन्य दबे लोगों को निकालने का रेस्क्यू किया जा रहा है। घटना की जानकारी लगते ही मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल भी मौके पर पहुंच गए हैं ।

ये है घायल - रामकिशोर उम्र 50 वर्ष बगैहा किराना दुकान का कर्मचारी दूसरा जयप्रकाश 50 बर्ष निवासी फुनगा लाज मे मजदूरी करता था दोनों को जिला चिकित्सालय अनुपपुर रिफर किया गया है। तुलसी भैना निवासी गोबरी थाना जैतहरी बस का इंतजार कर रही थी।

इसकी हुई मौत - हनुमान दीन यादव 55 बर्ष निवासी वार्ड क्रमांक चार दर्री टोला व रामकृपाल यादव 50 वर्ष वार्ड क्रं 10 सुंगा निवासी कोतमा लाज मे मजदूरी का काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि अग्रवाल लाज का निर्माण कार्य हुए लगभग 10 साल हो गए लाज संचालक का नाम लालू प्रसाद अग्रवाल बताया जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एसआरएच एलएसजी
दोपहर 3.30 बजे से
आरसीबी सीएसके
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

गर्भाशय में छोड़ा नैपकिन ऑपरेशन कर निकाला

खरगोन। जिला अस्पताल में 17 मार्च को सिजेरियन डिलीवरी के दौरान एक महिला के गर्भाशय में नैपकिन छोड़ने का मामला सामने आया है। पेट दर्द के चलते उन्हें इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ऑपरेशन कर नेपकिन निकाला गया।

विदेशी महिला ने रिटायर्ड अफसर से 10.43 लाख ठगे

इंदौर। यहां एक सीनियर सिटीजन को फेसबुक पर विदेशी महिला से दोस्ती भारी पड़ गई। विदेशी महिला बनकर बात करने वाले साइबर ठगों ने गिफ्ट भेजने का झांसा देकर उनसे 10 लाख 43 हजार रुपए ठग लिए।

क्लोरीन गैस रिसाव से करीब 50 लोग बीमार

झाबुआ। जिले के थांदला तहसील मुख्यालय स्थित पद्मावती नदी किनारे बने वाटर फिल्टर प्लांट में शुक्रवार शाम अचानक क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया। इस जहरीली गैस की चपेट में आने से 7 कर्मचारियों सहित करीब 50 लोग बीमार हो गए।

दूसरे महीने में युद्ध और अधिक भीषण, ईरान 50 फीसदी खत्म होने के बाद भी हार नहीं मान रहा

यूएस के दो और लड़ाकू विमान गिराए, ईरान ने 48 घंटे सीजफायर का 'प्रस्ताव' ठुकराया

ईरान के पास युद्ध में अब कुछ भी खोने के लिए नहीं बचा है। वह ज्यादातर तबाह हो चुका है। वह अपनी मिसाइलों के बूते हार मानने को तैयार नहीं है, हालांकि बैक डोर से वह बात भी कर रहा है

पायलट ने लैंडिंग की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध दूसरे महीने में पहुंच गया है और यह अधिक भीषण होता जा रहा है। बदले की आग में सुलग रहे ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका का एक एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराया और दूसरा अमेरिकी ए-10 विमान को मार गिराया।

इस विमान के एक पायलट को अमेरिका ने बचा लेने का दावा किया, लेकिन दूसरे पायलट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में उसकी तलाश में लगे एक अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को भी ईरान ने मार गिराया और उसमें सवार लोगों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। फारस की खाड़ी में भी एक अमेरिकी लड़ाकू विमान के क्रैश होने की खबर है, जिसके पायलट को बचा लिया गया है। ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज के पास इस ए-10 विमान को मार गिराया गया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि वह क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों में पुलों को निशाना बनाएगा।

ट्रंप बोले हम युद्ध में हैं, नहीं रुकेगी बातचीत

विमान के अवशेष

क्षतिग्रस्त विमान

दो पायलटों में से एक को अमेरिका ने बचाने का किया दावा

ईरानी मीडिया का दावा तलाश में जुटे अमेरिकी हेलिकॉप्टर को भी मार गिराया

होर्मुज के पास भी एक विमान क्रैश

ट्रंप ने कहा- ईरान वार्ता पटरी से नहीं उतरेगी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के ऊपर अमेरिकी विमान के गिराए जाने से तेहरान के साथ चल रही बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईरान के साथ बातचीत पर संभावित प्रभावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। नहीं, यह युद्ध है। हम युद्ध में हैं।

पायलट को ईरान से पहले तलाशने बड़ा अभियान

अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना ने एफ-15ई विमान के दूसरे पायलट को ईरान से पहले तलाशने के लिए बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। इजराइल इसमें मदद कर रहा है। इस युद्ध में ईरानी क्षेत्र में किसी अमेरिकी लड़ाकू विमान के मार गिराए जाने का यह पहला ज्ञात मामला है और इससे तनाव बढ़ने की आशंका है।

ईरान का दावा

नए एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम से यूएस जेट गिराया

ईरान ने दावा किया है कि उसने अपने नए एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम की मदद से अमेरिकी फाइटर जेट को मार गिराया है। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघरी ने टीवी संबोधन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने इस घटना को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के उलट बताया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह खत्म कर दिया है।

नासिक के पास भीषण सड़क हादसा

कुए में जा गिरी कार, एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सएल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुए में जा गिरी, जिसमें सवार 9 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों में एक ही परिवार के 9 सदस्य शामिल थे। हादसा दिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पीड़ित लोग दिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है। परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। जो रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुए में गिर पड़ी। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल

दुर्घटनाग्रस्त कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सादगी ने जीता वाराणसी के लोगों का दिल

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार की सुबह अपनी सादगी और व्यवहार से वाराणसी के लोगों को दिल जीत लिया। उनका काफिला जब एयरपोर्ट की ओर जा रहा था, तभी अचानक वे मिंट हाउस स्थित श्रीराम भंडार पर रुक गए। पहले तो यहां उन्होंने परिवार के साथ बनारस की मशहूर कचौड़ी, पूरी-राम भाजी, जलेबी और लस्सी का स्वाद चखा। इसके बाद दुकानदार और वहां मौजूद लोगों के साथ संवाद किया। एक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर पहले तो स्थानीय लोगों को यकीन नहीं हुआ।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा

संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव घातक होगा

एजेंसी ▶▶ पटना

■ ये राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रहें

लोकतंत्र की मजबूती और निष्पक्ष शासन के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को बेहद जरूरी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि चुनाव आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रहना चाहिए। इससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता रहती है।

मालदा के मालतीपुर की घटना

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा 'ड्रोन'

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

■ टीएमसी सुप्रीमो ने जताई नाराजगी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मालदा के मालतीपुर में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की जनसभा में हड़कंप मच गया। जैसे ही जनसभा खत्म हुई और इससे पहले कि वह अपनी अगली मंजिल के लिए रवाना हो पातीं, मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के ठीक सामने एक ड्रोन मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही तृणमूल सुप्रीमो गुस्से से लाल हो गईं।

खड़े ट्रॉले में जा घुसी कार

दो लोगों की मौत, एक घायल, शाजापुर जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्मदापुरम

नर्मदापुरम में औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे-46 पर निटाया के पास शनिवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकराने के बाद डिवाइडर से जा टकराई।

मंडला में दो बाइकों की भिड़ंत, 3 की मौत

मंडला । इधर, नेशनल हाईवे 30 के मंडला-रायपुर रोड पर देर रात एक भीषण बाइक हादसा हुआ। चारटोला के पास आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं, जिस कारण टक्कर जोरदार हुई।

केदारनाथ धाम में बिछी बर्फ की चादर

उत्तराखंड में तूफान और ओलावृष्टि की चेतावनी

22 अप्रैल को खुलेंगे कपाट, यात्रा तैयारियों की थमी रफ्तार

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में एक बार फिर शनिवार को तेज तूफान और ओलावृष्टि की चेतावनी है। वहीं केदारनाथ धाम में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। जहां एक ओर 22 अप्रैल को होने वाले कपाट उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर थीं, वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही भारी बर्फबारी ने मजदूरों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। जिन और मंदिर परिसर से हाल ही में बर्फ हटाई गई थी, वे स्थान एक बार फिर कई फीट बर्फ की तह में दब गए हैं।

10 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम का मिजाज

ओलों-बारिश से फसलों को नुकसान बिजली गिरने से चार लोगों की मौत

श्योपुर में ओले

श्योपुर की सड़कों पर ओले की चादर

बैतूल के मुलताई के डहुआ क्षेत्र में ओले गिरने के बाद का दृश्य

बैतूल के मुलताई में 20 मिनट तक बारिश व ओले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को सुबह से शाम तक कई जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। ग्वालियर में शाम 4 बजे अचानक तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बैतूल जिले के मुलताई के डहुआ क्षेत्र में भी तेज 20 मिनट तक बारिश व ओलावृष्टि हुई। बेर से बड़े आकार के ओले गिरने से खेतों में खड़ी और कटी फसलों को भी नुकसान पहुंचा। यहां टमाटर व मिर्च की फसल बरबाद हो गई। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ और तीन सकुर्लेशन के असर से अब प्रदेश में आंधी-बारिश और ओले का दौर 10 अप्रैल तक चलने की उम्मीद है।

राहुल गांधी इस मुद्दे पर मोदी सरकार पर लगातार हमलावर

बोले-गैस की कमी नहीं है, वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था का नतीजा, जिससे भ्रम पैदा हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ देश में एलपीजी गैस और पेट्रोलियम की क्राइसिस को लेकर पहली दफा खुलकर बोले।

पूर्व सीएम ने मोदी सरकार का बचाव करते हुए कहा कि देश में गैस की परेशानी नहीं है, केवल व्यवस्था की गड़बड़ी है। क्राइसिस का माहौल बना दिया है। छिंदवाड़ा में कमलनाथ ने कहा कि गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। यह सिर्फ वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था का नतीजा है, जिससे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन सही तरीके से वितरण नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौर हो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस विषय में मोदी सरकार की लगातार आलोचना कर रहे हैं।

जंग और एलपीजी संकट पर पार्टी लाइन से हटकर बोल रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, अब कमलनाथ ने किया मोदी सरकार का बचाव

शशि थरूर

मनीष तिवारी

आनंद शर्मा

कमलनाथ

थरूर, मनीष व आनंद भी कर चुके मोदी सरकार की तारीफ

इससे पहले कांग्रेस के आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और शशि थरूर इस मुद्दे पर सरकार को समर्थन दे चुके हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने भारत के डिप्लोमैटिक तरीके की तारीफ करते हुए इसे मैच्योर और स्किलफुल बताया।

सिंधिया ने कहा- कांग्रेस नेता अब खुद मान रहे कोई क्राइसिस नहीं

कमलनाथ के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी रिएक्शन दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस के नेता खुद मान रहे हैं कि देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरलम में भाजपा की चुनावी रैली को किया संबोधित

केरलम को बताया अपार संसाधन और संभावनाओं वाला प्रदेश, कांग्रेस, एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने अनदेखी की, लोग इनसे सावधान रहें

पीएम ने केरल के तिरुवला में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ तिरुवला

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवला में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है। राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि अब एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। अनूप 5 वर्षों से उनके साथ समर्पण के साथ काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताया

सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी किया उल्लेख

मंच पर प्रधानमंत्री का स्वागत करते नेतागण

जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी की

रैली में आने के दौरान पूरे रास्ते लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाम दल जहां मानव श्रृंखला की बात करते हैं, वहीं केरल की जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों ने इस क्षेत्र की लंबे समय तक अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यहां की सड़कें खराब हालत में हैं, वर्षों से नए पुल नहीं बने हैं और मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी चिंताजनक है। बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है।

ईसाई समुदाय के लिए 5 गुना तक फंड बढ़ाया

उन्होंने कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में सत्ता में थे, तब केरल को कम फंड मिलता था। लेकिन मोदी सरकार में राज्य को 5 गुना ज्यादा फंड दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय रहता है, वहां एनडीए की सरकारें बनी हैं और विकास कार्य हुए हैं।

संगीतकार विनायकम के 'गमक बॉक्स' की तारीफ की

प्रधानमंत्री ने शनिवार को चुनावी यात्रा के दौरान चेन्नई में प्रसिद्ध संगीतकार रमेश विनायकम और उनके परिवार से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने के उनके प्रयासों की सराहना की।पीएम मोदी ने बताया कि रमेश विनायकम ने उन्हें 'गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' की झलक दिखाई।

बंगाल में चुनाव प्रचार करने पहुंची सीएम रेखा

भय और भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत होगा

खड़गपुर। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दिल्ली की सीएण रेखा गुप्ता भी भाजपा का प्रचार करने खड़गपुर पहुंचीं। उम्मीदवार दिलीप घोष के नामांकन से पहले शहर में रैली निकाली गई। सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हुए। रेखा ने कहा कि ममता सरकार के भय और भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत होगा।

पीएम मोदी और सीएम विजयन पर भड़के राहुल

सत्ता के नशे में चूर और अहंकारी हो गए...

अलाप्पुझा। केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अलाप्पुझा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर तीखा हमला बोला। राहुल ने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने की वजह से दोनों नेताओं में अहंकार आ गया है।

थरूर के काफिले पर हमला

गनमैन को पीटा, पुलिस ने 2 को हिरासत में लिया

मलप्पुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले पर केरल में उस समय हमला हो गया, जब वे चुनाव प्रचार के सिलसिले में मलप्पुरम जिले पहुंचे हुए थे। कुछ अज्ञात लोगों ने उनके काफिले को रास्ते में रोक लिया और उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट भी की। पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है।

मुर्शिदाबाद में चौधरी पर कथित हमला

कांग्रेस ने टीएमसी पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया। मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर से चौधरी ने दावा किया कि उन पर हमला किया गया।

टीएमसी सभी माओवादी चरमपंथियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों की संरक्षकः सुवेंदु

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पूरे बंगाल में भाजपा की लहर है। टीएमसी माओवाद पर आधारित दिख रही है।

सीएम ममता का हमला

2026 में गिर जाएगी मोदी सरकार

मानिकचक। सीएम ममता बेनर्जी ने कहा है कि मोदी सरकार 2026 में गिर जाएगी।भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह बंगाल को टारगेट कर रहे हैं, हम दिल्ली को करेंगे।

ये भी बोले

जब अन्याय कानून बन जाए, तो विरोध ही रास्ताः सलीम

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। माकपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सलीम ने इस घटना का बचाव करते हुए कहा कि जब अन्याय कानून बन जाता है, तो विरोध ही एकमात्र रास्ता बचता है।यह केंद्र और राज्य सरकार की विफलताओं का परिणाम है।

पीएम मोदी से मिलने केरल से लौटे अन्नामलाई

चेन्नई। दक्षिण भारत के भाजपा के चर्चित और युवा नेता के अन्नामलाई केरल में चुनाव प्रचार छोड़कर तमिलनाडु लौट आए। वे चेन्नई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

असम के श्रीभूमि में भाजपा की जनसभा

नबीन ने गिनाईं विकास योजनाएं, जीत का दावा

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि में जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भाजपा-एनडीए की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभा में उमड़ी भारी भीड़ इस बात का साफ संकेत है असम में भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है। भाजपा सरकार ने असम के विकास और उसकी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाया।

नेय्यत्तिनकारा में नड्डा ने किया रोड शो

सोना तस्करी के दोषियों को जेल भेजकर दम लेंगे

तिरुवनंतपुरम । केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी शनिवार को नेय्यत्तिनकारा में मेगा रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगा। नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एलडीएफ और यूडीएफ यहां एक-दूसरे से लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में संसद में वे गठबंधन सहयोगी बनते हैं। दोनों ही दल पूरी तरह भ्रष्ट हैं। सोना तस्करी पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोपियों को जेल भेजकर रहूंगा।

खबर संक्षेप

पारसी समुदाय की शिविर में उमड़ी भीड़

मुंबई। यहां अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय और बॉम्बे पारसी पंचायत के सहयोग से सार्वभौमिक पारसी पंजीकरण अभियान के विशेष सुविधा शिविर में लोगों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। शिविर के दौरान 'जियो पारसी' पोर्टल पर करीब 300 नए पंजीकरण पूरे किए गए, जो पारसी समुदाय तक पहुंच बढ़ाएगा।

जज के घर से गहने चुराने का आरोप, जमानत रद्द

चंडीगढ़। पंजाब के पटियाला जिले की एक कोर्ट ने सिविल जज बिक्रमदीप सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। बिक्रमदीप पर चोरी और घर में जबरन घुसने का आरोप है। बिक्रमदीप और अन्य लोगों ने कथित तौर पर पिछले साल अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के आवास से सोना और आभूषण चुराए थे। जब घटना वाली रात उनका निधन हो गया था।

दादी की अंतिम विदाई में 4 भाई गंगा में डूबे

मेरठ। यहां के इंचौली थाना इलाके के जलालपुर गांव के एक ही परिवार के 3 किशोर और 1 युवक गंगा नदी में डूब गए। चारों युवक चचेरे भाई हैं। एक अन्य युवक को डूबने से बचा लिया गया। देर रात तक चले सर्च ऑपरेशन में चारों का सुराग नहीं लग सका। घटना शुक्रवार को दोपहर में करीब 3:30 बजे हस्तिनापुर के मखदूमपुर गंगा घाट पर हुई। संबंधित पुलिस ने बताया कि डूबने वाले तीन किशोर और युवक 100 वर्षीय दादी भगवती देवी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे।

आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा

वैश्विक परिस्थितियों में युवाओं की भूमिका अहम ग्लोबल सोच रखें और देश को आत्मनिर्भर बनाएं

छात्रों से कहा- पढ़ाई तक ही सीमित न रहें, सियासी और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

यहां के छात्रों को किया आगाह

15वें दीक्षांत समारोह में यह बात कही

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में देश के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि ये तेज़ी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं। ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें। भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है।

बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला

उन्होंने बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सड़कों, रेल नेटवर्क और बंदरगाहों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल क्रांति ने व्यापार और जीवन को सुगम बनाया है। इससे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले हैं। उन्होंने आत्मनिर्भरता को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने की बात कही।

कौशल का उपयोग करें और देश का नाम दुनिया में ऊंचा करें

उन्होंने कहा कि यह केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। छात्रों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे वैश्विक सोच के साथ अपने कौशल का उपयोग करें और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा करें। अंत में उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए निरंतर मेहनत, नेतृत्व क्षमता और मजबूत संबंध बनाना बेहद जरूरी है।

भारतीयों की सुरक्षा और ब्रांड इंडिया को प्राथमिकता दें

जयशंकर ने बताया कि विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुश्किल परिस्थितियों में उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, विदेश नीति भारत की सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक क्षमता को विश्व के सामने प्रस्तुत करती है। यह 'ब्रांड इंडिया' को एक विश्वसनीय और मजबूत पहचान दिलाती है। यह भारत के हितों की रक्षा करती है।

हमारा समाज महत्वपूर्ण आशावादी, कुछ लोग इसे भी नहीं मान रहे

कुछ समाज इन बदलावों को स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमताओं, कनेक्टिविटी और संसाधनों में नए विकास ने एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में जोखिम लेने को बढ़ावा दिया है। जयशंकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि आजकल लगभग हर चीज को लीवरेज किया जा रहा है, अगर नहीं तो हथियार बनाया जा रहा है। दुनिया अब खुद को शत्रुतापूर्ण और अनिश्चित वातावरण में सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना कर रही है। जयशंकर ने भारत के सकारात्मक नजरिए पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे समाज में एक आशावाद है जो दुनिया के कई अन्य हिस्सों में नहीं दिखता। पिछले 10 साल काफी बेहतर रहे हैं, जिसने यह विश्वास पैदा किया है कि अगले 10 साल और उसके बाद के साल भी अच्छे होंगे।

प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र ने कहा

अब मैसूरू में बनेगा आधुनिक छात्रावास, मिलेट्स को बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ मैसूरू

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर में प्रशिक्षुओं के लिए 30 एकल अधिभोग वाले हॉस्टल का शिलान्यास किया।

सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय तकनीक से विकसित बाजरा आधारित व्यंजन अब मैकडॉनल्ड्स जैसी अंतरराष्ट्रीय फूड चेन में भी परोसे जा रहे हैं। यह पहल भारत के बाजरा अभियान को नई गति देगी, जिसमें तकनीक और जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण दोनों को समान रूप से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर के पारंपरिक पनीर उत्पाद 'कैलारी' से भी इसी तरह के टिकाऊ खाद्य उत्पाद विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

आरकेवीवाई के तहत तैयार होगा आधुनिक परिसर

यह परियोजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विकसित की जा रही है। एमजीहल्ली परिसर में बन रहा यह कॉम्प्लेक्स लगभग 50 प्रतिभागियों को ठहराने की क्षमता रखेगा और इसमें रसोई व डाइनिंग जैसी सुविधाएं भी शामिल होंगी। इसके एक वर्ष के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इस केंद्र में जम्मू-कश्मीर के पारंपरिक 'कलारी' चीज से टिकाऊ खाद्य उत्पाद विकसित करने पर भी काम किया जा रहा है, जिससे वैल्यू-एडेड फूड इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता से केंद्र लैस

मिलेट्स सेंटर में सात इंटीग्रेटेड प्रोसेसिंग लाइनें स्थापित हैं, जो सफाई, डीहुलिंग, पॉलिशिंग और सॉर्टिंग जैसी प्रक्रियाओं के साथ आटा, सूजी, फ्लेक्स, बेक्ड और एक्सट्रूडेड उत्पादों के निर्माण को सक्षम बनाती हैं। इसकी प्रोसेसिंग क्षमता 1,000 किलोग्राम प्रति घंटा तक है और यह मिलेट आटे की शेल्फ लाइफ को एक महीने से बढ़ाकर लगभग 10 महीने तक करने में सक्षम है।

9 प्रकार के मिलेट्स पर काम होगा

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, 20 करोड़ रुपए की इस सुविधा में नौ प्रकार के मिलेट्स को प्रोसेस करने की क्षमता है। यह केंद्र स्वच्छ, स्वचालित वातावरण में बड़े पैमाने पर उत्पादन और पोषक तत्वों को बेहतर बनाए रखने में मदद करेगा।

दादी की अंतिम विदाई में 4 भाई गंगा में डूबे

मेरठ। यहां के इंचौली थाना इलाके के जलालपुर गांव के एक ही परिवार के 3 किशोर और 1 युवक गंगा नदी में डूब गए। चारों युवक चचेरे भाई हैं। एक अन्य युवक को डूबने से बचा लिया गया। देर रात तक चले सर्च ऑपरेशन में चारों का सुराग नहीं लग सका। घटना शुक्रवार को दोपहर में करीब 3:30 बजे हस्तिनापुर के मखदूमपुर गंगा घाट पर हुई। संबंधित पुलिस ने बताया कि डूबने वाले तीन किशोर और युवक 100 वर्षीय दादी भगवती देवी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे।

दिल्ली में कमर्शियल गैस पर नया नियम लागू

एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब दिल्ली के व्यापारियों, रेस्टोरेंट और उद्योगों को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर तभी मिल सकेगा, जब उन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर दिया होगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के नए आदेश के अनुसार किसी भी कमर्शियल या इंडस्ट्रियल उपभोक्ता के लिए एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए संबंधित तेल कंपनियों के पास रजिस्टर्ड होना और पीएनजी के लिए आवेदन करना अनिवार्य है।

पीएनजी गैस को माना जा रहा ज्यादा सुरक्षित

पहले व्यावसायिक प्रतिष्ठान अपनी जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर मंगवाते थे, लेकिन अब इस प्रणाली को धीरे-धीरे खत्म करने की तैयारी है। पीएनजी को ज्यादा सुरक्षित माना जा रहा है।

चड्ढा की आप नेताओं के आरोपों पर दो टूक, लाइव बोले

मैं घायल हूं तो घातक हूं, हर झूठ को बेनकाब करूंगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक वीडियो जारी कर अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर सफाई दी है। फेसबुक पर लाइव आकर चड्ढा ने एक-एक करके सभी आरोपों का जवाब दिया है और दो टूक कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा हैं। इनका मकसद संसद में उनकी आवाज को दबाना है। चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है।

मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा

100 बार झूठ बोलने से सच नहीं बदलता

फुटेज देख लीजिए, सब साफ हो जाएगा

चड्ढा ने कहा कि आपकी तरफ से 3 बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप है कि जब विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है तो चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। ये सरासर झूठ है। एक दिन ऐसा बताया जाए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरे हैं, आप उसकी फुटेज निकालकर दिखा दीजिए। सब साफ हो जाएगा।

ईसीआई मामले में सारा दोष मुझ पर ही क्यों?

राघव ने कहा कि उन पर दूसरा आरोप लगाया गया कि मैंने चीफ इलेक्शन कमिश्नर को हटाने वाली याचिका पर साइन नहीं किए। ये आरोप सरासर गलत है। उन्हें आप के किसी नेता ने इस याचिका पर साइन करने के लिए नहीं कहा। राज्यसभा में पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से 6-7 सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किया।

ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए हर मुद्दे उठाए

चड्ढा ने कहा कि तीसरा आरोप जो उन पर लगाया गया वो ये था कि वो डर गए हैं और इसलिए वो बेकार मुद्दे उठाते हैं। मैं संसद में चीखने चिल्लाने, गाली देने या माइक तोड़ने नहीं गया। मैं वहां जनता के मुद्दे उठाने गया हूं। मैंने कौन से मुद्दा नहीं उठाए। जीएसटी से लेकर पानी तक, पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा की बात की। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक के मुद्दे उठाए। मेरा ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में इंपेक्ट क्रिएट करने गया हूं।

होर्मुज की लहरों पर भारत का दबदबा: तनाव के बीच सुरक्षित निकला 44,000 टन एलपीजी वाला टैंकर

ये महज एलपीजी से भरा जहाज नहीं है बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत का जहाज है

- भारत की कूटनीति का कमाल, ईरान ने दिया रास्ता, सुरक्षित घर लौटा भारतीय पोत ग्रीन सान्वी
- समंदर में 'कवच' बनी भारतीय डिप्लोमेसी, युद्ध के साए में भी नहीं रुकेगी आपकी रसोई की गैस
- ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत का मास्टरस्ट्रोक
- ईरान के विदेश मंत्री ने कहा- भारत के लिए हमेशा रास्ता खुला है
- फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के संकट के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारतीय ध्वज वाला विशाल एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी दुनिया के सबसे खतरनाक और संवेदनशील समुद्री मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गया है। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस रास्ते को सुरक्षित पार करने वाला यह सातवां भारतीय पोत है। इस टैंकर में लगभग 44,000 टन एलपीजी मौजूद है, जो भारत की करीब आधे दिन की गैस खपत के बराबर है। भारत की यह सफलता केवल एक समुद्री यात्रा नहीं, बल्कि उसकी मजबूत डिप्लोमेसी का नतीजा है।

भारत सरकार ने अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए ईरान के साथ उच्च स्तरीय कूटनीतिक संपर्क बनाए रखा। इसी का परिणाम है कि ईरान ने भारत, रूस और चीन जैसे मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित गलियारा देने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी स्पष्ट किया है कि भारत जैसे गैर-दुश्मन देशों के जहाजों को इस मार्ग पर कोई खतरा नहीं होगा। वर्तमान में फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 'ग्रीन सान्वी' के बाद अब 'ग्रीन आशा' और 'जग विक्रम' जैसे दो और बड़े टैंकर भी जल्द ही भारत की सीमा में दाखिल होंगे। वैश्विक अस्थिरता और तनाव के इस दौर में, होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग से भारतीय जहाजों का सुरक्षित निकलना यह साबित करता है कि भारत अपनी समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा जरूरतों को लेकर पूरी तरह सजग और सक्रिय है।

चीन की ओर नहीं मुड़ा ईरान से आ रहा कोई जहाज सरकार ने भुगतान से जुड़ी खबरों को बताया बेबुनियाद

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरानी कच्चे तेल की खेप को लेकर फैल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गुजरात के वडीनार से ईरान का कच्चा तेल चीन की ओर मोड़ा गया। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है, जिसमें ईरान से आयात भी शामिल है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि ईरानी कच्चे तेल के भुगतान को लेकर किसी तरह की कोई बाधा नहीं है, जैसा कि कुछ अफवाहों में दावा किया जा रहा है। सरकार ने दोहराया कि आने वाले महीनों के लिए भारत की कच्चे तेल की आवश्यकताएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सप्लाई को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है।

अमेरिका का ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट पर मिसाइल अटैक, इजराइल-लेबनान में भी धमाके

ईरान में अमेरिकी पायलट के लापता होने के बाद अब अमेरिका ने हमले तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में ईरान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक जोरदार धमाका हुआ। सुबह करीब 8:30 बजे गिरे इस रॉकेट की जद में आकर वहां तैनात एक सुरक्षा गार्ड की जान चली गई। राहत की बात यह रही कि परमाणु संयंत्र की मुख्य इमारतों और सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक,यह हमला अमेरिका और इजराइल की साझा साजिश का हिस्सा था। ईरान के औद्योगिक ढांचे को भी चोट पहुंचाने की कोशिश की गई है। ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में स्थित बंदर इमाम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स पर भी हवाई हमला हुआ है। इस हमले में कॉम्प्लेक्स को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान पर हुए इन हमलों के जवाब में लेबनान के हथियारबंद संगठन हिजबुल्लाह ने मोर्चा खोल दिया है। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजरायल के किरिअत शमोना शहर को निशाना बनाते हुए रॉकेटों की बौछार कर दी है।

रडार को चकमा देने वाली मिसाइलों का जखीरा बाकी

टकरा रहा ईरान, 50 प्रतिशत क्षमता खत्म, फिर भी डटा

एआई इमेज

ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने अमेरिका इजराइल समेत खाड़ी देशों की नाक में दम कर रखा है। सच ये है कि ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदलकर रख दी है। ईरान ने दुनिया के सामने युद्ध का एक ऐसा मॉडल रखा है जहां वैश्विक शक्तियों का वर्चस्व खत्म होता है और पारंपरिक सेना की जरूरत खत्म होती है। ईरान की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में थाड और आयरन डोम जैसे मोस्ट एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम भी सौ फीसदी काबिल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में कोई कम शक्तिशाली देश अपनी मिसाइल शक्ति से वैश्विक शक्तियों को घुटने पर लाने की काबिलियत रखता है। ईरान की मिसाइल क्षमता ने देशों के मनोविज्ञान पर असर डाला है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था और सिर्फ अमेरिका ने अभी तक ईरान पर साढ़े 12 हजार से ज्यादा टारगेट पर हमले किए हैं। फिर भी अमेरिका की खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि ईरान की 50 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइल क्षमता बनी हुई है।

ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा बदली

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को पहले हमले में ही ईरान के कमांड सेंटर को तबाह कर दिया था। प्रतिबंधों की वजह से ईरान कभी भी एक मजबूत वायुसेना नहीं बना पाया। लेकिन उसने अपनी मजबूत बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों के दम पर युद्ध को एक महीने से ज्यादा खींच लिया। ये ईरान की जीत कही जाएगी। ईरान ने अपने हथियारों के जखीरे को एक आक्रामक हथियार के तौर पर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक निवारक और शासन के अस्तित्व की गारंटी के तौर पर पेश किया है। इसी वजह से वह अलग-अलग स्थितियों का जवाब अलग-अलग तैयारियों के साथ देता है।

ईरान की विनाशक मिसाइल भंडार 2022 के आंकड़ों के मुताबिक क्रूज मिसाइलों को छोड़कर ईरान के पास 3 हजार से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों के होने का अंदाजा लगाया गया था। ईरान के पास मध्य पूर्व में सबसे बड़ा और सबसे विविध मिसाइल भंडार है। पिछले एक दशक में इसने अपनी मिसाइलों की सटीकता और अचूकता में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस युद्ध से पता चलता है कि ईरान ने पिछले 15-20 सालों में मिसाइल युद्ध लड़ने की जो रणनीति अपनाई थी वो सही साबित हुई है। वो इससे ज्यादा कुछ और कर भी नहीं सकता था। उसने ड्रोन युद्ध की नई परिभाषा लिख डाली है और यकीन मानिए दुनिया के तमाम देश ड्रोन युद्ध से सबक सीख रहे होंगे।

कमांडो और लड़ाकू हेलिकॉप्टर तैनात

लापता अमेरिकी पायलट के लिए 'रेस अगेंस्ट टाइम एलीट' को भेजा

ईरान के आसमान में शुक्रवार को मार गिराए गए अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान के लापता पायलट को खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक खतरनाक चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो गया है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन को सैन्य विशेषज्ञ रेस अगेंस्ट टाइम (समय के खिलाफ दौड़) करार दे रहे हैं, क्योंकि पायलट की सुरक्षा पर न केवल उसकी जान, बल्कि क्षेत्र के भविष्य का समीकरण भी टिका है। इजराइली रक्षा वेबसाइट वायनेट के अनुसार, अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज अपने अत्याधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और एलीट इकाइयों के साथ दक्षिण-पश्चिमी ईरान के कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं। यह क्षेत्र अपनी भौगोलिक जटिलता के लिए कुख्यात है। 1,600 किमी लंबी जाग्रोस पर्वतमाला, जिसकी चोटियां 4,200 मीटर से अधिक ऊंची हैं, घने जंगलों और संकरी घाटियों से भरी हुई है। अमेरिकी सेना के लिए यह इलाका एक किल जोन साबित हो सकता है।

66,000 डॉलर का इनाम रखा

लापता पायलट को अमेरिकी हाथों में जाने से रोकने के लिए ईरान ने मनोवैज्ञानिक युद्ध का सहारा लिया है। ईरानी मीडिया ने घोषणा की है कि पायलट को पकड़ने वाले को 66,000 डॉलर का नकद इनाम दिया जाएगा। यह कदम मुख्य रूप से स्थानीय कबीलों को लुभाने के लिए है, जो इन पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस दुर्गम इलाके में दुनिया की कोई भी सेना स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता का मुकाबला नहीं कर सकती। वहीं ईरान के एक चैनल पायलट को शूट करने की अपील की है।

ट्रंप प्रशासन के लिए साख की लड़ाई

पायलट का लापता होना डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और घरेलू चुनौती बन गया है। हाल ही में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर पूर्ण हवाई बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में विमान का गिरना और पायलट का लापता होना प्रशासन के लिए शर्मिंदगी का सबब है। यदि ईरान पायलट को बंधक बनाने में सफल होता है, शर्तों को मनवाने के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा।

लेबनान के टायर बंदरगाह और बेरूत के रिहायशी इलाकों पर बमबारी

लेबनान की सरकारी एजेंसी के मुताबिक, दक्षिण लेबनान के ऐतिहासिक शहर टायर में मछुआरों के बंदरगाह पर इजराइल ने हवाई हमला किया.इसमें एक शख्स की मौत हो गई। इजराइली सेना अब सीमावर्ती गांवों जैसे आयता अल-शाब और राम्या में हमले कर रही है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी इलाके की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं।

खबर संक्षेप

वॉशिंगटन की मेयर बन सकती हैं रिनी संपत

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

इसी कड़ी में भारतीय मूल की रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं।

रूस का यूक्रेन पर हमले में 5 की मौत

कीव। रूस द्वारा शुक्रवार रात यूक्रेन पर किए गए ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि

30 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्किये के अपने समकक्ष रजब तैयब एर्दोआन के साथ वार्ता के लिए इस्तांबुल की यात्रा पर हैं। जेलेंस्की का ईस्टर्न क्रिश्चियन के आध्यात्मिक नेता हैं।

पेट्रोल की कीमतों को लेकर पाकिस्तान में आक्रोश

इस्लामाबाद। ईंधन की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण भारी जनाक्रोश पैदा होने के एक दिन

बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पेट्रोल की कीमत में 80 पाकिस्तानी रुपए की कटौती की घोषणा की है। शरीफ ने संबोधन में कहा कि सरकार ने पेट्रोल पर लगाए अतिरिक्त शुल्क में 80 रुपए प्रति लीटर की कमी की है।

पीएम मोदी ने कहा-कांग्रेस चाहती है वेस्ट एशिया भारत को दुश्मन मान ले...

खाड़ी देशों की सरकारों से हमारी दोस्ती अच्छी, वे भारतीयों को 'परिवार' मान रहे

- *कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है*
- *केरल के लोगों की सुरक्षा के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध*

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवल्ला और पथनमथिट्टा में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में खाड़ी देशों और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान युद्ध के बीच कांग्रेस समेत विपक्ष द्वारा लगाए आरोपों पर कड़ा पलटवार किया है। पीएम मोदी ने केरल के तिरुवल्ला में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। हम यहां ऐसा कोई बयान दे दें और गल्फ कंट्री से भारतीयों को बाहर निकाल दिया जाए। इसलिए कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और उसे मोदी को गाली देने का मौका मिल जाए। पीएम मोदी ने कहा कि वो तो हमारी दोस्ती अच्छी है कि गल्फ की सभी सरकारें हमारे सभी भारतीयों को अपना ही परिवार मानकर रक्षा कर रही हैं। पीएम मोदी ने केरल की चुनावी रैली में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद बिगड़े हालात और भारत में विपक्ष की बयानबाजी पर खूब तीर चलाए। पीएम मोदी ने कहा कि अरे, राजनीति अपनी जगह है, चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ा काम है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं। पीएम मोदी ने कहा कि लेकिन यहां से ऐसी-ऐसी भाषा बोली जा रही है। मैं उनको कहकर थक गया कि ये बोलने का समय नहीं है।

पीएम मोदी के भाषण की 4 प्रमुख बातें

1. *भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि :* प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि खाड़ी देशों में रह रहे लाखों भारतीयों, विशेषकर केरल के लोगों की सुरक्षा उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा तनाव के बावजूद, भारत सरकार वहां फंसे भारतीयों और मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है।
2. *खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध :* पीएम मोदी ने खाड़ी देशों की सरकारों के साथ भारत के प्रगाढ़ संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि खाड़ी देशों की सरकारें वहां रहने वाले भारतीयों को अपना परिवार मानती हैं और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती हैं। यह भारत की मजबूत विदेश नीति और व्यक्तिगत संबंधों का ही परिणाम है कि संकट के समय में भी हमारे नागरिकों को वहां प्राथमिकता दी जा रही है।
3. *विपक्ष (कांग्रेस) पर कड़ा प्रहार:* पीएम ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए उन पर 'खतरनाक राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ऐसे बयान दे रहे हैं जिससे खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्ते खराब हो सकते हैं। पीएम का आरोप था कि कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें, ताकि वहां रह रहे भारतीयों के लिए मुसीबत खड़ी हो और कांग्रेस को मोदी पर हमला करने का मौका मिल सके। उन्होंने विपक्ष को चेतावनी दी कि वे राजनीतिक फायदे के लिए खाड़ी देशों में रह रहे लोगों की जान जोखिम में न डालें और बकवास बयानबाजी बंद करें।
4. *संकट के समय कूटनीति :* प्रधानमंत्री ने बताया कि वह खाड़ी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पैनिक (डर) फैलाने की कोशिश कर रहा है, जबकि सरकार कूटनीतिक रास्तों से यह सुनिश्चित कर रही है कि हमारे युवाओं और बेटियों को वहां कोई परेशानी न हो।

ईरान से भारतीयों की सुरक्षित निकासी में मदद पर भारत ने आर्मेनिया का जताया आभार

204 भारतीय जमीनी सीमा चौकियों के जरिए भारत लौटे

- *अजरबैजान पहुंचे, कई स्वदेश लौटे और बाकी जल्द लौटेंगे*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मददगारों के प्रति आभार व्यक्त करना हर एक भारतीय की परंपरा है। इसी परंपरा का नतीजा है कि केंद्र भी मददगार देशों के प्रति कृतज्ञता जताने में कभी पीछे नहीं हटती है। हाल ही में भारत ने ईरान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग देने के लिए आर्मेनिया का आभार जताया है। हाल के दिनों में आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों और अन्य नागरिकों की सुरक्षित निकासी संभव हो सकी है। विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और वहां की सरकार को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सैकड़ों भारतीय नागरिक जमीनी रास्तों से आर्मेनिया पहुंचे हैं। भारत सरकार क्षेत्र के देशों के साथ समन्वय कर सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने में जुटी है। इससे पहले भारत ने अजरबैजान का भी आभार जताया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के जरिए ईरान से अजरबैजान पहुंचे, जिनमें से कई स्वदेश लौट चुके हैं और बाकी जल्द लौटेंगे। उन्होंने कहा कि अजरबैजान में भारतीय दूतावास सक्रिय है और दोनों देशों के बीच नियमित संपर्क बना हुआ है, जिससे निकासी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है।भारत ने इससे पहले भी आर्मेनिया की मदद की सराहना की थी। 16 मार्च को भी कठिन परिस्थितियों में 550 से अधिक भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाले।

पाकिस्तान से कहा- कर्ज तुरंत वापस करो

जंग के बीच यूएई ने पाकिस्तान से मांगे अपने 3.5 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

फाइल फोटो

पाकिस्तान संयुक्त अरब अमीरात के 3.5 अरब डॉलर के कर्ज का पूरा भुगतान करेगा, ऋण को किस्तों में चुकाने की अवधि बढ़ाने की प्रथा समाप्त करेगा। रिपोर्ट के अनुसार , पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात को देय 3.5 अरब डॉलर का भुगतान इसी महीने करने का फैसला किया है, जो लंबे समय से चली आ रही किस्तों में भुगतान की अवधि बढ़ाने की व्यवस्था से एक बदलाव का संकेत है। मामले से परिचित अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि इस कदम का उद्देश्य अबू धाबी द्वारा हाल ही में जमा राशि को अल्पकालिक, मासिक आधार पर विस्तारित राशि में बदलने के बाद उत्पन्न अनिश्चितता को दूर करना है। एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि यह निर्णय रजमा राशि के भविष्य को लेकर संदेह दूर करने और बार-बार अल्पकालिक विस्तार से बचनेर के उद्देश्य से लिया गया है। कई वर्षों से पाकिस्तान खाड़ी देशों के साझेदारों से प्राप्त जमा राशि के पुनर्चक्रण पर निर्भर रहा है, लेकिन एक महीने के लिए दी गई नवीनतम ऋण अवधि में विस्तार ने इस्लामाबाद में वित्तीय स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

जर्मनी में पुरुषों के देश छोड़ने पर रोक

सरकार का ऐलान, 17-45 साल के लोग देश के बाहर नहीं जा सकेंगे

- बड़ा सवालः क्या फैसला सैन्य तैयारी से जुड़ा है
- जर्मनी की सेना में करीब 1.84 लाख सैनिक हैं
- सैनिक बढ़ाकर 2035 तक 2.55 से 2.70 लाख तक करने का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ बर्लिन

एआई इमेज

जर्मनी में 17 से 45 साल के पुरुषों की विदेश यात्रा को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। सरकार ने नई व्यवस्था लागू की है, जिसके तहत इस आयु वर्ग के पुरुषों को तीन महीने से ज्यादा समय के लिए देश छोड़ने से पहले अनुमति लेनी होगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब जर्मनी अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब अगर कोई पुरुष तीन महीने से ज्यादा समय के लिए पढ़ाई, नौकरी या किसी अन्य कारण से विदेश जाना चाहता है, तो उसे जर्मन सेना यानी बुंडेसवेहर से मंजूरी लेनी होगी। यह नियम 1 जनवरी 2026 से लागू किया गया है। पहले यह नियम सिर्फ आपात स्थिति या युद्ध जैसे हालात में लागू होता था, लेकिन अब इसे सामान्य समय में भी लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत 17 से 45 साल के पुरुषों को लंबी अवधि के लिए विदेश जाने से पहले सैन्य प्राधिकरण से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह अनुमति बुंडेसवेहर के करियर सेंटर से मिलेगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि जरूरत पड़ने पर सेना के लिए योग्य लोगों की जानकारी और उपलब्धता बनी रहे। जर्मनी सरकार इस कदम को सैन्य मजबूती से जोड़कर देख रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में सेना की संख्या बढ़ाई जाए। फिलहाल जर्मनी की सेना में करीब 1.84 लाख सैनिक हैं, जिसे बढ़ाकर 2035 तक 2.55 से 2.70 लाख तक करने की योजना है। ऐसे में संभावित सैनिकों का रिकॉर्ड रखना जरूरी माना जा रहा है।

'धुरंधरः द रिवेंज' की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत

मुंबई। डायरेक्टर आदित्य धर की जासूसी थ्रिलर 'धुरंधरः द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर एक अजेय योद्धा की तरह आगे बढ़ रही है। रिलीज के तीसरे शुक्रवार (16वें दिन) को फिल्म ने न केवल अपनी पकड़ मजबूत रखी, बल्कि दुनिया भर में 1500 करोड़ का जादुई आंकड़ा पार कर एक नया इतिहास रच दिया है। इस फ़िल्म ने पहले ही 'केजीएफः चेप्टर 2' (859.70 करोड़), 'आरआरआर (782.20 करोड़), और 'कल्की 2898 एडी' (646 करोड़) के भारत में हुए कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को 13,317 शो में फ़िल्म की कमाई में 17.8% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

लाइफ Style

रश्मिका

पहली फिल्म से मिला हिट करियर

एजेंसी ⏭ मुंबई

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने 80 के दशक से लेकर अब तक हिंदी सिनेमा की तरफ रुख किया है। श्रीदेवी, जयाप्रदा, हेमा मालिनी और रेखा समेत कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिनके करियर की नींव दक्षिण भारत में रखी गई लेकिन सफलता उन्हें हिंदी सिनेमा से मिली।

आज के दौर की ऐसी ही अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। 5 अप्रैल को जन्मी रश्मिका तेलुगू और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में जाना-माना नाम बन चुकी हैं। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे। आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई।

हॉलीवुड मसाला

एना की स्केरी मूवी में वापसी

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की मशहूर हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'स्केरी मूवी' इन दिनों सुर्खियों में है। दरअसल, इसका छठा पार्ट बनने जा रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म में एना फेरिस अपने लोकप्रिय किरदार सिंडी कैंपबेल के रूप में वापसी कर रही हैं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। एना फेरिस ने कहा, जब मार्लोन वायंस ने मुझे फोन कर बताया कि वे 'स्केरी मूवी' की टीम को फिर से साथ ला रहे हैं, तो इस बात पर एक पल के लिए मुझे यकीन ही नहीं हुआ। यह मेरे लिए खुशी की बात थी।

बचपन में हो गया था बेहद दुखी : रैडक्लिफ

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड स्टार डैनियल रैडक्लिफ के दुनिया भर में बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं। हालांकि, बच्चों का 'हैरी पॉटर' फेम स्टार से खास रिश्ता है। अभिनेता ने अपने बचपन के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनके बचपन में कई पल ऐसे आए, जब वो टूट गए और बेहद दुखी हो गए थे। 'हैरी पॉटर' स्टार ने अपने कल की तुलना आज से करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरा बचपन आज के रूप को पहचान पाएगा, क्योंकि अब मुझे जो खुशी मिल रही है, वह पहले नहीं थी। अभिनेता ने बताया, मेरी जिंदगी में ऐसे भी पल आए हैं, जब मैं बहुत ज्यादा दुखी था, खासकर तब जब मैं बहुत छोटा था। उन्होंने बताया, आज मैंने अपना दिन अपने 3 साल के बेटे के साथ सड़क पर टहलते हुए बिताया।

महाकाल की भक्ति में लीन हुईं कावेरी

उज्जैन। अभिनेत्री कावेरी प्रियम उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और काफी देर तक हाथ जोड़कर बाबा के भक्ति रस में डूबी नजर आईं। नंदी महाराज के पास मौजूद अभिनेत्री बाबा महाकाल को निहारती नजर आईं। उन्होंने बताया कि वह पिछले तीन सालों से लगातार महाकाल दर्शन के लिए आ रही हैं। यहां की ऊर्जा को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। भस्म आरती के समय जो शक्ति और ऊर्जा मिलती है, वह अलौकिक होती है। उसे महसूस करके ही समझा जा सकता है। यहां आकर मन को बहुत शांति मिलती है। अभिनेत्री कावेरी प्रियम ने 'नागिन 2', 'परदेस में है मेरा दिल' और 'सावधान इंडिया' जैसे शो में छोटी भूमिकाओं के साथ शुरुआत की।

राजकुमार की 'टोस्टर' का ट्रेलर आउट

मुंबई । अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव की आगामी फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म एक ऐसे आदमी के बचत करने के पक्के इरादे की कहानी है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, बचत करना नहीं छोड़ता है। ट्रेलर में राजकुमार राव रमाकांत नामक प्यारे और सीधे-सादे कंजूस के रोल में दिख रहे हैं। रमाकांत को लगता है कि हर बचाया हुआ रुपया उसकी बड़ी जीत है। वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजों से भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश करता है और जिस चीज पर एक बार पैसे खर्च कर देता है, उसे आसानी से जाने नहीं देता। रमाकांत बचत करने के मामले में एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंच जाता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रमाकांत और उसकी पत्नी एक शादी में किसी को टोस्टर गिफ्ट करते हैं।

टीवी मसाला

'ऑन डिफरेंट ग्राउंड्स' से ग्लोबल मंच पर कदम रखेंगे विनीत रैना

मुंबई। छोटे पर्दे के मशहूर अभिनेता विनीत रैना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म 'ऑन डिफरेंट ग्राउंड्स' के जरिए ग्लोबल मंच पर कदम रखने जा रहे हैं। यह फिल्म जून महीने में थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

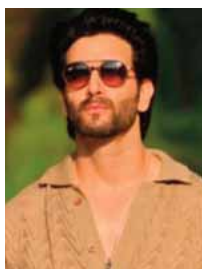

अभिनेता का मानना है कि भारतीय कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में एक बार जरूर काम करना चाहिए। विनीत ने अपनी आगामी फिल्म 'ऑन डिफरेंट ग्राउंड्स' में शामिल होने की पूरी प्रक्रिया बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोड्यूसर और राइटर निखिल निधि ने मुझे इस फिल्म का कॉन्सेप्ट सुनाया, तो मैं तुरंत तैयार हो गया। मना करने का कोई कारण ही नहीं था। यह मेरी कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का शानदार मौका था। एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि ऐसे अवसरों को हमेशा हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।उन्होंने कहा, इस फिल्म में घाना, दक्षिण अफ्रीका और यूएसए के कई प्रतिभाशाली अंतर्राष्ट्रीय कलाकार काम कर रहे हैं। मेरी को-स्टार अवीना, जो कि मिस यूएसए हैं। उन्होंने कहा, हमें सक्रिय रूप से अंतर्राष्ट्रीय कास्टिंग एजेंसियों से जुड़ना चाहिए और दुनियाभर में मौजूद मौकों को तलाशने चाहिए। रचनात्मकता का यह आदान-प्रदान हमें फिल्म-निर्माण की अलग-अलग शैलियां सीखने में मदद करता है और कलात्मक विकास को बढ़ावा देता है।

डिवोर्स के बाद हंसिका की नए फेज में एंट्री

मुंबई। साउथ एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने डिवोर्स का ऐलान किया था। वहीं, पति सोहेल खातोरिया से तलाक के बाद अब हंसिका अपनी जिंदगी के नए फेज में एंटर कर चुकी हैं। दरअसल, हंसिका ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की,जिनमें वह जापान की खूबसूरत वादियों में छुट्टियां मनाती नजर आ रही हैं। इंटरनेट पर हंसिका के इस ट्रीप की तस्वीरें खूब वायरल हो रही है। इन फोटो में हंसिका काफी रिलैक्स और खुश नजर आ रही हैं. इसके अलावा, वो अपनी मां और भाई के साथ मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर फैंस भी हंसिका के इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। हंसिका के इंस्टाग्राम अकाउंट को ध्यान से देखने पर फैंस ने गौर किया कि एक्ट्रेस ने पति सोहेल कथूरिया के साथ की सभी तस्वीरों और वीडियो को डिलीट कर दिया है। यहां तक कि शादी की तस्वीरें भी नजर नहीं आ रही हैं।

फिल्म 'कप्तान' में अपराधी के किरदार में दिखेंगे सिद्धार्थ

मुंबई। अभिनेता सिद्धार्थ निगम इन दिनों एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। सीरीज में उन्होंने एक कबीर नाम के आक्रामक, भावुक और दृढ़ निश्चयी अपराधी का किरदार निभाया है। सिद्धार्थ निगम ने बताया कि फिल्म कबीर का रोल मिलने के बाद उन्होंने इमोशनल लेयर्स को बेहतर समझने के लिए एक्टिंग वर्कशॉप की थी।

उन्होंने बताया, इस किरदार में बहुत गहराई और अंदरूनी संघर्ष हैं। वर्कशॉप ने मुझे हर सीन को नई नजर से देखने में मदद की। यह मेरे करियर का अहम पड़ाव था। सिद्धार्थ ने आगे अपने किरदार को रोमांचक बताया। उन्होंने कहा, मेरा रोल चैलेंजिंग नहीं, बल्कि बहुत रोमांचक है। हर एक्टर लेयर्ड रोल चाहता है, जिसमें एक्शन, इमोशन और हल्का ह्यूमर भी हो। इस स्क्रिप्ट में ये सारे एलिमेंट पहले से थे, इसलिए मुझे सब एक्सप्लोर करने का पूरा मौका मिला। उन्होंने शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेता ने कहा, शूटिंग के दौरान हमारे लिए सबसे बड़ा चुनौती थी मौसम। हम हर दिन तेज गर्मी में शूटिंग कर रहे थे और उसमें भरपूर एक्शन सीन भी थे। एक बार अंजुम शर्मा के साथ फाइट सीन के दौरान हम यह भी नहीं समझ पा रहे थे कि किसे ज्यादा पसीना आ रहा है।

मोरक्कन संग 'बेजाफ' में बिखेरेंगी जलवा

मुंबई। कहते हैं कि कला की कोई सीमा नहीं होती है और इस बात को अभिनेत्री शहनाज गिल ने सच कर दिखाया है। दरअसल, उन्होंने मोरक्को पॉप स्टार साद लमजारेद के साथ मिलकर 'बेजाफ' गाना बनाया है। इस गाने में भारतीय और मोरक्कन संस्कृति का अनोखा मेल सुनने को मिलेगा। शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम पर इस गाने का पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में शहनाज और साद लमजारेद दोनों नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। शहनाज ने पोस्ट कर लिखा, इस साल के पहले क्रॉस-कल्चरल हिट 'बेजाफ' के लिए तैयार हो जाइए। इसका टीजर रविवार सुबह 11 बजे यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। यह गाना दोनों कलाकारों की क्रॉस-कल्चरल कोलैबोरेशन है। 'बेजाफ' गाने में भारतीय धुनों के साथ मोरक्कन बीट्स और इंस्ट्रूमेंट्स का खास मिश्रण है। इसमें अलग-अलग भाषाओं और संगीत शैलियों का सुंदर संगम है।

'द कंज्यूरिंग' से 'द शाइनिंग' तक, हर पल होगी धड़कन तेज

डर से कांप जाएगी रूह, ओटीटी पर देखें हॉरर फिल्में

मुंबई। कुछ बेहतरीन हॉरर फिल्म जिन्हें देख आपकी रूह कांप जाएगी। ये सारी फिल्में ओटीटी पर अवेलेब है। अगर आप हॉरर फिल्मों के शौकीन हैं, तो यह लिस्ट आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। ओटीटी पर मौजूद ये फिल्में अपने डरावने सीन्स और सस्पेंस से आपको पूरी तरह बांध लेंगी। 'द कंज्यूरिंग' से लेकर 'द शाइनिंग' तक, इन फिल्मों का हर पल आपकी धड़कनों को तेज कर देगा और आपको आखिर तक स्क्रीन से हटने नहीं देगा।

'द कंज्यूरिंग' सबसे डरावनी फिल्म

'द कंज्यूरिंग' एक सबसे डरावनी फिल्म मानी जाती है। इस फिल्म को जेम्स वॉन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में वेरा फार्मिगा, पैट्रिक विल्सन और रॉन लिविंगस्टन जैसे स्टार्स नजर आए। इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

2014 में रिलीज फिल्म 'एनाबेल'

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'एनाबेल' में दिखाया गया है कि, कैसे एक गुड़िया के सहारे एक शख्स कुछ लोगों की जिंदगी को कठिन बनाता है। फिल्म में एनाबेले वलिस, वार्ड हॉर्टन और अल्फ्रे वुडार्ड ने काम किया। इसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

मां और बेटे की कहानी 'द बाबाडूक'

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'द बाबाडूक' में एक मां और बेटे की कहानी दिखाई गई है। जिन्हें एक किताब 'मिस्टर बाबाडूक' की वजह से परेशानियां झेलनी पड़ती है। ये फिल्म प्राइम वीडियो पर अवेलेबल है।

ब्रिटिश हॉरर-थ्रिलर 'द डिसेंट'

'द डिसेंट' एक ब्रिटिश हॉरर-थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म छह महिलाओं की कहानी है, जो एक गुफा की खोज के दौरान फंस जाती हैं। ये फिल्म अपने जबरदस्त सीन्स, खौफनाक माहौल के लिए जानी जाती है। इसे आप जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

'इंसिडियस' सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म

'इंसिडियस' एक सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म है और इसे एक बेहतरीन फिल्म माना जाता है। इस फिल्म को जेम्स वॉन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में 'द फर्दर' नाम की एक मिस्टीरियस दुनिया के बारे में दिखाया गया है, जहां आत्माएं बसती हैं। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'द शाइनिंग' बेहतरीन हॉरर फिल्म

साल 1980 में रिलीज हुई फिल्म 'द शाइनिंग' एक बेहतरीन हॉरर फिल्म है। इस फिल्म को स्टेनली कूबिक ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी 1977 में द शाइनिंग नाम की बुक पर बेस्ड है, जिसे स्टीफन किंग ने लिखा था। फिल्म में जैक निकोलसन , शेली डुवैल , डैनी लॉयड और स्कैटमैन क्रॉथर्स जैसे स्टार्स नजर आए थे। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

जबलपुर में जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने के लिए नगर निगम ने अपनी मुहिम तेज कर दी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर के प्राचीन तालाबों, बावलियों और जल संरचनाओं के पुनर्जीवन का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है।

घरों का पानी घर में, शहर का पानी शहर में

जल संरक्षण के लिए निगमायुक्त की मुहिम तेज

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने महाराजपुर क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर ऐतिहासिक खुमानताल, बावली और मुक्तिधाम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम का मूल मंत्र है घरों का पानी घर में, शहर का पानी शहर में। वर्षाजल को सहेजकर भूजल स्तर बढ़ाना और पारंपरिक जल स्रोतों को संरक्षित करना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

खुमानताल बनेगा आदर्श जल संरचना

महाराजपुर स्थित ऐतिहासिक खुमानताल का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर एवं निगमायुक्त ने तालाब की स्वच्छता, जल गुणवत्ता और सौंदर्यीकरण को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाबों और बावलियों का संरक्षण हमारी प्राथमिकता है, क्योंकि यही संरचनाएं शहर के भूजल स्तर को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। तालाब के चारों ओर व्यापक सफाई अभियान चलाने, गाद

निकालने और जलभराव क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तालाब किनारे पाथ-वे निर्माण, बैठक व्यवस्था और समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। निगमायुक्त ने कहा कि खुमानताल को एक आदर्श जल संरचना और दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोग यहां भ्रमण के साथ-साथ जल संरक्षण के महत्व को भी समझ सकें।

ऐतिहासिक बावली का होगा संरक्षण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महाराजपुर की प्राचीन बावली को भी उसके पारंपरिक स्वरूप में लौटाने की तैयारी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बावली की संपूर्ण सफाई कर उसे अतिक्रमण मुक्त किया जाए। आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर बावली की संरचना को मजबूत किया जाएगा, ताकि वर्षाजल संचयन और भू-जल पुनर्भरण की क्षमता बढ़ सके। अधिकारियों ने बताया कि लक्ष्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इन जल संरचनाओं को आत्मनिर्भर बनाकर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था में सहयोगी बनाना है।

मुक्तिधाम में सुदृढ़ होंगी नागरिक सुविधाएँ

महाराजपुर मुक्तिधाम के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने वहां आने वाले नागरिकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। मुक्तिधाम परिसर में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की उचित व्यवस्था और मार्ग सुधार सहित सभी आवश्यक सुविधाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिए कि मुक्तिधाम को पूर्णतः व्यवस्थित और गरिमापूर्ण बनाया जाए।

विकास कार्यों की भी हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। पुलिया चौड़ीकरण, मार्ग सुधार और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। निगमायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण के साथ-साथ आधारभूत संरचना का विकास भी समान रूप से आवश्यक है।

जनभागीदारी से बनेगा अभियान सफल

निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे वर्षाजल संचयन को अपने घरों में अनिवार्य रूप से अपनाएं और जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाएं। उन्होंने कहा कि जब तक आमजन की सहभागिता नहीं होगी, तब तक कोई भी अभियान पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। इस अवसर पर पार्षद लक्ष्मण गोटियां, योगेंद्र सिंह यूके, कुणाल सिंह, संतोष दुबे, अमित साहू, अशोक रजक, बबलू जायसवाल, लक्ष्मण पाठक सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुस्तक मेले के 11वें दिन उमड़ा जनसैलाब

अजय विश्नोई रहे मुख्य अतिथि

जबलपुर। शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित पुस्तक मेला 2026 के 11वें दिन विद्यार्थियों, अभिभावकों और पुस्तक प्रेमियों की बड़ी संख्या में भीड़ देखने को मिली। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने मेले की सराहना की। रविवार को हुए इस आयोजन में विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉल पर विद्यार्थियों और अभिभावकों ने जमकर किताबों की खरीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इस मौके पर समाजसेवी शिवनारायण पटेल और चिकित्सक डॉ. प्रदीप दुबे भी मंच पर उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय शिवनारायण पटेल का सम्मान भी किया गया। अपने संबोधन में अजय विश्नोई ने कहा कि पुस्तक मेला विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जहां एक ही स्थान पर व्यवस्थित तरीके से किताबें उपलब्ध हो जाती हैं। उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताया और इसके महत्व को रेखांकित किया। डॉ. प्रदीप दुबे ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है

और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के कई अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिनमें डीईओ घनश्याम सोनी, डीएसओ मधुमिता हाजरा, कृष्णकांत शर्मा, कौशल किशोर चौबे, अजय रजक, आलोक शर्मा आदि शामिल थे। यह आयोजन शिक्षा और पुस्तक प्रेमियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर साबित हुआ, जहां उन्होंने न केवल किताबों की खरीदारी की, बल्कि शिक्षा और समाज सेवा के महत्व पर भी चर्चा की।

जगद्गुरु स्वामी श्रीरामभद्राचार्यजी के श्रीमुख से होगी भक्ति रस वर्षा

संस्कारधानी में श्रीराम कथा का आयोजन आज से

जबलपुर। संस्कारधानी में 5 अप्रैल से शुरू हो रही श्रीराम कथा का आयोजन शहीद स्मारक प्रांगण में किया जाएगा, जिसमें विश्वविख्यात तुलसी पीठाधीश्वर, पद्मविभूषण जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का रसपान किया जाएगा। यह कथा अवधपुरी (आयुर्वेदिक कॉलेज) परिसर, गौरीघाट में होगी और इसका शुभारंभ माँ नर्मदा तट से माँ नर्मदा कलश पूजन के साथ किया जाएगा। साथ ही, दोपहर 3 बजे नावघाट से कथा स्थल तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया कि इस वर्ष की श्रीराम कथा का विषय 'राम जनम जग मंगल हेतु' होगा और कथा का आयोजन प्रतिदिन शाम 4:30 बजे से 7:30 बजे तक होगा। इस बार 41 समाजों के प्रतिनिधि प्रतिदिन के कथा के

यजमान होंगे, जो इस आयोजन को विशेष बना रहे हैं। आयोजन में 41 समाजों के प्रतिनिधि यजमान के रूप में शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख समाजों के नाम जैसे कि गुजराती समाज, सोनकर समाज, रजक समाज, कायस्थ समाज, महात्मा गांधी समाज, विमल जैन समाज आदि शामिल हैं। इन प्रतिनिधियों में डॉ. राजेश धीरावाणी (गुजराती समाज), श्री दास प्रसाद अहिरवार (अहिरवार समाज), डॉ. अमीर चंद्र सोनकर (सोनकर समाज), श्री विजय भावे (महाराष्ट्र समाज) और अन्य प्रमुख समाजों के नेता कथा के यजमान होंगे। साथ ही, श्रीराम कथा के दौरान, समरसता और समानता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी समाजों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जो इस धार्मिक आयोजन को एकता का प्रतीक बनाएगा। जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का आगमन प्रातः सड़क मार्ग से होगा और इस आयोजन के लिए आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार, सचिव श्री अखिल मिश्रा, स्वागत समिति अध्यक्ष श्री गुलशन माखीजा और समरसता सेवा संगठन के सदस्य उपस्थित रहेंगे। सभी धर्मालंबियों से इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने की अपील की गई है, ताकि वे पुण्य लाभ अर्जित कर सकें।

वादी के नाम में विभिन्नता स्वीकार, रेलवे को वाद व्यय देने के आदेश

जबलपुर। पति की मृत्यु के बाद अंतिम निपटारे की राशि प्राप्त करने के लिए न्यायालय की शरण में गई वादिनी के पक्ष में न्यायाधीश रिशा कुरैशी के न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने वादिनी के नाम में विभिन्न दस्तावेजों में मौजूद भिन्नता को स्वीकार करते हुए यह घोषित किया कि सरनेम परिवर्तन के कारण अलग-अलग नाम दिखाई दे रहे हैं, लेकिन वे सभी नाम एक ही महिला के हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने पश्चिम मध्य रेलवे को संपूर्ण वाद व्यय वहन करने का आदेश भी पारित किया है। परिवाद के अनुसार वादिनी के पति पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में टेक्नी-वन के पद पर कार्यरत थे, जिनकी मृत्यु दिनांक 15 जुलाई 2024 को हो गई थी। पति की मृत्यु के पश्चात वादिनी द्वारा अंतिम निपटारे की राशि प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन रेलवे विभाग ने वादिनी के विभिन्न दस्तावेजों में नाम की भिन्नता होने का हवाला देते हुए उन्हें न्यायालय से आधिकारिक घोषणा (डिक्लेरेशन) प्राप्त करने के निर्देश दिए। प्रतिवादी पश्चिम मध्य रेलवे की ओर से जवाब प्रस्तुत करते हुए कहा गया कि वादिनी के विवाह के संबंध में उनके कार्यालय में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि वादिनी के एक से अधिक नाम हैं और इस संबंध में मृतक कर्मचारी द्वारा रेल प्रशासन को कोई सूचना नहीं दी गई थी। रेलवे ने यह भी कहा कि जब तक यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित नहीं हो जाता कि सभी नाम एक ही महिला के हैं और वह स्व. रूपेश कुमार पिल्ले की वैध पत्नी हैं, तब तक जमा राशि के भुगतान का अनुमोदन नहीं दिया जा सकता। इसी आधार पर रेलवे ने वाद खारिज किए जाने का निवेदन किया था।वादी की ओर से अधिवक्ता शिवम गुप्ता ने पैरवी की।

ईद मिलन कार्यक्रमों से बढ़ती है सद्भावना: नवेद

जबलपुर। मुस्लिम धर्मावलंबियों के शांति और प्रेम का पवित्र पर्व ईद के उपरांत शहर में जगह-जगह ईद मिलन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में नया मोहल्ला स्थित बंद कुआं में समाजसेवी हाजी नवेद नाजिम द्वारा ईद मिलन का कार्यक्रम बाबा मेराज अहमद जमाली, पीर बाबा कटनी के अध्यक्ष तनवीर खान तन्नू, समाजसेवी रईस वली, हाजी तौसीफ रजा, मतीन अंसारी, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, कुरैशी समाज के सरदार अमीन कुरैशी, हाजी निजामुद्दीन कुरैशी, हाजी कदीर पहलवान की अतिथि में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हाजी नवेद नाजिम ने कहा कि ईद मिलन से मुल्क में आपसी सद्भाव, प्रेम और भाईचारा कायम रहता इससे देश में अमन, चैन शांति और तरक्की होती हैं। इस अवसर पर पार्षद गुड्डू नबी, इश्तियाक अंसारी, शाबान मंसूरी, हाजी सलीम बून, हाजी सादिक खान, डॉ. मकबूल बाबा, मुबारक कादरी, अरशद कादरी, पत्रकार रफीक खान, तारिक रजा, अशरफ खान, मुन्ना मास्टर, यासीन खान, फैजान कुरैशी, ताज उस्मानी, पत्रकार अशफाक आरिफ, निजाम खान आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। तदोपरांत देश में सद्भावना, अमन, चैन, शांति की सामूहिक रूप से दुआ की गई। कार्यक्रम संयोजक मो.बिलाल नाजिम, जुनेद नाजिम ने सभी उपस्थितजनों को इत्र भेंट कर स्वागत व आभार व्यक्त किया।

सुरों में साधना भजन संध्या का आयोजन आज

जबलपुर। नगर की सांस्कृतिक संस्था ममत्व संगीत समिति द्वारा आज रविवार को सायं 6:30 बजे से दत्त मंदिर स्थित अनुसूया हॉल, गोलबाजार में भजन संध्या "सुरों में साधना" का आयोजन किया जा रहा है। इस भजन संध्या में फिल्मी भजनों के साथ-साथ संत कबीर, रहीम, मीरा, सूरदास, रसखान आदि महान संतों एवं कवियों की रचनाओं पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। संस्था के संयोजक दीपक पचौरी ने बताया कि यह आयोजन केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और अंतर्मन से जुड़ने का एक प्रयास है। संस्था ने समस्त श्रद्धालुओं, संगीत प्रेमियों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

डिजिटल जबलपुर: 11वीं के छात्र अभिवीर ने बनाया 'महापौर हेल्पलाइन' एप

जबलपुर। शहर के युवा अब तकनीक के माध्यम से नगर व्यवस्था को सशक्त बनाने में आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में 16 वर्षीय छात्र अभिवीर सिंह ने 'महापौर हेल्पलाइन' नामक मोबाइल एप विकसित कर नगर निगम जबलपुर को निःशुल्क भेंट किया। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में यह एप महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार को सौंपा गया। एप का उद्देश्य नागरिक सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और त्वरित बनाना है। इस एप के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकेंगे, उनकी स्थिति ट्रैक कर पाएंगे और तय समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। एप में स्वच्छता, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, सड़क निर्माण, जल आपूर्ति, उद्यान रखरखाव, सार्वजनिक शौचालय एवं कर संबंधी शिकायतों सहित कई सेवाएं शामिल की गई हैं। अभिवीर सिंह द्वारा बिना किसी शुल्क के यह एप विकसित कर सौंपना उनके शहर के प्रति सेवा भाव और नवाचार की उत्कृष्ट मिसाल माना जा रहा है।

रंगोत्सव 2026 में आज भव्य भजन कॉन्सर्ट

जबलपुर। शहर में आयोजित रंगोत्सव 2026 के अंतर्गत 5 अप्रैल को भव्य भजन कॉन्सर्ट का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में 'रहस्य – द म्यूजिकल प्रोजेक्ट' (पूर्व में साधो द बैंड) अपनी विशेष प्रस्तुति देगा। आयोजक विपुल पांडे एवं अभिषेक पटेल ने बताया कि यह आयोजन नर्मदा इवेंट्स के तत्वावधान में किया जा रहा है। ग्रुप के विदित सोनी और आयुष द्विवेदी के अनुसार यह संगीत समूह भक्ति और आधुनिक संगीत का समन्वय प्रस्तुत कर श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभव कराएगा। कार्यक्रम एंबियंस लॉन, गढ़ा स्टेशन के सामने शाम 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन में फूलों की होली, वीआईपी सीटिंग, आकर्षक सजावट, फूड स्टॉल के साथ साउंड, लाइट और लेजर शो भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजकों ने शहरवासियों से इस संगीतमय भक्ति संध्या में शामिल होकर रंगोत्सव का आनंद लेने की अपील की है।

वायु प्रदुषण बन चुका है घातक स्वास्थ्य संकट

जबलपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जन स्वास्थ्य अभियान मध्यप्रदेश द्वारा प्रेमानंद आश्रम जिलहरीघाट में व्यवसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर प्रभाव को लेकर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक अमुल्य निधि ने अपने उद्बोधन में कहा कि वायु प्रदूषण आज हमारे समय का सबसे मौन लेकिन सबसे घातक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। शहर हों या गांव, हर जगह हवा में घुले अदृश्य जहरीले कण, जैसे औद्योगिक धुआं, वाहनों का उत्सर्जन, थर्मल पावर प्लांटों की राख, न्यूक्लियर पावर प्लांट से निकलने वाला रेडियोधर्मी घातक कचरा और घरेलू ईंधन का धुआं लोगों की सांसों पर भारी पड़ रहा है।जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के विवेक पवार ने कहा कि इंदौर में दूषित पानी के कारण 30 से अधिक लोगों की मृत्यु और 500 से अधिक लोगों के बीमार होने की घटनाएं इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दादु लाल कुडापे ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में घातक परमाणु परियोजना बना कर सरकार भोपाल गैस त्रासदी को दोहराने जा रही है। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने कहा कि वायु प्रदूषण अब भविष्य की नहीं, आज की आपदा है। एडवोकेट अंजना कुररीया, विवेक अवस्थी, अमित पांडेय, सरमन रजक, राम प्रसाद काजले, शारदा यादव ,शिव कुमार चौधरी, भुवन बर्मन, हरीओम नागेश, मनोहर लाल जाटव ने भी परिचर्चा को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी।

गुड फ्राइडे पर सर्व ईसाई महासभा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर। गुड फ्राइडे हमें त्याग, प्रेम और मानव सेवा का संदेश देता है। प्रभु यीशु मसीह के दिखाए मार्ग पर चलकर हमें जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए। उक्त उदगार युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शान कुमार ने वयक्त किए।इस अवसर पर आयोजित शिविर में 30 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया, वहीं 130 से अधिक लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई साथ ही असहाय महिलाओं एवं बुजुर्गों को राशन सामग्री वितरित की गई।इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जैरी पॉल जी, बिशप पीटर जॉनसन, रेव्ह मलार सेल्वन, पास्टर स्टेनली सुकुमार, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डेविड फ्रांसिस, प्रदेश अध्यक्ष विनोद चैंबर्स, सचिव डेन्ज़लि आंग्रे, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष सलोमान, महासचिव डेविस समाधानम, मनीष चार्ल्स, राजा बाबू, मेशक चौधरी, ममतल सालोमन, सनी राज, फ्रांसिस मरियानं, देवदानम, अखिल , शिमोन सागर, मनोज अन्थोनी सहित मसीही समाज के अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे जिन्होंने कार्यक्रम के अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कांग्रेस शहर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, भाजपा नेता धीरज पटेरिया, पार्षद अग्रीश मिश्रा, पार्षद संतोष दुबे आदि का सम्मान कर आभार व्यक्त किया।

हलके बादल आये, बूंदाबांदी की संभावना

पश्चिमी विक्षोभ का दिखा असर उमस बढ़ी

जबलपुर। पश्चिमी विक्षोभ ने आसमान पर बादलों की हल्की चादर बिछाकर तापमान की बढ़त पर रोक लगाई, पर गर्मी के अहसास में कोई कमी नहीं आई। बादलों के छंटने के बाद तापमान तेजी से बढ़ने की चेतावनी भी दी गई है। पश्चिमी विक्षोप का असर दक्षिणी एवं पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर है। लिहाजा रीवा और जबलपुर संभाग में बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक जबलपुर संभाग के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बर्षा हो सकती है। जबलपुर में शनिवार की दोपहर 12 बजे हलकी बूंदाबांदी हुई. बूंदाबांदी और बादलों के छाने के बाद उमस बढ़ गई थी। आसमान पर छाये बादलों की वजह से दिन के तापमान की उछाल पर लगाम कसी। शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को पारा 2 पायदान नीचे उतरा। जबकि रात का पारा सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। दक्षिणी-पूर्वी हवाओं ने गर्मी का अहसास कराया। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले २४ घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया, न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 63 प्रतिशत और सायंकाल 53 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.58 बजे और सूर्यास्त शाम 6.27 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे अधिक 39.5 डिग्री तापमान मंडला और सबसे कम 16.2 डिग्री न्यूनतम तापमान राजगढ जिले में दर्ज किया गया। जिले में दक्षिण-पश्चिमी हवायें 5 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों में बूंदाबांदी की संभावना व्यक्त की गई है।

घायल को घर ले जाकर सुलाया, सुबह टूटी दम

कुंडम में सड़क हादसे में जख्मी युवक की मौत

जबलपुर। कुण्डम रोड पर बीती रात हुए सड़क दुर्घटना में घायल युवक महपाल को परिजनों ने उठाकर घर में सुला दिया, शनिवार सुबह जब परिजनों ने अस्पताल ले जाने के लिए उठाया तो देखा कि मौत हो चुकी थी। घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, जिन्होने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कर लिया है। कुंडम पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सलैया कुण्डम टहल सिंह आर्मो का बेटा महपाल सिंह मोटर साइकल से शहर किसी काम से गया था। जहां से लौटते वक्त रात को भारी वाहन की टक्कर से गंभीर चोटें आई। युवक महपाल खून से लथपथ हालत में पड़ रहा। लोगों ने पहचाना तो परिजनों को खबर दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि महपाल के पैर व कमर में गंभीर चोटें है। परिजन उठाकर घर ले आए। शनिवार सुबह 5 बजे के लगभग महपाल दर्द से कराहने लगा, जिसपर परिजन उठाकर कुण्डम अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है।

जबलपुर में कुर्मी क्षत्रिय समाज का राष्ट्रीय महाधिवेशन शुरू, 4000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल

जबलपुर।

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में दाऊ मैरिज गार्डन, महाराजपुर बायपास में दो दिवसीय 46वां राष्ट्रीय महाधिवेशन एवं 5वां महिला महाधिवेशन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि पशुपालन मंत्री लखन पटेल एवं जबलपुर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। देश के 24 राज्यों से आए प्रतिनिधियों के स्वागत में महिलाओं ने 24 कलश स्थापित कर पारंपरिक स्वागत किया। एक बालिका ने भारत माता का रूप धारण कर देशभक्ति का संदेश दिया।अपने संबोधन में अनुप्रिया पटेल ने महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और निर्णय क्षमता को महत्व देने पर जोर दिया। उन्होंने परिवार में संवाद बनाए रखने, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सोशल मीडिया के प्रभाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और शैक्षणिक दबाव पर चिंता जताई। कार्यक्रम के अंतर्गत 20वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 250 विवाह योग्य युवक-युवतियों ने परिचय दिया। महाधिवेशन में राष्ट्रीय संरक्षक एलपी पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वी.एस. निरंजन, राष्ट्रीय प्रवक्ता गणेश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष रामखेलावन पटेल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता ऋषि चंद्राकर, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज पाटीदार, महिला प्रदेश अध्यक्ष लता वानखेड़े, राजकुमार पटेल, विवेक चौधरी, कैप्टन ओमप्रकाश सचान, राममिलन पटेल, सुरेश पटेल, राजेश पटेल, शैलेंद्र पटेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार अधिवेशन में देशभर से 4000 से अधिक सामाजिक बंधु शामिल होकर समाज की एकता और प्रगति पर चर्चा करेंगे।

गौरीघाट रोड पर प्याऊ का शुभारंभ

जबलपुर। हमारी सनातन परंपरा "प्यासे को पानी पिलाना सर्वाधिक पुण्य कार्य" का अनुसरण करते हुए रोटरी क्लब जबलपुर साउथ द्वारा गौरीघाट रोड पर स्थित नवज्योति नशामुक्ति केन्द्र के समक्ष 'प्याऊ' का शुभारंभ किया गया। प्रेरणास्रोत अरुणकान्त अग्रवाल ने केन्द्र के संचालक हेमन्त सोलंकी के सामयिक सहयोग की प्रशंसा करते हुए व्यक्त किया कि 05 अप्रैल से समीप ही प्रारंभ होने वाले नौदिवसीय रामकथा आयोजन में उपस्थित होने वाले वृहत जनसमुदाय के लिए यह एक आवश्यक और लाभकारी कदम है। कथा आयोजन समिति के स्वागताध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार तथा सचिव पूर्व प्रांतपाल अखिल मिश्र ने इस प्याऊ स्थापना की उपयोगिता प्रतिपादित करते हुए हर्ष व्यक्त किया और क्लब अध्यक्ष सारंग भिड़े व क्लब सचिव अखिल खण्डेलवाल द्वारा की गई पहल की सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्रीय पुलिस निरीक्षक, आशीष गुप्ता, राकेश गिदरौनिया, नरेंद्र बतरा सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति उत्साहवर्धक थी।

होम्योपैथिक जनजागरण रैली निकालकर किया जागरूक

जबलपुर। महात्मा गांधी होम्योपैथिक मेडीकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल जबलपुर द्वारा होम्योपैथी जन-जागरण कार्यक्रम के अंतर्गत 04 अप्रेल को धनी की कुटिया से आधारताल तक जागरूकता रैली का आयोजन कियास गया। बताया गया 10 अप्रेल को हैनीमेन जयंती के उपलक्ष्य में 01 अप्रेल से 10 अप्रेल तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ग्राम बरेहवाला बरेला एवं हनुमान मंदिर आधारताल में 05 अप्रेल को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है एवं अन्य दिवसों पर निबंध, स्लोगन, वाद-विवाद प्रतियोगिता जैसे अन्य कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। रैली के माध्यम से लोगों को होम्योपैथिक दवाइयों के संबंध में जागरूक किया गया एवं इसके फायदे की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। रैली में महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अहम भूमिका निभाई।

नाला निर्माण कार्य में मानक गुणवत्ता का पालन नहीं

क्षेत्र वासियों ने लगाया अनियमितता का आरोप

सिहोरा। नगर के वार्ड क्रमांक 7 मझौली बायपास रोड रूकमणि पैलेस के सामने निर्माणाधीन नाले के निर्माण में अनियमितता तथा मानक गुणवत्ता का पालन नहीं करने का आरोप क्षेत्र वासियों ने लगाया है।नाला निर्माण में ठेकेदार द्वारा की जा रही धांधली की शिकायत मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा उपसंचालक नगरीय विकास एवं आवास विभाग जबलपुर को भेजी है। क्षेत्रवासी गंगा पटेल,बल्लू पटेल,इंद्र कुमार पटेल,दल्लू पटेल ने उपसंचालक एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भेजी शिकायत में बताया वार्ड क्रमांक 7 में बरसाती पानी के बहाव और बरसात में वार्ड में जल भराव के लिए तीन करोड़ की लागत से कनाड़ी तक नाले का निर्माण कार्य ठेकेदार बच्चू मिश्रा द्वारा कराया जा रहा है संबंधित निर्माण के कार्य आदेश नगर पालिका प्रशासन ने 2 वर्ष पूर्व स्वीकृत किया था लेकिन नगरीय प्रसाशन की लापरवाही के चलते दो वर्ष के अन्तराल के बाद भी स्थानीय लोग वर्षा काल में जल प्लावन की समस्या से जुझने मजबूर हैं।संबंधित ठेकेदार की हठधर्मिता के चलते नाला का निर्माण कार्य विलंव से प्रारंभ करने पर नगर पालिका प्रशासन की क्रपा द्रष्टि शोध का विषय है 2 साल बाद शुरु हुऐ नाला निर्माण में वर्क एजेंसी की उचित देखरेख न होने के कारण नाले की खुदाई मानक गहराई तक न होना बेस में मानक स्तर की रेत सीमेंट मिक्सर की फीलिंग न करना नाला की पटरी निर्माण में भी घटिया स्तर का कार्य करने का आरोप शिकायतकर्ताओं ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से संबंधित निर्माण कार्य की जांच करवा कर गुणवत्ता कार्य पूर्ण करायें जाने की मांग की है।

अखिल भारतीय हिन्दू महासभा जबलपुर के जिला अध्यक्ष रोहित सोनकर नियुक्त

बरेला।अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी विजय नारायण भट्ट एवं राष्ट्रीय संयोजक श्री अनिल शर्मा के द्वारा पुरवा निवासी रोहित सोनकर को जबलपुर जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रोहित सोनकर के अध्यक्ष बनने से संगठन को मजबूती प्रदान होगी व साथ ही कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा व आने वाले समय में संगठन पुरे जबलपुर जिला में मजबूती के साथ हिन्दू एकता के लिए कार्य करेगा । रोहित सोनकर ने अध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय महासचिव व मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ प्रभारी राजेन्द्र सिंह कटहा रीवा का आभार व्यक्त कर संगठन के प्रति पूरी इमानदारी के साथ कार्य करनेकी भावना व्यक्त की।

जीआरपी ने नाबालिगों को परिजनों के सुपुर्द किया

जबलपुर। "कार्यवाही मुस्कान अभियान के अंतर्गत" थाना जीआरपी जबलपुर को जीआरपी कंट्रोल रूम जबलपुर से सूचना प्राप्त हुई की ट्रेन 11402 में दो नबालिग लड़का-लड़की घर से भागकर जा रहे हैं जिनकी पता तलाश हेतु प्र.आर. 253 वीरन महोबिया आर. 157 अमर धुर्वे म.नव.आर. 44 आस्था को ट्रेन अटैंड करने हेतु पाबंद किया गया था, लड़का-लड़की मिलने पर थाना लाये बाद परिजनों से संपर्क कर पता चला कि बालिका अंशु कुमारी पिता रंजीत साहनी उम्र 16 साल निवासी ग्राम भोरेजयराम थाना खानपुर जिला समस्तीपुर बिहार द्वारा थाना खानपुर में अपहरण का केस दर्ज कराया है, बाद थाना खानपुर से संपर्क कर जीआरपी थाना जबलपुर आने को कहा गया थाना खानपुर से सउनि अनिल कुमार, म.आर. 763 कंचन कुमारी, आर. 1241 रंजन कुमार एवं बालिका अंशु कुमारी के चाचा अजीत कुमार पिता नाथु साहनी उम्र 29 साल निवासी ग्राम भैरोजयराम थाना खानपुर जिला समस्तीपुर बिहार थाना उपस्थित आये, जहां समक्ष गवाहान परिवारजन व म.आर. 763 कंचन कुमारी थाना खानपुर की उपस्थिति में सउनि अनिल कुमार थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को मय सुपुर्दनामा पत्रक के सुपुर्द किया गया।

27वें मेडिसिन अपडेट 2026 वार्षिक सम्मेलन का पहले दिन का सफल आयोजन

जबलपुर। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया, जबलपुर चैप्टर द्वारा आयोजित 27वें मेडिसिन अपडेट 2026 वार्षिक सम्मेलन का पहला दिन होटल विजन महल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने हिस्सा लिया और चिकित्सा क्षेत्र के नवीनतम अपडेट्स पर चर्चा की।

सम्मेलन की शुरुआत डॉ. नवीन शर्मा (अध्यक्ष, एपीआई जबलपुर) के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सम्मेलन के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सकों को नवीनतम चिकित्सा ज्ञान और तकनीकी अपडेट्स से अवगत कराते हैं। डॉ. अखिलेश तिवारी (सचिव, एपीआई जबलपुर) ने कार्यक्रम के एजेंडे का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न विषयों पर उच्च-स्तरीय वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। इनमें शामिल थे - डॉ. राघव बंसल, हृदय रोग विशेषज्ञ (गुरुग्राम), डॉ. पीयूष ओझा, न्यूरोलॉजिस्ट (नई दिल्ली), डॉ. देबदत्ता मुखर्जी, नेफ्रोलॉजिस्ट (गुरुग्राम), डॉ. विद्युत कुमार जैन, हृदय रोग विशेषज्ञ (इंदौर), डॉ. सुनीत लोकवानी, ऑन्कोलॉजिस्ट (इंदौर)। इन सत्रों में आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, नवीन शोध, निदान के तरीकों और उपचार की नवीनतम विधियों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने चिकित्सकों को नैदानिक अभ्यास में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में चिकित्सकों, स्नातकोत्तर छात्रों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने घोषणा की कि सम्मेलन का दूसरा दिन भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहेगा। दूसरे दिन के उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, जगदीश देवड़ा और जबलपुर के माननीय सांसद, आशीष दुबे उपस्थित होंगे। इसके साथ ही डॉ. नवनीत सक्सेना (डीन, मेडिकल कॉलेज जबलपुर) और डॉ. ऋचा शर्मा (अध्यक्ष, आईएमए जबलपुर) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

नृसिंह घाट पर की ध्यान एवं सामूहिक योग साधना

सिहोरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा जल स्रोत समागम कार्यक्रम के तहत नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति के तत्वाधान में सिहोरा नगर की जीवनदायनी हिरन नदी का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ध्यान में जल की छवि का प्रयोग अनंत प्रवाह के प्रतीक के रूप में किया जाता है जो अवरोधों को भेदकर आंतरिक शांति और उपचार प्रदान करता है। इस प्रवाह को प्राप्त करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि कल्पना को वास्तविकता में बदलकर जल ध्यान किया जाए जिससे मन,शरीर और आत्मा को नई ऊर्जा मिले? जल ध्यान की शक्ति को बढ़ा सकता है और भारहीनता की भावना को प्रोत्साहित करता है। यह कार्यक्रम घनश्याम बर्मन के नेतृत्व में संचालन वीरेंद्र पाटकर के द्वारा किया गया। आर के नायक,रामकुमार सेन,विश्वेश्वर पटेल,निरंजन पटेल,राजेश नेमा,पार्षद बेबी विनय पाल,सुषमा गौतम,भावना गौतम,आकांक्षा गर्ग,कल्पना कुशवाह,नीतू साहू,दिव्य साहू,निशा वंशकार लवली वंशकार शुभम कुशवाहा नीतू साहू उपस्थित थी। समिति की सचिव सारिका साहू द्वारा सभी का आभार किया गया।

इलेक्ट्रिक रीपर मशीन से गेहूं कटाई का प्रदर्शन, लागत घटाने पर जोर

जबलपुर। जिले के ग्राम खजरी खरिया में किसानों के बीच इलेक्ट्रिक रीपर मशीन से गेहूं की कटाई का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं मशीन चलाकर इसकी कार्यप्रणाली देखी और किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषक सचिन पटेल के खेत में हुए इस प्रदर्शन में उप संचालक कृषि डॉ. एस.के. निगम, एसडीएम अभिषेक सिंह एवं प्रोफेसर मोनी थॉमस भी मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि बैटरी से संचालित यह इलेक्ट्रिक रीपर मशीन मात्र 10 रुपये प्रति एकड़ की लागत में फसल कटाई कर सकती है और एक घंटे में लगभग एक एकड़ क्षेत्र की कटाई करने में सक्षम है। यह मशीन गेहूं के साथ-साथ चना और मक्का जैसी फसलों की कटाई भी आसानी से कर सकती है। मशीन एक बार चार्ज होने पर 5 से 6 घंटे तक कार्य करती है और इसकी बैटरी लगभग 5 घंटे में पूर्ण चार्ज हो जाती है। करीब 180 किलोग्राम वजनी इस मशीन की कीमत लगभग 2.20 लाख रुपये है। इसमें कटर संचालन, स्पीड नियंत्रण और दिशा परिवर्तन के लिए सरल बटन एवं लीवर दिए गए हैं, जिससे इसका उपयोग किसानों के लिए आसान हो जाता है।

निधन

श्री सुरेंद्र कोरी- गोरखपुर जार्ज डिसल्वा वार्ड निवासी श्री सुरेंद्र कोरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ज्ञानी सिंह- नई बस्ती झंडा चौक गौरीघाट निवासी श्री ज्ञानी सिंह (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश यादव- सेठ गोविंददास वार्ड बड़ी संतोषी माता मंदिर के पास निवासी श्री जगदीश यादव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री गोपाल प्रसाद पांडे- चंपानगर मानेगांव रांझी निवासी श्री गोपाल प्रसाद पांडे (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरस्वती बाई रजक- छोटा फुहारा दक्षिण मिलौनीगंज निवासी श्री राम सेवक रजक की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती बाई रजक (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री उमेश सोनी- नई बस्ती फेस 1 तिलहरी निवासी श्री उमेश सोनी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम किशोर ताम्रकार- सुभाष टाकीज के पीछे तमरहाई निवासी राम किशोर ताम्रकार (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरोज गुप्ता- आनंद कॉलोनी बल्देवबाग निवासी श्री शिव नारायण गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज गुप्ता (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती इतरवारी बाई चक्रवर्ती- भानतलैया विद्यापीठ स्कूल के पीछे निवासी श्री कुंदन लाल चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती इतवारी बाई चक्रवर्ती (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री सरयू प्रसाद पांडेय- कचनार सिटी विजयनगर निवासी श्री सरयू प्रसाद पांडेय (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ईश्वरी रैकवार- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी श्री ईश्वरी रैकवार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती फूला बाई पटेल- संजय नगर अधारताल निवासी श्री दयाराम पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती फूला बाई पटेल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विनोद साहू- शारदा विहार करमेता निवासी श्री चतुर्भुज साहू के पुत्र श्री विनोद साहू (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल श्रीवास- गोपाल होटल सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री प्रेरम लाल श्रीवास (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पद्मलता चौबे- पत्रकार कॉलोनी रानीताल निवासी शंभू दयाल चौबे की धर्मपत्नी श्रीमती पद्मलता चौबे (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रविशंकर सेन- साहू मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राम प्रसाद सेन के पुत्र श्री रविशंकर सेन (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

भीषण गर्मी में स्कूलों की समय-सारिणी बदलने की मांग

बरेला। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए विद्यालयों के समय में बदलाव की मांग उठने लगी है। "स्कूल चले हम" अभियान के तहत शालाएं शुरू हो चुकी हैं, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान के कारण छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने कलेक्टर से विद्यालयों को सुबह की पाली में संचालित किए जाने की मांग की है, ताकि बच्चों और शिक्षकों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके। संघ का कहना है कि वर्तमान मौसम को देखते हुए यदि समय में बदलाव नहीं किया गया, तो बच्चों की उपस्थिति प्रभावित हो सकती है। साथ ही अभिभावकों की चिंता भी बढ़ रही है। इस मांग को लेकर शहजाद सिंह द्विवेदी, दालचंद पासी, रजनीश कुमार पाण्डेय, रामदास बरकड़े, शुभसंदेश सिंगौर, निर्मल लोधी, अंशुल साहू, सतीश बरकड़े, बृजेश दीक्षित, अजय दुबे, सतीश उपाध्याय, मनोज सिंह, शेर सिंह, मुकेश मेहरा, गणेश त्रिपाठी, उमेश द्विवेदी, बी.एस. ठाकुर, कपिलधर दुबे, प्रदीप मिश्रा, सहित कई सदस्यों ने मुख्यमंत्री से भी इस विषय में संज्ञान लेकर आवश्यक निर्णय करने की मांग की है।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS GULJAR SINGH I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS GULJAR SINGH LAKHANPAL S/O MUKHTYAR SINGH R/O 209, IDIYAL ENCLAVE, HATHITAL,GUPTESHWAR, JABALPUR (M.P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS SWIKRITI MASIH AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS SWIKRITI ROYDEN DAS W/O ROYDEN ANKIT DAS RESIDENT OF UNIT NO. 6, BLOCK B, AADHYA HILLS, RANI-LAXSHMI BAI WARD, JABALPUR (M. P.) 482001.

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, रिचा राजपूत उम्र 48 वर्ष पति श्री किरन प्रकाश राजपूत निवासी म.नं. 2368, बेदी नगर, नागपुर रोड, जबलपुर (म.प्र.) की स्थायी निवासी हूँ। मेरी 10 वी कक्षा की अंकसूची में मेरा नाम रुबी भसीन (Ruby Bhasin) अंकित है, मेरे विवाह के बाद मेरे ससुराल में पारिवारिक सहमति से मेरा नया नाम रिचा राजपूत (Richa Rajput) है। मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड इत्यादि में मेरा नाम रिचा राजपूत ही अंकित है, जो कि सही है।
विवाह पश्चात नाम/नया नाम/वर्तमान नाम
रिचा राजपूत (Richa Rajput)
विवाह पूर्व नाम / पुराना नाम -
रुबी भसीन (Ruby Bhasin)

नगर पालिक निगम, जबलपुर
सभागीय कार्यालय क्रं. 11 राज गोकुलदास
मैं अनुरूद्ध प्रसाद विश्वकर्मा आत्मज स्व. मोती लाल विश्वकर्मा मकान न 217 पोस्ट आफिस टेमर भीटा वार्ड 66 जबलपुर मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के अधीन भूमि / भवन या उसके किसी भाग या अंश में हक के अन्तरण (टेक्स रशीद में नाम परिवर्तन) की सूचना देता हूं। सुसंगत जानकारी निम्नलिखित अनुसार है -
1. वर्तमान मे नाम कर दाता का नाम- स्व : मोती लाल विश्वकर्मा 2. परिवर्तन नाम- अनुरूद्ध प्रसाद विश्वकर्मा आत्मज स्व. मोती लाल विश्वकर्मा अवस्थिति - वार्ड क्रमांक- 66 वार्ड का नाम 'रानी लक्ष्मी वाई , टेक्स क्रमांक- 1000390128 है।
टीप- जिस किसी को उक्त संपत्ति कर में नाम परिवर्तन में आपत्ति हो वह नगर निगम जबलपुर में संपर्क करें।

कांग्रेस विधायक भारती की सदस्यता समाप्ति पर विशेषज्ञों की राय

विधानसभा सदस्यता समाप्त करने नहीं थी जल्दबाजी की जरूरत

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दिल्ली की अदालत से तीन साल की सजा होने के बाद विधानसभा सचिवालय द्वारा दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता जिस तरह समाप्त की गई, उस तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। संविधान के जानकारों का कहना है कि कोर्ट का निर्णय हुआ है तो कार्रवाई भी होगी, लेकिन वह सामान्य गति से होना चाहिए। इसमें न तेजी दिखाई जाना चाहिए और न ही इसे धीमा किया जाना चाहिए। ऐसा होने पर संदेश गलत जाता है। विधानसभा को ऐसा संदेश देने से बचना चाहिए। भारती अब हाईकोर्ट जाएंगे, वहां से राहत न मिली तो आयोग दतिया विधानसभा सीट के लिए उप चुनाव कराएगा।

राजेंद्र भारती

पूर्व अधिकारियों ने कहा- कार्रवाई धीमी हो या तेज, नहीं जाता ठीक संदेश

परिवार का होने के नाते नहीं करना थी जल्दबाजी: इसराणी

मप्र विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव इसराणी का कहना है कि कोर्ट ने विधायक राजेंद्र भारती को दो साल से ज्यादा 3 साल की सजा सुनाई है। इसलिए कानून के अनुसार विधायक की सदस्यता समाप्त होगी, लेकिन कोर्ट ने सजा सुनाने के साथ विधायक को अपील करने के लिए 60 दिन का समय दिया है। विधानसभा सदस्य होने के नाते विधायक विधानसभा परिवार का ही सदस्य है। यदि कोर्ट विधायक को राहत दे रहा है तो विधानसभा को भी परिवार का होने के नाते समय देना चाहिए था। इसराणी ने कहा कि विधानसभा की कार्रवाई गलत नहीं है, लेकिन जिस ताबड़तोड़ तरीके से रात में सचिवालय खोल कर कार्रवाई की गई, वह तकनीकी दृष्टि से ठीक नहीं है। विधानसभा सचिवालय चाहता तो अपील तक इंतजार कर सकता था, वैसे भी हाईकोर्ट जो निर्णय देगा, आगे वही होगा।

भगवानदेव इसराणी

इस तरह की जल्दबाजी से संदेश ठीक नहीं गया: वर्मा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव देवेंद्र वर्मा ने भी राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त करने के लिए की गई जल्दबाजी पर आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि 3 साल की सजा होने पर कानून के अनुसार विधायक की सदस्यता जाना तय है, लेकिन कानून का पालन इस तरह किया जाना चाहिए ताकि संदेश गलत न जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मसले पर न ही जल्दबाजी ठीक है और न ही उसे ठंडे बस्ते में डाल देना। दोनो ही स्थिति में गलत संदेश जाता है। वर्मा ने कहा कि राजेंद्र भारती के मामले में विधानसभा सचिवालय ने जिस तरह किया, उसे देख कर लगता है कि सचिवालय सदस्यता समाप्त करने के इंतजार में ही बैठा था। विधानसभा को सामान्य गति से काम करना था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जा सकती है और अंतिम फैसले पर सदस्यता और उप चुनाव निर्भर होगा।

देवेंद्र वर्मा

कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का मामला पूरी तरह न्यायिक
इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं : खंडेलवाल

हेमंत खंडेलवाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती की विधानसभा सदस्यता खत्म होने पर प्रतिक्रिया दी। खंडेलवाल ने कहा कि यह मामला पूरी तरह न्यायालय से संबंधित है और इसमें किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों में कथित हेरफेर के मामले में न्यायालय ने साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर निर्णय दिया है, जिसका सम्मान करना हर नागरिक और राजनीतिक दल का दायित्व है। भारतीय जनता पार्टी न्यायालय के निर्णय के साथ खड़ी है और उसके प्रत्येक निर्देश का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों में सदस्यता समाप्ति या उपचुनाव जैसे निर्णय लेने का अधिकार संवैधानिक संस्थाओं, विशेष रूप से विधानसभा एवं भारत निर्वाचन आयोग को है। इस मामले को कांग्रेस द्वारा राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि यह पूर्णतः न्यायिक प्रक्रिया है और भाजपा का इससे कोई संबंध नहीं है।

भूमि अधिग्रहण भुगतान में सख्ती, राशि निकालने से पहले वित्त विभाग से लेनी होगी मंजूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने भूमि अधिग्रहण से जुड़ी राशि के भुगतान में पारदर्शिता और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब किसी भी परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की राशि निकालने से पहले संबंधित विभाग को वित्त विभाग से अनिवार्य रूप से मंजूरी लेनी होगी। सरकार का यह कदम गड़बड़ियों पर लगाम लगाने और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जानकारी के अनुसार, पिछले समय में भूमि अधिग्रहण के मामलों में अनियमितताओं और राशि के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आई थीं। कई मामलों में बिना पर्याप्त जांच और स्वीकृति के बड़ी रकम निकाल ली गई, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। इसी को देखते हुए सरकार ने यह सख्त व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। नए प्रावधान के तहत अब भूमि अधिग्रहण से संबंधित राशि तभी जारी की जाएगी, जब वित्त विभाग उसकी स्वीकृति देगा। इसके अलावा, संबंधित विभागों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि राशि का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही किया जाए। भुगतान की प्रक्रिया पर निगरानी रखी जाएगी और लापरवाही पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मानना है कि इस फैसले से न केवल वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा, बल्कि परियोजनाओं में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री मोदी राज्यों में आपसी सहयोग को बढ़ाने का कर रहे महत्वपूर्ण कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य प्रतिभाओं का मंच, युवा पीढ़ी को 'सार्थक' संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सीएम डॉ. यादव ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ किया शुभारंभ

वाराणसी में मप्र सरकार का तीन दिवसीय आयोजन शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन की उत्कृष्ट परंपरा के नायक सम्राट विक्रमादित्य के जीवन से हम सभी परिचित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मस्थली काशी में इस महानाट्य के मंचन के अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन से राष्ट्र को दिए जा रहे योगदान के लिए वे अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। समारोह का शुभारंभ उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते दौर में दो राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। दोनों राज्य विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना दोनों राज्यों के लिए महत्वपूर्ण सौगात है, जो सिंचाई, कृषि उत्पादन और पेयजल आपूर्ति में सहायक होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन काल में सम्राट विक्रमादित्य के शासन की याद आना स्वाभाविक है। विक्रमादित्य के राष्ट्रप्रेम, पराक्रम, न्यायप्रियता और ज्ञान-विज्ञान परंपरा को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में यह महानाट्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महानाट्य का मंचन पहले नई दिल्ली में भी किया जा चुका है। इसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लोग पात्रों की भूमिका निभाते हैं। इससे जहां प्रतिभाओं को मंच मिलता है, वहीं नागरिकों को एक आदर्श शासक के योगदान की जानकारी भी मिलती है। उन्होंने कहा कि भारत में भाइयों की तीन जोड़ियां प्रसिद्ध हैं भगवान राम-लक्ष्मण, भगवान कृष्ण-बलराम और सम्राट विक्रमादित्य-राजा भर्तृहरि।

डॉ. यादव ने योगी आदित्यनाथ को वैदिक घड़ी भेंट की

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वैदिक घड़ी भेंट की। यह घड़ी प्राचीन वैदिक परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का उदाहरण है, जो समय की सटीक गणना प्रस्तुत करती है। समारोह में विभिन्न जनप्रतिनिधि, मंत्रीगण, साधु-संत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

एक करोड़ एक लाख रुपए का 'सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान'

डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने एक करोड़ एक लाख रुपए का 'सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान' प्रारंभ किया है। इसके अलावा 21 लाख रुपए का एक राष्ट्रीय सम्मान और 5-5 लाख रुपए के तीन राज्य स्तरीय सम्मान भी स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2024 में आयोजित विक्रमोत्सव को महाद्वीप स्तरीय 'वॉव अवॉर्ड' और 'इंमैक्स ग्लोबल अवार्ड' भी प्राप्त हुए हैं।

मप्र और उप्र के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का यह प्रयास सराहनीय

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आयोजन को यादगार बताया। उन्होंने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करते हुए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य और राजा भर्तृहरि की जोड़ी का उल्लेख करते हुए कहा कि भर्तृहरि ने नाथ संप्रदाय में दीक्षा लेकर काशी और चुनार में साधना की थी। सम्राट विक्रमादित्य को नीति और न्याय का प्रतीक बताया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उज्जैन महाकाल की नगरी है और काशी पंचांग की नगरी दोनों मिलकर प्रेम और सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

सोशल मीडिया बनी युवाओं की सबसे बड़ी ताकत : डॉ. मोहन

सोशल मीडिया की मप्र टूरिज्म इनफ्लुएंसर मीट का शुभारंभ

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में युवाओं की सबसे बड़ी ताकत बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति से सनातन परंपरा के वैचारिक आधार को शिक्षा नीति में समाहित किया है। ऐसा करके युवाओं को सच्चे संस्कार के साथ विकास का अवसर दिया गया है। हमें विकास के साथ-साथ प्राचीन काल के गौरव और परंपराओं पर भी गर्व होना चाहिए।

डॉ. यादव वाराणसी में शुक्रवार को सोशल मीडिया की मध्यप्रदेश टूरिज्म.इनफ्लुएंसर मीट का शुभारंभ कर बोल रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश दो भाइयों की जोड़ी है। दोनों मिलकर विकास के नए प्रतिमान बनाएंगे। बाबा विश्वनाथ के धाम में उज्जैन और मप्र के गौरव की झलक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से हम बाबा विश्वनाथ के धाम में उज्जैन और मध्यप्रदेश के प्राचीन गौरव की झलक दिखा रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, वीरता और धर्म परायणता हम सबको प्रेरित और गौरवान्वित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राचीन गौरव के साथ विकास को नया आयाम दिया है। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां दी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्यों के बीच में सद्भाव और विकास के साथ सहयोग बढ़ा है। डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाला सिंहस्थ महाकुंभ अद्भुत होगा। इसमें श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले सभी नागरिकों,पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या अप्रत्याशित रहेगी। इस दृष्टि से नए कीर्तिमान भी बनेंगे।

बदलती वैश्विक परिस्थितियों पर खुलकर बोले विदेश मंत्री

आईआईएम के 15वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए एस. जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में देश के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने छात्रों को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आज का दौर तेजी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं।

ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें। भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है। कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भी भारत स्थिर उन्होंने यह भी कहा कि कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद भारत ने स्थिरता बनाए रखी, जो उसकी नीतियों और क्षमता को दर्शाता है। अपने संबोधन में उन्होंने बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सड़कों, रेल नेटवर्क और बंदरगाहों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल क्रांति ने व्यापार और दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाया है। इससे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले हैं। इसके अलावा, उन्होंने आत्मनिर्भरता को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने की बात कही। उनका मानना था कि इन क्षेत्रों में मजबूती भारत को वैश्विक स्तर पर और सक्षम बनाएगी।

भारत का नाम दुनिया में रोशन करें: विदेश नीति के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। छात्रों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे वैश्विक सोच के साथ अपने कौशल का उपयोग करें और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा करें। अंत में उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए निरंतर मेहनत, नेतृत्व क्षमता और मजबूत संबंध बनाना बेहद जरूरी है।

आरोपी छात्र की चप्पल में मोबाइल फोन चैकिंग के दौरान मिला

एनटीए जेईई मेन के एग्जाम में नकल का प्रकरण प्रकाश में आया, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

सिक्योरिटी गार्ड को चलने की स्टाइल पर हुआ शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने एनटीए जेईई मेन के एक्जाम में नकल करने वाले एक परीक्षार्थी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। 2 अप्रैल को पार्थिवी इंजीनियरिंग कॉलेज में परीक्षार्थी से एग्जाम में मोबाइल पकड़े जाने पर शिकायत के आधार पर पुलिस ने परीक्षार्थी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत दर्ज कराई कि पार्थिवी इंजीनियरिंग मैनेजमेंट कॉलेज में 2 अप्रैल को एनटीए जेईई मेन की परीक्षा आयोजित की गई थी।

इस दौरान परीक्षार्थी आदित्य कुमार के पास बायोब्रेक के बाद उसकी चप्पल में मोबाइल फोन अनुचित साधन के रूप मे चेकिंग के दौरान पाया गया। जिसकी लिखित शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई। पुलिस नकल करने वाले परीक्षार्थी आदित्य कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई है।

पार्थिवी इंजीनियरिंग मैनेजमेंट कॉलेज में एनटीए जेईई मेन की परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें प्रथम पाली में एक परीक्षार्थी आदित्य कुमार के पास परीक्षा के दौरान बायो-ब्रेक के बाद उसकी चप्पल में मोबाइल पाया गया। परीक्षार्थी की जब एंट्री हुई तब सिक्योरिटी गार्ड द्वारा ने उसकी मेटल डिटेक्टर से जांच की। परीक्षार्थी ने अपनी जांच से पहले ही अपनी चप्पल उतार दी थी और फिर उसकी जांच की गई थी। जिसके बाद वहां कॉलेज के लेब 12ए सेकेंड फ्लोर में परीक्षार्थी का एग्जाम देने गया। जहां वॉशरूम के लिए बाहर निकला। वॉशरूम से आने के बाद उसकी फिर से सिक्योरिटी गार्ड द्वारा मेटल डिटेक्टर से जांच की। लेकिन फिर से परीक्षार्थी ने अपनी चप्पल जांच से पहले ही निकाल दी और फिर उसने अपनी जांच कराई। जब वह अपनी वॉशरूम से अपनी लैब की ओर वापस जा रहा था।

सांसद पर अभद्र टिप्पणी करने वाला पकड़ाया

दुर्ग। लोकसभा क्षेत्र से सांसद विजय बघेल के खिलाफ आपत्तिजनक इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करने और अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी को पाटन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, गौरव वर्मा ग्राम पूंढा निवासी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो अपलोड की। जिसमें उसने सांसद विजय बघेल और रायपुर एम्स की प्रबंधन व्यवस्था को लेकर बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का उपयोग किया था। वीडियो में युवक ने एम्स में ओपीडी और इलाज की सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए सांसद के प्रति व्यक्तिगत और अमर्यादित टिप्पणियां की। पुलिस ने आरोपी की पहचान गौरव वर्मा के रूप में की। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

फर्जी आईडी बनाकर महिला की तस्वीर से छेड़छाड़

सोशल मीडिया पर महिला की तस्वीरें वायरल करने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जिला पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसने सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर एक महिला की तस्वीरों से छेड़छाड़ की और उसे सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी थी।

इस मामले में उतई पुलिस ने पीड़िता की शिकायत दर्ज कर आरोपी को दबोचा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इंस्टाग्राम पर एक फर्जी आईडी से उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। इसे स्वीकार करने के बाद आरोपी ने उससे बातचीत शुरू की। जिसके बाद सोशल मीडिया से फोटो लेकर आपत्तिजनक तरीके से एडिट करता था। आरोपी ने बाद में व्हाट्सएप पर पीड़िता से संपर्क किया और उसे अश्लील तस्वीरें भेजकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोपी ने पीड़िता की तस्वीरों को वायरल करने की धमकी दी। आरोपी ने धमकी दी थी कि यदि उसकी मांगें पूरी नहीं की गईं। तो वह तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। पुलिस ने इस मामले में आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, विशेषकर कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सोशल मीडिया ट्रैकिंग की मदद से आरोपी की पहचान की। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच के बाद आरोपी को बालोद जिले के ग्राम कोहगाटोला से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा- जनता का विश्वास लगातार कमजोर हो रहा

आधी रात को विधानसभा सचिवालय खुलवाकर भारती की सदस्यता समाप्त की, यह सत्ता के दबाव में की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा प्रकरण, प्रदेश में गहराते किसान संकट और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश और देश में लोकतंत्र का मूल आधार जनता का विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया से जनता का भरोसा उठना लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक संकेत है। पटवारी ने आरोप लगाया कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को न्याय के लिए 60 दिनों का समय दिया गया था, इसके बावजूद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा आधी रात को विधानसभा सचिवालय खुलवाकर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई। उन्होंने इसे सत्ता के दबाव में की गई कार्रवाई बताते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया का खुला उल्लंघन करार दिया। उन्होंने कहा कि एक ओर नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज़ का मामला लंबित है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो सरकार के दोहरे मापदंड को उजागर करता है।

किसान कल्याण वर्ष नहीं यह किसान शोषण वर्ष

किसानों की स्थिति पर तीखा प्रहार करते हुए पटवारी ने कहा कि प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के नाम पर वास्तव में किसान शोषण वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने खाद की कमी को लेकर कहा कि प्रदेशभर में किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, जहां महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की हुई, लाठियां चलीं और कई बुजुर्गों की जान तक चली गई, जबकि सरकार लगातार कमी से इनकार करती रही। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की गई, जो सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

बारदाना संकट और खरीदी व्यवस्था पर सवाल

पटवारी ने कहा कि सरकार युद्ध का हवाला देकर गेहूं खरीदी में देरी कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि वर्ष 2026 में 10 करोड़ बारदाने की आवश्यकता थी, लेकिन सरकार ने मात्र 2 करोड़ 60 लाख बारदाने का ही आवेदन किया। लगभग 7.5 करोड़ बारदाने की कमी सरकार की घोर लापरवाही को दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जूट एक्ट के तहत राज्य सरकार को अपनी आवश्यकता के अनुसार केंद्र को समय पर आवेदन और अग्रिम भुगतान करना होता है, लेकिन सरकार दोनों ही मोर्चों पर विफल रही। उन्होंने कहा कि यह कमी किसी युद्ध या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि सरकार की अकर्मण्यता का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी कमी की संभावना हो सकती है तो वह पेट्रोलियम आधारित पीपी बैग में हो सकती है, जबकि जूट आधारित बारदाने की कमी का तर्क पूरी तरह भ्रामक है।

खरीदी में देरी से किसानों को नुकसान

उन्होंने बताया कि खरीदी की तारीखें लगातार आगे बढ़ाई जा रही हैं पहले 16 मार्च, फिर 1 अप्रैल और अब 10 अप्रैल। इस कुप्रबंधन के कारण किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा और बड़ी संख्या में किसान डिफॉल्टर हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने गेहूं खरीदी की तिथि तो बढ़ा दी, लेकिन ऋण अदायगी की अंतिम तिथि नहीं बढ़ाई, जिससे किसान आर्थिक संकट में फंस गए।

देश के एक केंद्र शासित राज्य समेत कुल पांच राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध भी जारी है, जिसके चलते देश में ऊर्जा संकट की संभावना को लेकर विपक्ष भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने में जुटा है। हालांकि इन राज्यों में स्थानीय मुद्दे भी हैं, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर, चुनाव आयोग के मामले भी गर्म हैं। उधर, राजग खासतौर पर प. बंगाल में घुसपैठ और अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर बाजी पलटने के मुड में है। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल की सत्ता में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

क्या राजनीतिक सरप्राइज देंगे चुनावी नतीजे

विश्लेषण

अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की। बिहार पिछले वर्ष का अंतिम चुनाव था, जिसमें भाजपा जद यू और अन्य दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने ऐसी विजय प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा माहौल बनाया था कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग के राष्ट्रीय और राज्यों की राजनीति में प्रभावी रहने के दिन गिने-चुने बचे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की।

विपक्ष के खेमे में घोर हताशा

प्रांतीय चुनावों ने इस सोच को 360 डिग्री मोड़ दिया। विपक्ष के खेमे में घोर हताशा है जबकि भाजपा और राजग के अंदर उत्साह और उम्मीद चरम पर है। इस चुनाव में विपक्ष सफलता प्राप्त करेगा तो देश में मनोवैज्ञानिक रूप से वातावरण बनाने की कोशिश करेगा। क्या भाजपा का प्रदर्शन इन पांचों राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही अपेक्षित है? इसका सीधा उत्तर है, नहीं। तो फिर? इन पांच राज्यों में असम में पिछले 10 वर्षों से उसकी सरकार है और पुडुचेरी जैसे छोटे स्थान में भाजपा सरकार में शामिल है। तमिलनाडु में तो वह एक छोटी पार्टी के रूप में लड़ रही है। केरल में किसी को उम्मीद नहीं है कि भाजपा सत्ता में आ सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जबरदस्त उपस्थिति 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव से दिखाई है और विधानसभा में पिछली बार उसने 77 सीटें जीती। भाजपा के पक्ष और विपक्ष में वातावरण के मूल्यांकन की एकमात्र कसौटी असम में उसका प्रदर्शन होगा। इसके अलावा उसने अगर पिछले चुनाव से बेहतर किया तो फिर इसका निष्कर्ष राष्ट्रीय राजनीति में क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

युद्ध से संकट का असर

इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध चल रहा है। इसका प्रभाव हमारे देश में भी है। यद्यपि पेट्रोल-डीजल, पीएनजी-सीएनजी की अभी तक देश में कमी नहीं है, किंतु विरोधियों ने लगातार ऐसा वातावरण बनाया है, जैसे देश मोदी सरकार की नीतियों के कारण संकट में फंस गया है।

यह सभी राज्यों में विपक्ष की ओर से एक बड़ा मुद्दा बनाया जा चुका है। हालांकि अफवाह नहीं हो तो देशव्यापी ऐसी शिकायत नहीं कि किसी की गाड़ी में पेट्रोल डीजल नहीं मिला या कहीं पीएनजी, सीएनजी की आपूर्ति में कमी है। एलपीजी की समस्या है, लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई जिसमें किसी को अपने घर में खाना बनाने में समस्या हो। अब चूंकि विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बनाया है, वातावरण बना हुआ है तो यह नहीं कह सकते कि चुनाव इससे प्रभावित बिल्कुल नहीं होगा। दूसरे, यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमन के विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने की कोशिश हुई और इसका भी असर है।

चुनाव आयोग व एसआईआर

कोई पार्टी इसके विरोध में नहीं है, कांग्रेस ने इसका समर्थन कर दिया, बावजूद सबकी कोशिश है कि वातावरण बना रहे और हम इसके समर्थन या विरोध में न बोलें ताकि इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को क्षति हो। इसके विरोधी दूसरे राज्यों में जाकर भी भाजपा के विरुद्ध सभाएं कर रहे हैं या यह कह सकते हैं कि विरोधी दलों द्वारा उन्हें प्रायोजित किया गया है। तीसरा मुद्दा चुनाव आयोग और एसआईआर है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस इन दोनों ने इसे चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। हालांकि बिहार में इसका कोई असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल का मामला अलग है। सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय दे चुका है। मालदा में एसआईआर के काम करने वाले न्यायिक अधिकारियों को रातभर बंद करने का संज्ञान लेने के बावजूद वहां तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने चुनाव आयोग और एसआईआर के विरोध में ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें उन्हें अपेक्षित सहयोग और अनुकूल वातावरण नहीं मिला। बंगाल में अगर भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तथा अन्य विपक्षी दल हमलावर होकर बोलेंगे कि चुनाव आयोग और एसआईआर के बावजूद लोगों ने इन्हें निकाल दिया। अब इन्हें इस प्रक्रिया को वापस लेनी चाहिए।

अगर भाजपा ने बढ़िया प्रदर्शन कर दिया तो यही कहा जाएगा कि एसआईआर के कारण मतदाताओं के नाम कटवा कर जीती है और चुनाव आयोग की इसमें भूमिका है। लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव भेजा हुआ है। दोनों परिस्थितियों में विपक्ष चुनाव के बाद एसआईआर और चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाएगा। वैसे अभी तक की गणना में सबसे ज्यादा नाम तमिलनाडु में कटे हैं। वहां भी मुद्दा है पर पश्चिम बंगाल की तरह नहीं। चौथा, इस बार हर राज्य में हिंदुत्व और मुस्लिम कट्टरवाद मुद्दा है।

घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी समारोह के मार्च लगातार रोकने की कोशिश हुई। बंगाल और असम दोनों जगह घुसपैठ को भाजपा ने सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। बंगाल में ही तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख दी । तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के आने से मामला त्रिकोणीय हुआ है। अगर वहां विजयकांत अच्छा करते हैं तो भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में उसका महत्व बढ़ेगा। इस तरह पांच राज्यों में चुनाव राष्ट्रीय राजनीति में मुद्दे, पक्ष-विपक्ष के बीच संबंध, आंशिक रूप से राजनीतिक समीकरण तथा हिंदुत्व सनातन की दृष्टि से स्पष्ट दिशा देने वाला हो सकता है।

केरल चुनाव : स्थानीय मुद्दे बाजी न पलट दें

समीकरण

योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

केरल राज्य के 1957 में गठन के बाद से मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही हैं जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नहीं रहा। 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी?

विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशकभर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो उनके खेमें में 140 में से 99 सीटें आई थी, जिसको मजबूत स्थिति माना गया था। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी, जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्य में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है।

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं।

इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। वहीं, इसके इसके विपरीत कांग्रेस सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसके अहम मुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बड़े स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, जिससे युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का राज्य से पलायन लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रूप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंट एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था। वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बर्बादी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वायनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालत में खाली पड़े हैं, चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जिस बारे में कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, इससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं, जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं। इसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें तो केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं। वहीं लड़कों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नहीं है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं।

कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं समाया हुआ, जिससे वह स्थानीय जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। चूंकि कई बार बड़े मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपने किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुनः अपने आप को स्थापित करती है।

तमिल चुनाव में देखने को मिलेगा विजय का प्रभाव

त्रिकोणीय

योगेंद्र माथुर
स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के चुनाव के महासमर में सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदाता अपना मत डालेंगे। राज्य में कुल 234 सीटों पर चुनाव होना है और सभी पार्टियां अपनी कमर कस कर मैदान में आ जुटी हैं। तमिलनाडु एक समृद्ध व प्रगतिशील राज्य है और यहां के मतदाता अन्य चार राज्यों की अपेक्षा अधिक शिक्षित व बुद्धजीवी माने जाते हैं। यहां सामान्यतः शांतिपूर्ण चुनाव होते रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति परम्परागत रूप से क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। मुख्यतः यहां द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला होता रहा है। इस बार अभिनेता से राजनेता बने विजय ने चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। राज्य की राजनीति में विजय के तेजी से उभार व उनके नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से यहां का चुनाव अधिक दिलचस्प हो गया है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) राज्य की सभी 234 सीटों पर चुनाव चुनाव मैदान में उतरी है। दूसरी ओर, गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची आने के बाद भी यहां का राजनीतिक परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आने की संभावना है। एसआईआर में तमिलनाडु में सबसे अधिक नाम कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल 6.6 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। पुनरीक्षण में 74 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटने के बाद अब 5.7 करोड़ मतदाता इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं की संख्या के इस बदलाव का प्रभाव राज्य की विधानसभा सीटों के समीकरण पर भी देखने को मिल सकता है। राजनीतिक दलों को समीकरण बदलाव की इन संभावनाओं के दृष्टिगत अपनी रणनीति तय करनी होगी। वर्तमान में राज्य में एमके स्टालिन के नेतृत्व में 8 पार्टियों के द्रमुक गठबंधन की सरकार सत्ता में है। परंपरागत रूप से उसका मुकाबला अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी अन्नाद्रमुक से ही है, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के मैदान में आने से मुकाबला रोचक बन गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन को कुल 159 सीटें मिली थीं और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 75 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा था। इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम को तोड़कर द्रमुक में शामिल करने के बाद एम के स्टालिन का उत्साह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है और वे सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 1971 के बाद से द्रमुक की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं हुई है। मुकाबले में अन्नाद्रमुक अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है। पार्टी प्रमुख जयललिता के निधन के बाद पार्टी में बिखराव व असंतोष की लहर पार्टी के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। पार्टी के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम के द्रमुक में जाने के बाद जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला के अलग पार्टी बना लेने से अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता ई.पलानीस्वामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। इस चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में भाजपा प्रमुख पार्टी है, जो विगत लंबे अरसे से दक्षिण में पैठ बनाने की जद्दोजहद कर रही है, लेकिन उसका अपेक्षित जनाधार बढ़ता दिख नहीं रहा है। 2001 में भाजपा ने करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक के साथ राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ा था और 4 सीटें जीते थीं। विगत 2021 के चुनाव में भी भाजपा 4 सीटों पर ही सीमित रही। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसका अप्रत्यक्ष लाभ जरूर अन्नाद्रमुक गठबंधन को मिल सकता है। ऐसे में विजय की पार्टी के प्रदर्शन पर राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान केंद्रित हो गया है। आरंभिक ओपिनियन पोल के नतीजों को मानें तो टीवीके का प्रभाव राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर युवाओं में भी विजय खासा प्रभाव डालने में सफल होते दिख रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों के एक वर्ग के अनुसार विजय की पार्टी सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कर अन्नाद्रमुक को नुकसान पहुंचाएगी। वहीं, एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि विजय के ईसाई समुदाय का होने से स्टालिन की परेशानियां बढ़ेंगी। बहरहाल चुनाव के नतीजे कुछ भी रहें, सरकार में विजय की पार्टी का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ना तय है।

इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है।

द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में भाजपा की सेंध पर संशय

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में बीजेपी का कद बढ़ा है, लेकिन क्या द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में सेंध लगा पाएगी 'भगवा' ब्रिगेड? सबसे बड़ा सवाल यही है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग छह करोड़ वोटर नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे पांच मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे। पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। अबकि पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है? दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं-डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है। बहरहाल, राज्य में बीजेपी के लिए चुनौती अलग तरह है। यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क है। हालांकि पार्टी धीरे-धीरे अपने आधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है। उनकी 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा ने बीजेपी को गांव-गांव तक पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में सीट नहीं जीत पाने के बावजूद

यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क माना जा रहा है।

बीजेपी का वोट शेयर 11.2 फीसदी तक पहुंच गया, जो पहले 2.6 फीसदी था। अब 2026 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन कर बीजेपी खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और चार पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार पार्टी 27 सीटों पर अपना पूरा दम दिखाने को तैयार है। यहां बीजेपी का प्रदर्शन दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी नई तस्वीर पेश कर सकती है। पिछले दो चुनावों के आंकड़े देखें तो बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए और डीएमके नेतृत्व सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बीच पांच से छह फीसदी वोटों का अंतर रहा। अब एनडीए नए-नए जाति समूहों और संगठनों को पाले में लाकर वोटों के इस अंतर को खत्म करने में जुटा है। राज्य की राजनीति में वन्नियार, थेवर, दलित और ओबीसी समुदायों का बड़ा प्रभाव है। बीजेपी इन समुदायों के बीच पैठ बनाने के लिए सामाजिक अभियानों, स्थानीय नेताओं को आगे लाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर जोर दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एआइएडीएमके से गठबंधन टूट जाने पर अकेले लड़ने वाली बीजेपी 18.28 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही। बीजेपी को 79 लाख से ज्यादा वोट मिले। इससे पूर्व 2021 के विधानसभा चुनाव में कुल 234 सीटों में से सत्ताधारी डीएमके गठबंधन को 159 सीटें तो भाजपा-एआइएडीएमके को 75 सीटें मिलीं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर बीजेपी और एआईएडीएमके का वोट शेयर मिला दें तो 41.33 फीसदी वोट होता है, जबकि सत्ताधारी डीएमके नेतृत्व इंडिया गठबंधन सिर्फ पांच फीसदी अधिक 46.97 फीसदी वोट हासिल कर सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रहा था। रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2024 का लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा होता तो 12 सीटों पर संभावनाएं बन सकती थीं। एआईएडीएमके को 23 फीसदी और बीजेपी को 18 फीसदी वोट मिले थे। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है, जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

तृणमूल संग सीधी स्पर्धा में भाजपा का पलड़ा भारी

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आजकल बड़ा मुद्दा यही है कि क्या ममता का दुर्ग दरक रहा है? राज्य की राजनीतिक स्थिति वर्तमान में एक ऐसे मोड़ पर है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट केवल राजनीति से प्रेरित बयानबाजी नहीं, बल्कि गहरे जमीनी बदलावों का संकेत दे रही है। 2011 में परिवर्तन का नारा देकर वामपंथ के अभेद्य किले को ढहाने वाली ममता आज स्वयं वैसी ही घेराबंदी का सामना कर रही हैं, जैसी उन्होंने कभी बुद्धदेव भट्टाचार्य के विरुद्ध की थी।

यदि 2016 से लेकर 2021 तक के चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करें तो तृणमूल के प्रति मूल बंगालियों में अविश्वास उत्पन्न हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से बंगाल के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। जहां पहले स्पर्द्धा वामपंथ और तृणमूल के बीच थी, वहां अब वामपंथ का स्थान भाजपा ने ले लिया है। आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 44.91 प्रतिशत मतों के साथ 211 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा मात्र 10.16 प्रतिशत वोट और 3 सीटों पर सिमट गई थी। उस समय वाम मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव तक आते-आते स्थिति पूरी तरह बदल गई। तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 215 सीटें हासिल कीं, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत 10 से बढ़कर सीधे 38.13 प्रतिशत पर पहुंच गया और उसकी सीटों की संख्या 3 से बढ़कर 77 हो गई। आश्चर्य ये रहा कि वाम मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन मात्र 10 प्रतिशत मतों और 1 सीट पर सिमट कर रह गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा अब राज्य में कोई अस्थायी लहर नहीं बल्कि एक स्थायी और शक्तिशाली विपक्ष बन चुकी है। बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। राज्य की लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कड़े मतदाता पुनरीक्षण ने तृणमूल की रणनीतियों को प्रभावित किया

बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है।

है। निर्वाचन सूचियों से फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों का हटना ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों जैसे उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद में यदि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम सूचियों से हटते हैं, तो इसका सीधा असर तृणमूल के सुरक्षित वोट बैंक पर पड़ेगा। हाल के वर्षों में भारतीय सेक्युलर फ्रंट के उभार और मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष ने यह संकेत दिया है कि यह वोट बैंक अब विभाजित हो सकता है। यदि मुस्लिम मतों में 5 से 7 प्रतिशत की भी गिरावट आती है, तो दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को सीधा लाभ मिल सकता है। 2021 के चुनावों में ऐसी लगभग 50 सीटें थीं, जहां जीत का अंतर बेहद कम था। वहां मतदाता सूची की शुद्धता भाजपा के पक्ष में फलीभूत हो सकती है। ममता की बौखलाहट के पीछे अनेक कारण हैं। मुख्यमंत्री की हालिया आक्रामक बयानबाजी उनके राजनीतिक आधार के खिसकने की घबराहट को दर्शाती है। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला और संदेश खाली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। साथ ही, आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने ममता के सबसे मजबूत वोट बैंक यानी महिला मतदाताओं के बीच एक अविश्वास पैदा किया है। प्रशासनिक पकड़ का ढीला होना और स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का प्रबल होना तृणमूल के लिए खतरे की घंटी है। आगामी चुनाव में बहुसंख्यक हिंदुओं तथा मूल बंगालियों की पहली पसंद भाजपा ही होगी, इसमें संदेह नहीं है, किंतु सत्तारूढ़ होने की स्थिति में भाजपा को इस सीमावर्ती प्रांत में एक सशक्त, दृढ़निश्चयी तथा कठोर निर्णय लेने वाला नेता बैठाना होगा। बंगाल में भाजपा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन इसके लिए पार्टी को एक सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन एआईएनआरसी के साथ शासन में भागीदार है। शेष तीन राज्यों क्रमशः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में विपक्ष की सरकारें हैं। बंगाल तो भाजपा के लिए अनुकूल प्रतीत होता है, किंतु तमिलनाडु और केरल में स्थितियां अभी भी प्रतिकूल ही हैं।

व्यवस्था की लापरवाही या गृह क्लेश की भेंट चढ़ी एक ज़िंदगी

बाणसागर में अग्नि-कांड: सनक, सुलगता गुस्सा और फिर सब राख!

पत्नी की ना ने सुलगाई मौत की चिंगारी

शहडोल।

कहते हैं कि गुस्सा इंसान की अक्ल खा जाता है, लेकिन बाणसागर के वार्ड नंबर 9 में इस गुस्से ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि एक हंसते-खेलते युवक को लिविंग टॉर्च (जिंदा मशाल) बनाकर मौत के घाट उतार दिया। बाणसागर में हुई इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया है। एक पत्नी का साथ चलने से इनकार करना पति को इस कदर नागवार गुजरा कि उसने खुद को आग के हवाले कर दिया। सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ एक पति-पत्नी का विवाद था, या फिर इसके पीछे कोई और किरदार था जो इस आग में घी डालने का काम कर रहा था?

विवाद से थाने तक... और फिर श्मशान की राह!

घटनाक्रम किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है, लेकिन इसका अंत बेहद वीभत्स रहा। 2 अप्रैल की शाम, रवि कचेर उम्र 33 वर्ष और उसकी पत्नी ज्योति के बीच मामूली बात पर तकरार शुरू हुई। विवाद इतना बढ़ा कि मामला थाने की चौखट तक जा पहुंचा। पुलिस ने रिपोर्ट तो लिखी, लेकिन शायद वह उस सुलगते बारूद को नहीं पहचान पाई जो रवि के दिमाग में भर चुका था। मारपीट के डर से डरी-सहमी ज्योति अपने घर न जाकर एक अन्य महिला के घर शरण लेने चली गई। उसे क्या पता था कि यही सुरक्षा की तलाश, रवि के लिए सुसाइड पॉइंट बन जाएगी।

नहीं चलोगी, तो जल जाऊंगा

देर रात जब सन्नाटा पसरा था, तब रवि कचेर हाथ में पेट्रोल की कुप्पी लेकर उस महिला के घर पहुंचा जहां उसकी पत्नी ठहरी थी। चश्मदीदों के मुताबिक, मंजर बेहद खौफनाक था। रवि चिल्ला रहा था, दबाव बना रहा था, मेरे साथ चलो वरना मैं खुद को खत्म कर लूंगा। अहंकार और सनक का वह मंजर देखिए कि पत्नी ने इनकार किया और रवि ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। माचिस की एक तीली ने उसे आग का गोला बना दिया। लोग देखते रहे, चिल्लाते रहे और एक जिंदा इंसान चंद सेकंडों में कोयला बनने की कगार पर पहुंच गया। रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज से लेकर नागपुर तक के सफर में रवि की सांसें उखड़ती रहीं और आखिरकार रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

क्या कोई और बुन रहा था साजिश

मरने से पहले रवि ने जो बयान दिया, उसने इस पूरी आग में साजिश का एंगल जोड़ दिया है। रवि ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी को एक स्थानीय महिला लगातार भड़का रही थी। वह उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। अब सवाल यह उठता है कि क्या वह महिला वाकई घर बसाने में मदद कर रही थी या फिर घर उजाड़ने का खेल खेल रही थी, आखिर क्यों एक बाहरी व्यक्ति के दखल ने एक घर को मलबे में तब्दील कर दिया?

चक्का जाम और पुलिस का भरोसा

रवि की मौत की खबर जैसे ही बाणसागर पहुंची, इलाके में उबाल आ गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने चक्का जाम कर दिया। सडक़ पर बैठकर लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस हमेशा की तरह जांच का झुनझुना थमा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की जांच होगी।

लेकिन जनता पूछ रही है कि जब शिकायत थाने पहुंची थी, तब क्या पुलिस ने गंभीरता दिखाई? क्या उस तीसरी कड़ी (भडक़ाने वाली महिला) की भूमिका की जांच पहले नहीं होनी चाहिए थी?

सनक और सिस्टम का तालमेल

यह घटना केवल एक आत्महत्या नहीं है, बल्कि हमारे समाज के खोखलेपन का आईना है। एक तरफ वह पति जिसकी सनक ने उसे आत्मदाह तक पहुंचा दिया, दूसरी तरफ वह पत्नी जो असुरक्षित महसूस कर रही थी, बाणसागर वार्ड 9 की यह राख अभी ठंडी नहीं हुई है। यह राख सवाल पूछ रही है, उन बिचौलियों से जो दूसरों के घरों में आग लगाते हैं और उस पुलिस प्रशासन से जो शिकायत दर्ज करने के बाद भी अनहोनी को टालने में नाकाम रहता है। अब देखना यह है कि पुलिस रवि के आखिरी बयानों पर कार्रवाई करती है या फिर यह फाइल भी अन्य फाइलों की तरह खाक में मिल जाएगी।

अमरपाटन में युवक की गला रेतकर नृशंस हत्या, शिनाख्त मिटाने का प्रयास

सतना। मैहर जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया के पीछे मैदान में शनिवार सुबह एक युवक की खून से सनी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राजभान कोल उर्फ गोलू कोल 23 वर्ष,निवासी जगन्नाथ मोहुरिया लालन के रूप में हुई है। हमलावरों ने युवक का गला किसी धारदार हथियार से रेत दिया था। पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसके चेहरे को पत्थर से कुचलने का प्रयास भी किया गया। परिजनों के अनुसार,शुक्रवार शाम करीब 7 बजे राजभान बाइक से घर लौटा था,लेकिन फिर किसी का फोन आने पर वह बिना बताए घर से निकल गया। देर रात तक वापस न आने पर परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विजय सिंह परस्ते दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मैहर अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश पर डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। हालांकि,फिलहाल किसी संदिग्ध का सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

सिर पर मंदिर रखकर नर्मदा परिक्रमा कर रहे महाराष्ट्र के प्रीतपाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में एक अनोखी और प्रेरणादायक नर्मदा परिक्रमा यात्रा देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के पुणे निवासी प्रीतपाल (उम्र लगभग 40 वर्ष) मां नर्मदा की भक्ति में लीन होकर अपने सिर पर काष्ठ से निर्मित मंदिर रखकर पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। इस विशेष मंदिर में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित है। उन्होंने अपनी परिक्रमा यात्रा ओंकारेश्वर धाम से प्रारंभ की थी और लगभग चार महीने की कठिन पदयात्रा के बाद अब अमरकंटक पहुंच चुके हैं। अमरकंटक में माई की बगिया पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन, आरती एवं तट-जल परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण की और मां नर्मदा के दक्षिण तट से अपनी आगे की यात्रा पुनः प्रारंभ कर दी है। प्रीतपाल एक हाथ में दंड और कमंडल धारण किए, हंसते-मुस्कुराते हुए भजन-कीर्तन करते निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी यह तपस्या, उत्साह और अटूट श्रद्धा मार्ग में मिलने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

15 वर्षीय नाबालिग बनी मां, नवजात बच्चे का पिता महज 17 वर्ष का

सिस्टम हुआ बेपरवाह, डीएनए टेस्ट के लिए 7 घंटे भटकते रहे परिजन

स्वास्थ्य अधिकारी के बिगड़े बोल

अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की द्वारा नवजात को जन्म देने का मामला सामने आया है, जिसने न केवल सामाजिक चिंता बढ़ाई बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल भी खोल दी है। जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर के अभाव में डीएनए टेस्ट के लिए परिजन और पुलिस घंटों भटकते रहे है, वहीं जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारी का असंवेदनशील रवैया आग में घी डालने जैसा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मामला पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के जिला पेंड्रा-गौरेला मरवाही जिले से जुड़ा है, जहां 17 वर्षीय नाबालिग युवक और 15 वर्षीय लड़की के बीच प्रेम संबंध बना और नजदीकी संबंधों के चलते लड़की गर्भवती हो गई, जिसके बाद बदनामी के डर से उसकी मां उसे अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में एक किराए के मकान में लेकर आ गई, यहीं लड़की ने घर पर ही नवजात शिशु को जन्म दिया है। हालांकि प्रसव के बाद मां और बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां मां की हालत में सुधार हुआ लेकिन नवजात की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद महिला उपनिरीक्षक द्वारा मामले में जांच शुरू की गई और जीरो पर कायमी की गई है। लेकिन असली सवाल तब खड़े हुए जब डीएनए टेस्ट के लिए महिला डॉक्टर की जरूरत पड़ी और जिला अस्पताल में कोई उपलब्ध नहीं था। करीब 7 घंटे तक पुलिस और परिजन इधर-उधर भटकते रहे, वहीं जिम्मेदार अधिकारी का गैरजिम्मेदाराना बयान स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

नाबालिग संबंध से जन्मा बच्चा, गंभीर मामला

पूरा मामला दो नाबालिगों के प्रेम संबंध से जुड़ा है, जिसने अब कानूनी और सामाजिक दोनों ही स्तर पर गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। 15 साल की उम्र में गर्भवती होना और फिर घर पर प्रसव कराना, इस पूरे घटनाक्रम में परिवार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

जिला अस्पताल में बदहाल व्यवस्था

जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर की अनुपस्थिति ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। डीएनए टेस्ट जैसे संवेदनशील मामले में भी बुनियादी व्यवस्था न होना स्वास्थ्य विभाग की बड़ी विफलता है। परिजन और पुलिस स्टाफ घंटों भटकते रहे, लेकिन जिम्मेदारों ने समय पर व्यवस्था नहीं की ऊपर से जिम्मेदार अगर जवाब दे कि महिला डॉक्टर के न रहने से किसी की मौत तो नहीं हुई है न अभी।

जिम्मेदार अधिकारी के बिगड़े बोल

जब प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी से इस गंभीर मामले में सवाल किया गया तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था। "कोई मरा तो नहीं" जैसे गैरजिम्मेदाराना बयान ने यह साफ कर दिया कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग संवेदनशीलता खो चुके हैं। ऐसे रवैये ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

कब खुलेगी प्रशासन की नींद?

आखिरकार दबाव बढ़ने पर जैतहरी से महिला डॉक्टर बुलाकर डीएनए टेस्ट कराया गया, लेकिन सवाल यही है कि क्या हर बार ऐसे ही दबाव के बाद व्यवस्था सुधरेगी? जिम्मेदारों की लापरवाही और असंवेदनशीलता से यह साफ है कि सिस्टम तभी जागता है जब हालात बिगड़ जाते हैं। अब जरूरत है कड़ी कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

वयस्क मादा तेंदुए का मिला शव!

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

वन्य प्राणियों के लिए स्वर्ग माने जाने वाले बालाघाट जिले के वन क्षेत्र से आए दिन वन्य प्राणी बाघ और तेंदुए की प्राकृतिक, आपसी संघर्ष और शिकार से मौत की घटनाएं सामने आ रही है। इस बीच आपसी संघर्ष से एक व्यस्क मादा तेंदुए की मौत की एक बड़ी घटना फिर से प्रकाश में आई है। तिरोड़ी तहसील के वन विकास निगम लामटा परियोजना के जंगल में व्यस्क मादा तेंदुए का शव मिला है। जिससे पूरे विभागीय महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। वन विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शरीर पर गहरे चोट के निशान, जबड़े और अन्य अंगों पर घाव के निशान है जो प्रारंभिक तौर पर आपसी लड़ाई में मादा तेंदुए की मौत होने की तरफ इशारा कर रहे है। तेंदुए का शरीर क्षत-विक्षत होने लगा था। जिससे यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि शव करीब चार दिन पुराना हो सकता है। शुक्रवार की दोपहर करीब 02 बजे के आस-पास जंगल की नियमित गश्ती करने वाले वन विकास निगम के वनकर्मी ने सादाबोड़ी बीट के कक्ष क्रमांक 782 में चाकाहेटी से सिवनहेटी के बीच जंगल में मादा तेंदुए का शव देखा था। जिसके बाद वनकर्मी ने वरिष्ट अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलने पर उप संभागीय प्रबंधक अनिल क्षत्रिय, वन क्षेत्रपाल लालबर्रा विजय कुमरे, वन क्षेत्रपाल दिनेश रामटेके घटनास्थल पर पहुंचे। वन अमले ने घटनास्थल को रस्सी से फेंसिग कर सील कर दिया था ताकि तेंदूए के शव के पास किसी की भी एंट्री ना हो पाए और घटनास्थल के साक्ष्य प्रभावित ना हो और ना ही साक्ष्य से किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ हो पाए। डिप्टी डीएम के मुताबिक तेंदुए के शव के पूरे अंग पूरी तरह से सुरक्षित है। तेंदूए का शव मिलने की जानकारी मिलते ही वन विकास निगम का अमला हरकत में आया और डॉग स्कावयड की टीम भी मौके पर पहुंची। शनिवार को दोपहर 02 बजे चिकित्सकों की टीम आने के बाद

घटनास्थल पर ही तेंदुए के शव का पीएम हुआ। अनुसूची-1 का संरक्षित प्राणी होने की वजह से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के सख्त प्रोटोकॉल के तहत वन विभाग के वरिष्ट अधिकारियों, तिरोड़ी तहसीलदार, ग्राम पंचायत सरपंच की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। बहरहाल, विभाग के डीएम ने प्रथम दृष्टया वन्य प्राणियों के आपसी संघर्ष के दौरान मादा तेंदुए की मौत होने की संभावना जताई गई है। घटनास्थल के आस-पास एक अन्य तेंदुए के भी साक्ष्य मिले है जिससे आपसी संघर्ष की संभावना और प्रबल हो जाती है। हालांकि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही तेंदुए की मौत के सही कारण का पता चलेगा। गौरतलब हो कि विगत वर्ष वन परिक्षेत्र कटंगी के अलग-अलग हिस्सों में 03 तेंदुए और 02 बाघ की मौत हुई थी। 02 मार्च 2025 को कोड़मी में बाघ का शव मिला था। जिसके गले में तार का फंदा लगने से मौत हुई थी। 11 दिसंबर 2025 को आंजनबिहरी में बाघ का शव मिला था। जिसकी करंट की चपेट में आने से मौत हुई थी और शव का यहां लाकर फेंका गया था। 29 मार्च 2025 को ग्राम नंदोरा में रमेश लक्षणे के खेत में बनी खुली कुएं में गिरने से वन्य प्राणी तेंदुए की मौत हो गई थी। 03 अप्रैल 2025 को बड़पानी में नीलकंट मालेवार के खेत में बनी कुएं में तेंदुए का शव मिला था।

इनका कहना है

प्रारंभिक तौर पर आपसी संघर्ष से मादा तेंदुए की मौत का अनुमान है। चिकित्सकों की टीम ने पीएम किया है। वहीं प्रोटोकॉल के साथ अंतिम संस्कार किया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

आर.के.सोलंकी, संभागीय प्रबंधक, वन विकास निगम

जेब में नाम-पता, फिर भी 4 दिन मर्चुरी में सड़ता रहा शव

शहडोल। अगर आप सोचते हैं कि सरकारी अस्पताल इलाज के लिए हैं, तो जिला चिकित्सालय की यह दास्तां आपकी रूह कंपा देगी। यहां जिंदा इंसान का इलाज तो भगवान भरोसे है ही, मरने के बाद लाशों के साथ जो सिस्टम खेलता है, वह किसी फिल्मी विलेन से कम नहीं। एक आदिवासी युवक की जेब में उसका नाम और पता (मुझे सिंह, निवासी विचारपुर) अपनी पहचान बता रहा था, लेकिन अस्पताल के साहबों और पुलिस की मुस्तैदी ने उसे जबरन अज्ञात की चादर ओढ़ा दी और चार दिनों तक मर्चुरी के अंधेरे में सडने के लिए छोड़ दिया।

लापरवाही की जुगलबंदीः न पता बदला, न नीयत!- 30 मार्च की रात 11 बजे, तीन-चार लोग एक लहूलुहान युवक को ओपीडी में छोडक़र रफूचक्कर हो गए। चेहरे पर चोट के निशान गवाही दे रहे थे कि मामला एक्सीडेंट का है या शायद खूनी संघर्ष का। अस्पताल स्टाफ को उसकी जेब से एक पर्ची मिली, जिस पर साफ अक्षरों में नाम और पता दर्ज था। रिकॉर्ड में नाम चढ़ा, लेकिन जैसे ही 31 मार्च को उसकी मौत हुई, फाइल का रंग बदल गया।

अस्पताल प्रबंधन और पुलिस चौकी के बीच ऐसी फिक्सिंग हुई कि पहचान वाला शख्स अचानक अज्ञात हो गया। सवाल यह है कि वह पर्ची कहाँ गई? क्या उसे सिस्टम की कमियों को छिपाने के लिए कूड़ेदान के हवाले कर दिया गया?

4 दिन तक पोस्टमार्टम का इंतजार - आश्चर्य की पराकाष्ठा देखिए कि 31 मार्च को मौत होती है और 4 अप्रैल तक लाश मर्चुरी में पड़ी रहती है। चार दिन! न पोस्टमार्टम हुआ, न शिनाख्त की कोशिश। क्या पुलिस के पास विचारपुर जाकर तस्दीक करने का समय नहीं था या फिर साहब लोग इस इंतजार में थे कि लाश खुद उठकर अपनी गवाही दे दे? सीसीटीवी फुटेज खंगालने की जहमत तक नहीं उठाई गई कि वे चार लोग कौन थे जो उसे छोडक़र भागे। यह लापरवाही नहीं, बल्कि वर्दी और सफेद कोट के पीछे छिपी वह क्रूरता है जो एक गरीब आदिवासी की जान और गरिमा को फाइल का बोझ समझती है।

तेज रफ्तार का कहर, जालेश्वर तिराहा में नई बाइक सवार ने मारी टक्कर, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शनिवार शाम एक सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर दिया। अमरकंटक थाना क्षेत्र से लगभग 7 किलोमीटर दूर अमरकंटक-शहडोल मार्ग स्थित जालेश्वर तिराहा पर 4 अप्रैल को शाम करीब 4:30 बजे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर खड़ी स्कूटी से जा टकराई, जिससे तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्राटोला पोडकी निवासी 32 वर्षीय मंगल मांझी, पिता जय राम मांझी, अपनी नई टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल की पूजा-अर्चना कराकर अमरकंटक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जालेश्वर तिराहा के मोड़ पर तेज गति के कारण उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े राजेंद्र ग्राम किरगी निवासी प्रिंस सोनी एवं उनकी चाची सुधा सोनी की स्कूटी से जा टकराया। बताया जा रहा है कि प्रिंस सोनी और सुधा सोनी अपने बच्चों के साथ अमरकंटक में मां नर्मदा के दर्शन-पूजन के बाद वापस लौट रहे थे और जालेश्वर तिराहा पर कुछ देर रुककर आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी यह हादसा हो गया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार मंगल मांझी को सिर एवं पैर में गंभीर चोटें आई हैं, वहीं प्रिंस सोनी और सुधा सोनी भी घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अमरकंटक पुलिस थाना का बल तत्काल मौके पर पहुंचा और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। उल्लेखनीय है कि मंगल मांझी ने 3 अप्रैल को ही नई मोटरसाइकिल खरीदी थी और अगले ही दिन पूजा कराकर लौटते समय यह दुर्घटना हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक पी.एस. बघेल के निर्देशन में आरक्षक कृष्ण सिंह राजावत एवं आरक्षक पवन तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य किया और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्रवासियों ने मुक्त कंठ से सराहना की है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार के खतरों की याद दिलाता है और सड़क पर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

हाथियों का आतंक नहीं हो रहा खत्म

मरवाही में महुआ बीन रहे वृद्ध को रौंदा, हुई मौत

अनूपपुर में भी फसलों पर हमला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

डिंडौरी मरवाही से अनूपपुर तक हाथियों की लगातार आवाजाही अब जानलेवा साबित हो रही है। मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए एक वृद्ध की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर अनूपपुर जिले में चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर जंगलों में डेरा डाले हुए है और रात के समय किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। वन विभाग सतर्क है, लेकिन ग्रामीणों की लापरवाही खतरा बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल अंतर्गत डडिंया गांव से लगे जंगल में शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 55 वर्षीय त्रिलोचन सिंह महुआ बीनने जंगल पहुंचे थे। इसी दौरान एक अकेले दो दांत वाले नर हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। उधर, यही हाथी और उसके अन्य साथी मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में भी सक्रिय हैं। चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर गेढीआमा और धनगवां के जंगलों में ठहरा हुआ है। ये हाथी रात के समय गांवों के पास पहुंचकर चना और गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन विभाग लगातार निगरानी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी दे रहा है, लेकिन महुआ संग्रहण के कारण लोग जोखिम उठाकर जंगलों में जा रहे हैं, जिससे किसी भी समय और बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है।

मरवाही में जानलेवा हमला

मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए त्रिलोचन सिंह पर सुबह तड़के हाथी ने हमला कर दिया। बताया गया कि हाथी अचानक सामने आया और वृद्ध को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग, सरपंच और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। हाथी अभी भी आसपास के जंगल में मौजूद है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अनूपपुर में दो हिस्सों में बंटा हाथियों का दल

चार हाथियों का समूह डिंडौरी और मरवाही से होते हुए अनूपपुर पहुंचा, जो अब दो हिस्सों में बंट गया है। तीन हाथी राजेंद्रग्राम क्षेत्र के टिकरादूधी गांव होते हुए गेढीआमा जंगल में ठहरे हैं, जबकि एक अकेला हाथी चोलना, कुकुरगोंड़ा होते हुए धनगवां जंगल में डेरा डाले हुए है। दोनों क्षेत्रों में दिनभर हाथी विश्राम कर रहे हैं।

फसलों को भारी नुकसान, गांवों में दहशत

हाथियों ने रात के समय कई किसानों के खेतों में घुसकर चना और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया। टिकरादूधी और आसपास के गांवों में खेतों को खासा नुकसान हुआ है। हाथियों की आवाजाही गांवों के बेहद करीब तक होने से ग्रामीणों में डर का माहौल है और लोग रात में खेतों की रखवाली करने से भी डर रहे हैं।

चेतावनी के बावजूद बढ़ रहा खतरा

वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है और ग्रामीणों को जंगल में न जाने की हिदायत दे रहा है। इसके बावजूद महुआ संग्रहण के कारण लोग सुबह-शाम जंगल पहुंच रहे हैं। कच्चे मकानों और झोपड़ियों में रहने वाले लोग भी हाथियों के संपर्क में आने के जोखिम में हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही के चलते भविष्य में और भी अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी सिक बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार
कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम
पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

कम कीमत, बड़ी तबाही...ईरान का शाहेद ड्रोन जिसने अमेरिका को भी छका दिया

अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध शुरू हुए एक महीने से ज्यादा हो चुका है। इस युद्ध में ईरान सरेंडर करने को तैयार नहीं है। अमेरिका का दावा है कि उसने ईरान की नौसेना, एयर फोर्स और मिसाइल क्षमता को काफी हद तक तबाह कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। उसकी ओर से खाड़ी देशों को निशाना बनाया जा रहा है। यहां तक दावा किया गया है कि अमेरिका के दो फाइटर जेट भी मार गिराए गए हैं। इन तमाम चुनौतियों के बीच ईरान, अमेरिका और इजरायल जैसी शक्तियों के सामने इसलिए डटा हुआ है क्योंकि उसने कम कीमत में ज्यादा तबाही मचाने वाले शाहेद ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। इसे 'कामिकाज़े ड्रोन' भी कहा जाता है।

एक महीने से ज्यादा हो चुका है अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध शुरू हुए

तेहरान। ईरान ने 2021 में शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया था। इसके बाद 2022 में रूस ने भी यूक्रेन युद्ध में इन्हीं ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिससे इनकी मारक क्षमता पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। नीचे दिए गए इंफोग्राफिक के जरिए आप ईरान की इस अहम ताकत-शाहेद ड्रोन के बारे में आसानी से समझ सकते हैं। यह एक मूविंग इंफोग्राफिक है, जिसमें ड्रोन की मूवमेंट और हमले का तरीका भी दिखाया गया है कि कैसे खाड़ी देशों को निशाना बनाया जाता है।

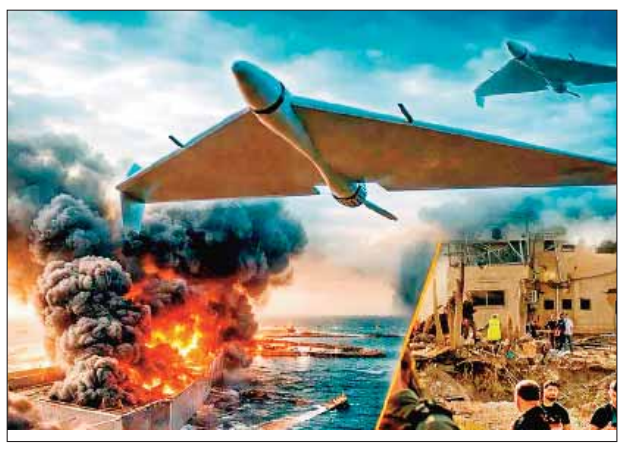

यह है खासियत : शाहेद ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी रेंज है। यह करीब 2000 से 2500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके साथ ही इसमें 30 से 50 किलोग्राम तक का हाई एक्सप्लोसिव फ्रैगमेंटेशन वॉरहेड लगाया जा सकता है। मौजूदा युद्ध में भी ईरान इन ड्रोन का इस्तेमाल कर अमेरिका और इजरायल की रक्षा प्रणाली को थकाने की कोशिश कर रहा है। असल में, ईरान सस्ते ड्रोन लॉन्च करता है, जबकि उन्हें रोकने के लिए अमेरिका को बेहद महंगे मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ता है।

मुख्य खतरा

स्वार्म अटैक से एक साथ कई ड्रोन। कम ऊंचाई पर उड़ान से रडार को चकमा। एयर डिफेंस को थका देता है। शाहेद-136 एक कामिकाज ड्रोन है जो टारगेट से टकराकर खुद को नष्ट करता है। डेल्टा विंग डिजाइन और **GPS+INS** गाइडेंस से पहले से प्रोग्राम्ड टारगेट पर सटीक हमला करता है। मिसाइल की तुलना में बेहद सस्ता होने के कारण यह आधुनिक युद्ध में बड़ा खतरा बन चुका है।

ईरान का घातक हथियार — ड्रोन विश्लेषण

शाहेद-136: कम कीमत, बड़ी तबाही
ईरान का कामिकाज ड्रोन : घुमावदार उड़ान पथ पर हमला
▶▶ ईरान इराक सीरिया यमन सऊदी अरब यूक्रेन रूस खाड़ी **UAE BHR** सनआ लॉन्च पॉइंट तेहरान मुख्यालय यूक्रेन हमले का निशाना खाड़ी टारगेट 2000-2500 किमी कम ऊंचाई पर उड़ान रडार डिटेक्शन मुश्किल
स्पीड: 185 किमी/घंटा **GPS + INS** गाइडेड
शाहेद-136: तकनीकी विशेषताएं
अधिकतम स्पीड
185 किमी/घंटा

बैंक ऑफ इंडिया, जबलपुर अंचल का व्यवसाय 8500 करोड़ के पार

जबलपुर। बैंक ऑफ इंडिया के जबलपुर अंचल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 52 शाखाओं के माध्यम से ₹8500 करोड़ का कुल मिश्रित व्यवसाय पार कर लिया। यह आंकड़ा पिछले दो वर्षों की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है।

आंचलिक प्रबंधक रमेश कुमार एवं उप-आंचलिक प्रबंधक संतोष सहाय ने इस उपलब्धि के लिए ग्राहकों और बैंक कर्मचारियों का आभार जताया तथा आगे भी सहयोग की अपील की। बैंक द्वारा ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के खातों पर निःशुल्क दुर्घटना (मृत्यु) बीमा कवर भी प्रदान किया जा रहा है। बचत खाते में न्यूनतम ₹10 हजार त्रैमासिक बैलेंस पर ₹10 लाख, वेतन खाते पर ₹50 लाख, पेंशन खाते पर ₹25 लाख तथा चालू खाते पर ₹5 लाख तक का बीमा कवर उपलब्ध है। बीमा राशि नियमानुसार आय एवं निर्धारित सीमा के अनुसार देय होगी। इसके अतिरिक्त बैंक खाताधारकों को भारत सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है।

जज पर जज के घर से गहने चुराने का आरोप

पटियाला। पंजाब के पटियाला जिले की एक कोर्ट ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) बिक्रमदीप सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। बिक्रमदीप सिंह पर चोरी और घर में जबरन घुसने का आरोप है। पिछले महीने दर्ज किए गए पुलिस मामले के अनुसार, बिक्रमदीप और अन्य लोगों ने कथित तौर पर पिछले साल अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के आवास से सोना और आभूषण चुराए थे। जब घटना वाली रात अस्पताल में उनका निधन हो गया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरिंदर सिद्धू ने 1 अप्रैल को बिक्रमदीप की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं।

वैज्ञानिकों के हाथ लगा चंद्रमा का 'केमिकल कोड'

आर्टेमिस-II मिशन के बीच, वैज्ञानिकों ने अपोलो 17 मिशन द्वारा लाए गए चंद्रमा के पत्थरों में 'इल्मेनाइट' खनिज का एनालिसिस किया है। एडवांस्ड इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के जरिए पता चला कि चंद्रमा की प्राचीन चट्टानों में टाइटेनियम के केमिकल सिग्नेचर छिपे हैं। यह खोज बताती है कि करीब 3.8 अरब साल पहले चंद्रमा के आंतरिक हिस्से में ऑक्सीजन की उपलब्धता कैसी थी। यह रिसर्च पृथ्वी और चंद्रमा के साझा इतिहास को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। वैज्ञानिक अब अपोलो मिशन के पुराने सैंपल्स के साथ-साथ आर्टेमिस II मिशन और चीन के चांग'ई-6 द्वारा लाए गए सैंपल्स की भी जांच करने की योजना बना रहे हैं। इस नई तकनीक से चंद्रमा के उन हिस्सों का भी इतिहास पता चलेगा जो अब तक अनछुए हैं। लैब में किए जाने वाले प्रयोगों से यह समझने में मदद मिलेगी कि मैग्मा में ऑक्सीजन की कमी किस तरह टाइटेनियम के चार्ज को बदलती है। इससे हम प्राचीन चंद्रमा के 'मैग्मा महासागरों' के इतिहास को फिर से लिख पाएंगे।

'पाकिस्तान में 80 प्रतिशत लोग गे', ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट हिना बलोच का सनसनीखेज दावा

लंदन। पाकिस्तान की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट हिना बलोच का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तान की 80 प्रतिशत आबादी 'गे' है और बाकी बचे 20 प्रतिशत लोग 'बाईसेक्सुअल' हैं। हिना का मानना है कि वहां की पूरी आबादी एलजीबीटीक्यू समुदाय का हिस्सा है, लेकिन सामाजिक दबाव, धर्म और परिवार की इज्जत के डर से लोग अपनी असल पहचान को छिपाकर रखते हैं। 'क्वीर ग्लोबल' यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने इस मुद्दे को पाकिस्तान का एक 'ओपन सीक्रेट' करार दिया है जिसे हर कोई जानता है पर मानता नहीं।

पहचान छिपाने की मजबूरी और सामाजिक दबाव

हिना बलोच का कहना है कि जब इस बारे में सवाल किए जाते हैं, तो लोग धर्म और संस्कृति का हवाला देकर अपनी वास्तविकता से इनकार कर देते हैं। उनके मुताबिक, पाकिस्तान में यौन रुझान को लेकर कोई भी स्पष्ट या 'स्ट्रेट' नहीं है। उन्होंने अपने बचपन के अनुभवों को याद करते हुए बताया कि उनके लिए अपनी यौन पहचान से बड़ी चिंता अपनी पसंद के कपड़े पहनना और लिपस्टिक लगाना था।

ख्वाजा सिरा समुदाय का संघर्ष और चुनौतियां

इंटरव्यू के दौरान हिना ने पाकिस्तान के 'ख्वाजा सिरा' (ट्रांसजेंडर) समुदाय के सामने आने वाली ढांचागत चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वहां इस समुदाय के लोगों के पास आजीविका के बहुत कम और सीमित साधन हैं। ज्यादातर ट्रांसजेंडर मजबूरी में भीख मांगने, नाचने या सेक्स वर्क जैसे शोषणकारी कामों में धकेले जाते हैं। हिना ने इन पाबंदियों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और लैंगिक व अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए सक्रिय रूप से आवाज उठानी शुरू की। वह मानती हैं कि जब तक समाज का नजरिया नहीं बदलेगा, तब तक यह समुदाय मुख्यधारा से कटा रहेगा।

विरोध, प्रताड़ना और देश छोड़ने का फैसला

हिना बलोच ने पाकिस्तान में 'सिंध मूरत मार्च' की सह-स्थापना की और 'औरत मार्च' में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वह ट्रांसजेंडर और अल्पसंख्यक अधिकारों की एक मुखर आवाज बनीं, लेकिन इसके बदले उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी. एक विरोध प्रदर्शन के दौरान प्राइड फ्लैग (इंद्रधनुषी झंडा) लहराने के बाद उन्हें हिंसक जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा. उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अपहरण और दुर्व्यवहार का शिकार होने का भी दावा किया है। इन जानलेवा परिस्थितियों के चलते अंततः उन्हें पाकिस्तान छोड़ना पड़ा. फिलहाल वह लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप पर पढ़ाई कर रही हैं और ब्रिटेन में शरण ली है।

1994 में लापता लड़की 32 साल बाद घरवालों को मिली

वाशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना से एक ऐसा चमत्कारिक मामला सामने आया है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। करीब तीन दशक पहले महज 13 साल की उम्र में संदिग्ध हालात में गायब हुई क्रिस्टीना मैरी प्लांट अब 32 साल बाद जिंदा मिल गई हैं। गिला काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बुधवार को इस बड़ी कामयाबी की जानकारी देते हुए बताया कि स्टार वैली इलाके से गायब हुई क्रिस्टीना का पता लगा लिया गया है।

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए- हिंदू (महार)- 34/5''6, गोरा, स्मार्ट, ग्रेज्युएट, लड़का मासिक आय - 35,000 + 55,000 नोकरी + बिजनेस हेतु- गोरी -खुबसुरत लड़की चाहिए संपर्क करें 9890502587 (6624)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - जबलपुर (म.प्र.)
E-mail- modgmjab@mp.gov.in
क्रमांक/626/खनिज/2026 दिनांक 31/03/2026
म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए
प्रथम सूचना
यह सूचित किया जाता है कि आवेदक सृजल सिंह ठाकुर पता - 113, मेन रोड़, कमानिया गेट के पास, जय प्रकाश वार्ड पनागर द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 17/02/2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस की अवधि में इस क्षेत्र पर उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते आवेदन ई-खनिज https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे ।
आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा हेक्टर में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजि	खनिज का नाम	रिमॉर्क
जबलपुर	मझौली	खुड़वाल	109	4.00	शासकीय	मुरूम	
			कुल रकवा	4.00			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑन लाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा । 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जायेगा ।
खनि अधिकारी
G-11114/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" खनिज शाखा, जिला-जबलपुर (म. प्र.)

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
शाखा: धन्वंतरि नगर जबलपुर
शाखा: मंडला जिला: मध्यप्रदेश
वाहन नीलामी सूचना
नीलामी तिथि: 18/04/2026 समय: दोपहर 03:30 बजे
अधोलिखित ऋणीयो द्वारा बैंक से लिए गए ऋण न चुकाने के कारण बैंक द्वारा निम्नलिखित प्रतिभूति/ दृष्टि बंधक वाहनों (चल संपत्तियों) का कब्जा लेकर विक्रय का निर्णय किया जाता हैं । इस हेतु आम जनता को सूचित किया जाता हैं ।कि अदयोलिखित सम्पत्ति आम नीलामी द्वारा विक्रय की जायेगी।इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग लेकर वाहन खरीद सकते हैं।
उपलब्ध वाहन विवरण:
1. उधारकर्ता: ओमकार सिंह पावर - पता: 1027, नागपुर रोड , नियर मेडिकल शास्त्री नगर , त्रिमूर्ति वार्ड , जबलपुर
वाहन: Maruti Suzuki Eeco 5 Seater AC अकाउंट नंबर - 934900NG00000064
रजिस्ट्रेशन: MP20-ZD-2763 (13/02/2023) वाइट कलर
इंजन नंबर -K12NN4007866 चेसिस नंबर -MA3JDT08WNLB21571
बकाया राशि: ₹4,49,773 + ब्याज नियत मूल्य: ₹3,50,000 EMD: ₹35,000
2. उधारकर्ता: चंद्रकिशोर पटेल पता: गाँव - जंतपुर बिनेकी जिला: मंडला
वाहन: EICHER MODEL- 485 एयर कूल्ड, 2945 CC, 3 सिलेंडर इंजन अकाउंट नंबर - 031000JK00003655
रजिस्ट्रेशन: MP51-G1-020 रजिस्ट्रेशन की तारीख : 21-06-2017
इंजन नंबर: 525227271102 चेसिस नंबर: 925311508821
बकाया राशि : 3,84,322 + ब्याज नियत मूल्य: 1,00,000 EMD :20,000
नीलामी की शर्तें: 1. संपत्ति का विक्रय बैंक द्वारा ऋणी दस्तावेजो के प्रावधानों के अनुसार एवं जहाँ है जैसा हैं के आधार पर किया जाएगा । (2) सम्पत्ति का विक्रय ऊपर दर्शाए नियत मूल्य से कम नहीं किया जाएगा । (3)नीलामी में भाग लेने वाले बोली कर्ताओं की आईडी प्रूफ एवं आवासीय प्रमाण के दस्तावेज जमा करना अनिवार्य हैं । (4) सम्पत्ति का विक्रय आम नीलामी द्वारा किया जाएगा एवं बोली लगाने के इच्छुक व्यक्ति को उक्त धरोहर राशि नगद/ डिमांड ड्राफ्ट - पंजाब नेशनल बैंक के नाम से जमा करनी होगी । जो की बोली असफल रहने की दिशा में तीन दिनों के भीतर लौटा दी जाएगी । (5)अधिकतम राशि के बोली कर्ता को सफल क्रेता घोषित किया जाएगा। तथा अग्रिम जमा धरोहर राशि को विक्रय मूल्य में समायोजित का लिया जाएगा । (6)सफल क्रेता को विक्रय मूल्य की 25 प्रतिशत राशि (जिसमे अग्रिम जमा धरोहर राशि, शामिल होगी) नगद/ नगद आदेश / डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से बोली समाप्त होने के बाद तत्काल करनी होगी एवं शेष 75 प्रतिशत विक्रय राशि विक्रय की दिनांक से 7 दिन के भीतर अर्थात् 25/04/2026 तक जमा करनी होगी , उक्त प्रकार से राशि जमा करने में असफल रहने की दिशा में पूर्व जमा राशि को जप्त कर लिया जाएगा । (7) सम्पत्ति के विक्रय पश्चात उसके स्थानांतरण, टैक्स, बीमा एवं आरटीओ संबंधित समस्त खर्चा क्रेता को वहन करने होगे । (8) उपरोक्त दिनांक को किसी कारणवश सम्पत्ति को विक्रय न हो पाने की स्थिति में , बैंक सम्पत्ति को पुनः विक्रय हेतु स्वतंत्र होगा, जिसकी सूचना संबंधित शाखा बोर्ड पर सूचनार्थ लगाई जाएगी एवं अलग से प्रकाशित करने हेतु बैंक बाध्य नहीं रहेगा । (9) इस सूचना के माध्यम से संबंधित ऋणियो/ जमानतदारों को विक्रय करने की वैधानिक सूचना दी जा रही हैं । विक्रय हेतु नियत तिथि तक बकाया ऋणी राशि, ब्याज एवं समस्त खर्चो का भुगतान ना होने की स्थिति में सम्पत्ति का विक्रय कर दिया जाएगा । विक्रय के पश्चात किसी देयता के शेष रहने पर बैंक ऋणी/ जमानतदार के विरुद्ध वसूली की वैधानिक कार्यवाही के लिए स्वतंत्र होगा । (10) संबंधित ऋणी/ गारंटर उक्त विक्रय दिनांक को निर्धारित स्थान एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकता हैं । (11) बैंक को किसी या सभी बोली प्रस्तावों को बिना कोई कारण बताये स्वीकृति या अस्वीकृति करने एवं किसी भी नियम या शर्त को संशोधित या रद्द करने का अधिकार हैं । (12) कृपया वाहन निरीक्षण हेतु कार्यालीन समय में नियमानुसार संपर्क करे । संपर्क- मोबाइल- 90096 96998(शाखा प्रबंधक) / 9303074746- (विनोद भसीन)
दिनांक - 05/04/2026 प्राधिकृत अधिकारी - पंजाब नेशनल बैंक

भारतवंशी रिनी संपत वाशिंगटन डीसी की मेयर बनने की दौड़ में

वाशिंगटन। तमिलनाडु में जन्मीं रिनी संपत वाशिंगटन डीसी के मेयर पद के चुनाव में हिस्सा लेने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की 31 वर्षीय सरकारी अनुबंधक का चुनाव अभियान 'बुनियादी चीजों को ठीक करो' के विषय और 'एक नए डीसी' के वादे पर आधारित है। संपत ने अपनी चुनावी वेबसाइट पर कहा, "मैं कोई नेता नहीं हूं। मेरा किसी विशेष हित समूह से कोई संबंध नहीं है। अब समय आ गया है कि कोई बाहर का व्यक्ति हमारे शहर की बुनियादी सेवाओं को सुधारने पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करे।" तमिलनाडु के थेनी में जन्मीं संपत सात साल की उम्र में अमेरिका आ गईं और एक दशक से अधिक समय से वाशिंगटन डीसी में रह रही हैं।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.
फोन नं. 07652-245167 ईमेल - dfotnfshahd-mp@gov.in
क्र./व्यय/764 शहडोल, दिनांक 31/03/ 2026
निविदा विज्ञप्ति
वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न वानिकी एवं अद्योसंरचना कार्यो हेतु प्रयोग होने वाली सामग्रियों की आपूर्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	सामग्री का नाम	संत्याकार निधि
1	वानिकी एवं अद्योसंरचना हेतु प्रयोग होने वाली सामग्री	100000

निविदा के संबंध मे समस्त जानकारी ई निविदा क्रमांक 2026_MPFD_ 495056_1 के माध्यम से प्राप्त करे ।
वनमण्डलाधिकारी
G-11116/26 उत्तर शहडोल वनमण्डल म.प्र.

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 6186

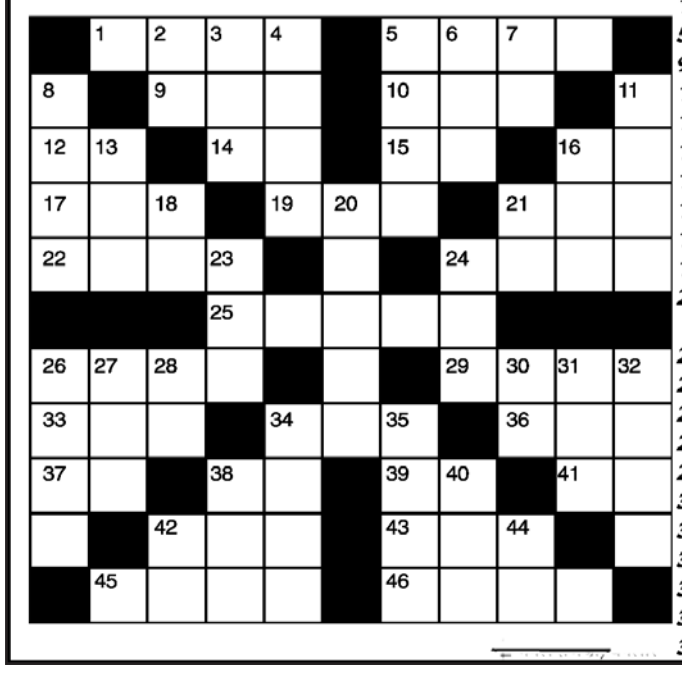

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 6185 का हल

	ना	स	म	झ		क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह	म	न
ल			धा	र	ण		र		क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	ब	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी	खा	न	
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

सूडोकु नवताल- 6196

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक को पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6195 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

MANGAL SENACHA BANGALORE

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 5 अप्रैल 2026

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेषः विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

{ कवर स्टोरी / रेखा देशराज }

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब के पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलनः वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियां ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआतः विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीमः विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपनें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट संभव है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिनः वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं।

इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

{ लाइफस्टाइल / नरेंद्र कुमार }

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

नींद-दिमाग को रिसेट करती हैः नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती हैः पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेटः कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

{ कविता / देवांशु }

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो—
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों को और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मासूम मन की लघुकथाएं

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), प्रधान संपादकः कांता रॉय, संपादकः मृदुल त्यागी, मूल्यः 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों की परीक्षा

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आईपीएल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था, जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

एलएसजी का अभियान नहीं रहा अच्छा

एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। इस बार भी उसका अभियान अच्छा नहीं रहा है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई, जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं। टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया।

सनराइजर्स ने की लय हासिल

जहां तक सनराइजर्स की बात है तो उसने अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद लय हासिल कर ली है। केकेआर के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी इकाई ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की फॉर्म में वापसी उसके लिए अच्छे संकेत हैं। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हेनरिक क्लासेन का अनुभव उसके मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करता है।

दूसरी जीत की तलाश में आरसीबी, सीएसके के लिए बॉलिंग चुनौती

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है।

आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है।

आज शाम 7.30 बजे से दोनों टीमों में मुकाबला

सीएसके के गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत

जहां तक सीएसके का सवाल है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए। उसके स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ बुरी तरह फ्लॉप रहे। चेपॉक में ओस का नामोनिशान नहीं होने के बावजूद दोनों ने मिलकर आठ ओवरों में 84 रन लुटाए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी, खलील अहमद और अंशुल कंबोज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

आरसीबी ने किया गेंदबाजी में सुधार

आरसीबी ने अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। कभी उसकी गेंदबाजी को कमजोर माना जाता था लेकिन उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आरसीबी को जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने सहजता से उनकी जगह ली और तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया।आरसीबी की टीम इस मैच के लिए अभिनंदन सिंह की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है।

खबर संक्षेप

प्रणवी और अवनी ने कट में बनाई जगह

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं।

इंटरनेशनल सीरीज : कोचर शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला, जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे।

युवा भारतीय बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी: पोंटिंग

चेन्नई। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों को विशेष प्रतिभा का धनी करार देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य इन खिलाड़ियों को लेकर टीम को नए सिरे से तैयार करना था। पोंटिंग ने कहा, ' हमारे युवा भारतीय खिलाड़ी विशेषकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के कुछ खिलाड़ियों को लेकर टीम तैयार करने के लिए नीलामी (2024) से पहले हमारी स्पष्ट रणनीति थी कि हम इस पूरी टीम को नए सिरे से तैयार करेंगे, एक फ्रेंचाइजी के रूप में बदलाव लाएंगे और अलग पहचान बनाएंगे।'

आईपीएल : रिजवी ने सिर्फ 51 गेंदों में बनाए 90 रन

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के मौजूदा सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मुंबई इंडियंस को अपने घर में पटखनी दे दी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 162 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया था, जिसे दिल्ली ने 18.2 ओवरों में ही 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत के सबसे बड़े नायक समीर रिजवी रहे। रिजवी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मुंबई के गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। रिजवी ने मात्र 51 गेंदों में 90 रन बनाए, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके शामिल थे। उन्होंने डेविड मिलर के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 78 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। यह रिजवी का इस आईपीएल सीजन का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक है, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और सकारात्मक खेल शैली को दर्शाता है।

गेंदबाजी चुनौती

मिचेल सैंटनर ने बल्ले से नाबाद 18 रन बनाने के अलावा पाथुम निसांका (44 रन) का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया, लेकिन रिजवी के तूफान के आगे मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण बेअसर साबित हुआ। वहीं दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही मुंबई पर दबाव बनाए रखा। मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट झटके। उनके अलावा अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, विपराज निगम और टी नटराजन ने 1-1 विकेट लेकर मुंबई को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका।

टर्निंग पॉइंट्स

रिजवी की एंट्री : इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आए रिजवी ने खेल का रुख पूरी तरह दिल्ली की ओर मोड़ दिया। मयंक मार्कंडे ने पाथुम निसांका का शानदार कैच लपका, लेकिन रिजवी और मिलर की साझेदारी ने मुंबई की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं। मिलर ने एक छोर संभाले रखा, जिससे रिजवी को दूसरे छोर से खुलकर खेलने की आजादी मिली।

रोहित ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले दो पोजीशन पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने आईपीएल में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाए हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 61 और कोलकाता के खिलाफ 54 छक्के लगाए हैं। वहीं उसके बाद रोहित शर्मा का नाम है, उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 51 छक्के लगाए हैं। इसके बाद लिस्ट में एमएस धोनी का नाम है, उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं।

सूर्यकुमार की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का संघर्ष

नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के पूरी तरह फिट न होने के कारण टीम की कमान सूर्यकुमार यादव ने संभाली। सूर्यकुमार ने कप्तानी पारी खेलते हुए 51 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 35 रनों का योगदान दिया। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने रयान रिकल्टन (9) और तिलक वर्मा (0) को एक ही ओवर में गंवा दिया। दोनों को मुकेश कुमार ने वापस भेजा। ऐसे में रोहित ने सूर्या के साथ मिलकर पारी को संभाली। दोनों के बीच 53 रन की साझेदारी हुई। रोहित अच्छे रंग में लग रहे थे। अक्षर पटेल ने उनकी पारी का अंत किया और नीतीश राणा के हाथों कैच कराया। शेरफेन रदरफॉर्ड फिर नहीं चले और पांच रन बना पाए। सूर्या तीन चौकों व दो छक्कों से 51 रन बनाने के बाद एनगिडी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। आखिरी ओवर्स में नमन धीर (28), मिचेल सैंटनर (18) और कॉर्बिन बॉश (11) ने अहम रन जुटाए। इससे मुंबई की टीम 150 के पार चली गई। दिल्ली की तरफ से मुकेश ने सर्वाधिक दो तो एनगिडी, अक्षर, विप्रज निगम व नटराजन को एक-एक सफलता मिली।

पीएसजी ने टूलूज को हराया लीग 1 में की बढ़त मजबूत

एजेंसी ▶▶| पेरिस

ओस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने टूलूज़ को 3-1 से हराकर फ्रांस की लीग 1 फुटबॉल प्रतियोगिता में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। यह मैच तय कार्यक्रम से पहले इसलिए खेला गया ताकि पीएसजी को अगले बुधवार को पार्क डेस प्रिंसेस में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल से पहले रिकवरी का अधिक समय मिल सके। पीएसजी ने अपने पिछले तीन मैचों में 12 गोल किए थे। डेम्बेले ने 23वें मिनट में पहला गोल किया।

■ ओस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में दागे 2 गोल

हालांकि इसके चार मिनट बाद रासमुस निकोलाइसेन ने रिबाउंड पर हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम से 12 मिनट पहले डेम्बेले ने पीएसजी को फिर से बढ़त दिला दी। पीएसजी के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी गोंकालो रामोस ने स्टॉपेज टाइम में तीसरा गोल किया। इस जीत से पीएसजी के 27 मैच में 63 अंक हो गए हैं जबकि दूसरे नंबर पर काबिज लेंस के 27 मैच में 59 अंक हैं।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका से जीती वनडे सीरीज, मैडी ग्रीन लगाया शतक

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

मैडी ग्रीन के करियर के तीसरे शतक और तेज गेंदबाज रोजमैरी मायर के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से जीती। ग्रीन ने 128 गेंद पर नाबाद 141 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। अपनी पारी में 15 चौके लगाने वाली ग्रीन ने ब्रूक हालीडे (124 गेंद पर 98 रन, 13 चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड 211 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से उबारा। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ग्रीन और हालीडे की पारियों की मदद से वह सात विकेट पर 306 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम 240 रन पर आउट

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान लॉरा वूलफार्ट (68 गेंदों पर 69 रन) और अनेरी ड्रैकसन (52 गेंदों पर 47 रन) ही कुछ योगदान दे पाई। न्यूजीलैंड की तरफ से मायर ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमिलिया केर ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच दो विकेट से जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे दो विकेट से जीतकर वापसी की थी। न्यूजीलैंड ने इससे पहले इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

पंजाब के कप्तान अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के अनुसार, 'पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।' इसमें कहा गया है, 'इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपए या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से, जो भी कम हो,का जुर्माना लगाया गया।'

टेनिस

अगस्टिन ने शेल्टन पर की जोरदार जीत हासिल

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद शेल्टन पर जीत दर्ज की। टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए।

अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए। शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े। दूसरी सीड फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया। टियाफो का सामना एक ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल में पॉल से होगा, जबकि बुरुचागा का सामना एक ऑल-अर्जेंटीना मैचअप में टिरांटे से होगा।

मार्को ट्रुंगेलिटी ने कोरेंटिन मौटेट को हराया

अर्जेंटीना के मार्को ट्रुंगेलिटी ने तीसरी सीड कोरेंटिन मौटेट को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया, जिसमें उन्होंने छह एस के साथ आठ डबल फॉल्ट किए। साथी अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली ने भी तीन सेट का मुकाबला जीता, जिसमें उन्होंने लुका वैन एश को 0-6, 6-3, 6-2 से हराया। स्पेन के राफेल जोडार एलेक्जेंडर मुलर के 6-2, 2-0 से पीछे रहने के बाद रिटायर होने के बाद आगे बढ़े। लुसियानो डार्डेरी भी यानिक हनफमैन के खिलाफ वॉकओवर की वजह से आगे बढ़े। स्पेन के डेनियल मेरिडा एगुइलर, फ्रांस के टिदुआन ड्रोगेट, हंगरी के फैबियन मारोजसन और जर्मनी के डेनियल अल्टमायर शुरुआती विजेताओं में शामिल थे। बाद में, बोटिक वैन डे जैंडशुल्प, मारियानो नवोन, मेरिडा एगुइलर और मारोजसन ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। तीसरी सीड मारोजसन ने अल्टमायर को 6-2, 7-6 (5) से हराया, जबकि मेरिडा एगुइलर ने ड्रोगेट को 4-6, 7-6 (7), 3-1 से हराया, इससे पहले कि फ्रांसीसी खिलाड़ी रिटायर हो गए।

भारत ने सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया

18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की, जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया।

18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा, जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते।

बैंकॉक पैरा तीरंदाजी में शीर्ष पर भारत

पायल की शीतल पर दूसरी जीत

पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट '10' के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार '9' और एक बार '10' का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार '10' का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रवासी मजदूर की बेटी हैं पायल

शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे। उन्होंने 2023-24 के दौरान कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड खेल परिसर में शीतल के साथ ही ट्रेनिंग की थी। इसके बाद शीतल सोनीपत चली गई थीं। बिना हाथों वाली शीतल भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली पैरा तीरंदाज बन गई हैं। उन्होंने 2022 में एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते और पेरिस 2024 में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतकर भारत की सबसे कम उम्र की पैरालंपिक पदक विजेता बन गईं।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी के साथ निरस्त किया कलेक्टर का आदेश

सुनवाई का अवसर दिए बिना ब्लैक लिस्ट नहीं किया जा सकता

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में साफ किया कि किसी भी संस्था को बिना सुनवाई का अवसर दिए ब्लैकलिस्ट नहीं किया जा सकता। जस्टिस संदीप नटवरलाल भट्ट की सिंगल बेंच ने इसी के साथ रीवा कलेक्टर द्वारा पारित उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें एक सहकारी समिति को सीधे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक कार्रवाई में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का पालन अनिवार्य है। नियमानुसार पहले याचिकाकर्ता को कारण बताओ नोटिस दिया जाए। अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। इसके बाद ही कोई भी कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ता रघुराजनगर तहसील स्थित सेवा सहकारी समिति के मैनेजर सतीश पांडे की ओर से दलील दी गई कि धान खरीदी में कथित गड़बड़ी के आरोप में कलेक्टर ने बिना सुनवाई के ही समिति को ब्लैकलिस्ट कर दिया। इससे समिति को आगामी अनाज खरीदी प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया। धान खरीदी से होने वाली आय ही समिति सदस्यों की मुख्य आजीविका है। अब ब्लैकलिस्टिंग की एकतरफा कार्रवाई के बाद सदस्य क्या कमाएंगे और क्या खाएंगे। बिना

सुनवाई का मौका दिए की गई यह कार्रवाई अवैधानिक और मनमानी है। हाई कोर्ट ने माना कि छह नवंबर 2025 के ब्लैकलिस्टिंग के आदेश से पहले याचिकाकर्ता को न तो कोई कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया।

अदालत ने जुर्माना भी लगाया

एसबीआई के चेक बाउंस पर एक वर्ष का कारावास

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी नारायण यादव की अदालत ने चेक बाउंस के आरोपी शहपुरा, जबलपुर निवासी राघवेंद्र विश्वकर्मा का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। कुल तीन लाख 12 हजार 752 रुपये जुर्माना लगा दिया। परिवादी भारतीय स्टेट बैंक, कृषि विकास शाखा, शहपुरा के प्रबंधक जितेंद्र कुमार नवलखे की ओर से पैनल अधिवक्ता वीरेंद्र जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपी ने जो चेक जारी किया था, वह खाते में जमा करने पर बाउंस हो गया। लिहाजा, इसकी जानकारी सूचना-पत्र के माध्यम से रजिस्टर्ड डाक से भेजी गई। इसके बावजूद भुगतान की दिशा में ठोस प्रयास नदारद रहा। इसीलिए अदालत आना पड़ा।

हाईकोर्ट का निर्देश

पात्र होने पर उच्च माध्यमिक शिक्षकों को दिया जाए द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने ज्वाइंट डायरेक्टर लोक शिक्षण जबलपुर संभाग को निर्देश दिए कि वे याचिकार्ताओं के मामलों पर विचार करें यदि याचिकाकर्ता पात्र हैं तो उन्हें द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ प्रदान करें। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने इसके लिए 30 दिन की मोलहत दी। कटनी निवासी मनोज कुमार गुप्ता सहित 21 उच्च माध्यमिक शिक्षकों की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि सरकार ने 27 जुलाई 2019 को एक परिपत्र जारी किया था। उसके आधार पर याचिकाकर्ता शिक्षकों को द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ देकर उनका वेतन निर्धारण किया जाना है। दलील दी गई कि याचिकाकर्ताओं के समकक्ष कर्मियों को उक्त लाभ दिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में लोक शिक्षण विभाग के अधिकारियों को अभ्यावेदन दिया था, जिस पर कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए कोर्ट में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने बुल्डोजर कार्रवाई पर लगाई रोक

गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार को अंतरिम राहत, शनिवार को बैठी विशेष बेंच

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट की विशेष बेंच ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार के मकान पर बुल्डोजर कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने इसी के साथ राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। मामले की तत्काल सुनवाई की आवश्यकता देखते हुए चीफ जस्टिस ने शनिवार को अवकाश के बावजूद विशेष बेंच गठित की थी। याचिकाकर्ता रीवा जिला, हुजूर तहसील अंतर्गत चिरहुला निवासी तेजबली सिंह सहित अन्य की ओर से दलील दी गई कि बिना किसी लिखित आदेश के मकान तोड़ने का खतरा मंडरा रहा है। इसीलिए हाई कोर्ट की शरण ली गई है। दरअसल, नगर निगम और पटवारी द्वारा लगातार मौखिक धमकियां दी जा रही हैं। याचिकाकर्ताओं के पास 696 वर्गफीट जमीन का वैध पट्टा कोर्ट है, इसलिए मनमानी कार्रवाई चुनौती के योग्य है। अधिवक्ता ने बताया कि मामले की अर्जेंसी के कारण मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की बेंच के समक्ष शुक्रवार को रिक्वेस्ट की गई थी। उनके निर्देश पर शनिवार को मामला विशेष बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए नियत हुआ। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने यह स्वीकार किया कि उन्हें इस कार्रवाई के संबंध में कलेक्टर रीवा से कोई स्पष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। मामले के तथ्यों और प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत प्रदान कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया कि संबंधित 696 वर्ग फीट के मकान को न तो तोड़ा जाएगा और न ही किसी प्रकार की क्षति पहुंचाई जाएगी।

9 अप्रैल को नगर निगम कार्यालय में तालाबंदी का ऐलान

निगम में सियासी पारा हाई, विपक्ष ने खोला मोर्चा

जबलपुर। नगर निगम के बजट सत्र में प्रस्तुत बजट 2026-27 को लेकर शहर की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस पार्षद दल ने बजट पर कड़ा रुख अपनाते हुए आरोप लगाया है कि कागजों में विकास की बड़ी घोषणाएं की जा रही हैं, लेकिन शहर की जमीनी हकीकत इससे अलग है। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा कि पिछले 8 से 9 महीनों से सफाई व्यवस्था प्रभावित है, कई वार्डों में पेयजल संकट बना हुआ है, सड़कों की हालत खराब है और स्ट्रीट लाइट की समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद इन मूलभूत मुद्दों पर गंभीर चर्चा नहीं की जा रही। कांग्रेस का कहना है कि नगर निगम अधिनियम की धारा 30 के तहत विशेष बैठक बुलाने की मांग कई बार की गई, ताकि जनता से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हो सके। विपक्ष का आरोप है कि निगम अध्यक्ष को छह से अधिक पत्र लिखे गए, लेकिन अब तक कोई महत्वपूर्ण बैठक आयोजित नहीं की गई। ऐसे में बजट में नई योजनाओं की घोषणा को विपक्ष ने "जमीनी सच्चाई से दूर" बताया है।

प्रशासन की कथित निष्क्रियता के विरोध में कांग्रेस पार्षदों ने 9 अप्रैल को नगर निगम कार्यालय में तालाबंदी करने की चेतावनी दी है। साथ ही बजट प्रक्रिया का प्रारंभिक बहिष्कार भी किया गया। पार्षदों का कहना है कि जब तक शहर की

बुनियादी समस्याओं पर स्पष्ट कार्ययोजना और समयबद्ध समाधान सामने नहीं आता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। वहीं सत्ता पक्ष बजट को विकास उन्मुख और दूरदर्शी बता रहा है। उनका कहना है कि शहर के दीर्घकालिक विकास के लिए योजनाएं बनाई गई हैं और चरणबद्ध तरीके से समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

नगर निगम के भीतर बढ़ता यह टकराव अब सियासी रंग भी लेता नजर आ रहा है। विपक्ष जहां इसे जनता की आवाज बताकर आंदोलन की तैयारी कर रहा है, वहीं इसे आगामी राजनीतिक समीकरणों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में निगम की बैठकों में सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव और तेज हो सकता है। फिलहाल शहर की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बजट की घोषणाएं जमीनी स्तर पर कब और कैसे नजर आएंगी, और क्या जनता की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता में शामिल होगा।

एमपी ट्रांसको की ट्रांसफार्मेशन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि

38 सर्किट किलोमीटर नई एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइनों का निर्माण

जबलपुर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपनी स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता में वृद्धि कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत में जहां कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता 81911 एमवीए थी, वहीं मार्च 2026 की स्थिति में यह बढ़कर 84293 एमवीए

हो गई है। यह वृद्धि प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को सुचारु रूप से पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा मंत्री ने जानकारी दी कि इस वित्तीय वर्ष में क्षमता विस्तार के लिए एमपी ट्रांसको द्वारा कुल 35 ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए, जिनमें 11 सबस्टेशनों की क्षमता वृद्धि तथा 21 सबस्टेशनों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की स्थापना शामिल है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एमपी ट्रांसको ने इस वित्तीय वर्ष में 138 सर्किट किलोमीटर नई एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइनों का निर्माण कर उन्हें ऊर्जीकृत किया है। इसके परिणामस्वरूप कंपनी की कुल ट्रांसमिशन लाइनें बढ़कर 43128 सर्किट किलोमीटर हो गई हैं।

पमरे ने माल परिवहन से 6079.02 करोड़ कमाए

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों में माल यातायात में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पश्चिम मध्य रेल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माल परिवहन से 6079 करोड़ 02 लाख का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5 हजार 280 करोड़ 14 लाख की तुलना में 15.13 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, यह रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 5 हजार 487 करोड़ 18 लाख के लक्ष्य से लगभग 11 प्रतिशत अधिक है।

सीएमएचओ सहित अन्य पर निलंबन के बाद एफआईआर की तैयारी

स्वास्थ्य विभाग में खरीदी घोटाला

हरिभूमि जबलपुर।

जिला स्वास्थ्य विभाग में 93 लाख से अधिक के गबन के मामले में कार्रवाई का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के निलंबन और उन्हें भोपाल संबद्ध किए जाने के बाद अब आरोपियों के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की तैयारी शुरू हो गई है। जांच दल द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आपराधिक मामला दर्ज करने पर विचार किया जा रहा है। विभागीय जांच में खुलासा हुआ है कि 12 फर्जी देयकों के माध्यम से सरकारी राशि का भुगतान किया गया। साइनेज और अन्य सामग्री की आपूर्ति केवल कागजों में दिखाई गई, जबकि वास्तविक रूप से कोई सामग्री स्वास्थ्य केंद्रों तक नहीं पहुंची। फर्जी पावती लगाकर भुगतान कर दिया गया। भोपाल की एक निजी फर्म को नियमों के विरुद्ध 93 लाख 4 हजार 998 रुपये जारी किए गए।

जानकारी के अनुसार जिला कार्यक्रम प्रबंधक कार्यालय से 1.33 करोड़ रुपये और नियमित सीएमएचओ कार्यालय से लगभग 3 करोड़ रुपये के क्रय आदेश जारी हुए थे। जांच के दौरान जिला अस्पताल विक्टोरिया के डीपीएमयू कार्यालय से इस मामले से जुड़े महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और दस्तावेज गायब पाए गए हैं। इसे साक्ष्य मिटाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इस प्रकरण में डॉ. संजय मिश्रा के अलावा जिला कार्यक्रम प्रबंधक आदित्य तिवारी और फार्मासिस्ट जवाहर लोधी की भूमिका भी जांच के दायरे में है। इनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई का प्रस्ताव नेशनल हेल्थ मिशन के संचालक को भेजा गया है। इससे पहले कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने स्टोर कीपर का प्रभार संभाल रहे फार्मासिस्ट नीरज कौरव को निलंबित कर दिया था। डिप्टी कलेक्टर आरएस मरावी के नेतृत्व में जांच टीम अब उन कर्मचारियों की पहचान कर रही है जिन्होंने फर्जी भौतिक सत्यापन रिपोर्ट तैयार करने में भूमिका निभाई। सूत्रों के अनुसार दस्तावेजों की चोरी, धोखाधड़ी और सरकारी धन के दुरुपयोग की धाराओं में संबंधित फर्म संचालकों और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज हो सकता है। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि प्राथमिकी दर्ज होते ही गिरफ्तारी की कार्रवाई भी हो सकती है। फिलहाल पूरे मामले ने स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा दिया है।

निर्धारित क्षेत्र के बाहर मंदिर से सटकर खुली शराब दुकान

आबकारी नीति 2026-27 में नियमों की अनदेखी?

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत प्रत्येक मदिरा दुकान के लिए स्पष्ट रूप से निर्धारित लोकेशन (क्षेत्र) तय किया गया है। यह लोकेशन संबंधित दुकान के संभावित व्यवसाय (पोटेंशियल एरिया) को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाती है, ताकि राजस्व संतुलन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जा सके। लेकिन हाल ही में सामने आए मामलों ने इस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, संजय गांधी वार्ड दुकान की लोकेशन बदलकर इलाहाबाद बैंक चौक से हिल्टन होटल डुमना तक निर्धारित की गई थी। वहीं गोहलपुर दुकान की लोकेशन गोहलपुर थाना से 200 मीटर के दायरे में निर्धारित की गई थी। नीति और सेल पेपर में स्पष्ट रूप से इन दुकानों के लिए निर्धारित क्षेत्र तय होने के बावजूद, आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया और आवंटन के बाद भी ये दुकानें अपने निर्धारित क्षेत्र से बाहर संचालित की जा रही हैं। यह स्थिति सीधे-सीधे

नियमों का उल्लंघन मानी जा रही है। विशेषज्ञों और स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यह पूरा मामला संदेहास्पद प्रतीत होता है। उनका आरोप है कि लोकेशन में बदलाव इस तरह किया गया ताकि अन्य संभावित ठेकेदारों को इन दुकानों में भाग लेने से हतोत्साहित किया जा सके। परिणामस्वरूप सीमित प्रतिस्पर्धा बनी और कुछ चुनिंदा (फेवर किए गए) ठेकेदारों को इन दुकानों का आवंटन हो गया। और भी गंभीर बात यह है कि आवंटन के बाद भी नियमों और निर्धारित क्षेत्र का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि कुछ ठेकेदारों को नियमों से परे जाकर लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मंदिर के बाजू से चल रही दुकान हटाने की मांग

क्षेत्रीय पार्षद ताहिर अली ने कहा है कि 1 अप्रैल से रद्दी चौकी गोहलपुर की दुकान स्थानातंरित कर गोहलपुर थाने से 200 मीटर की परिधि अमखेरा रोड पर मालगुजार परिसर के बीच स्थापित करने स्थल निर्धारित किया गया था लेकिन 1 अप्रैल हो जाने के बाद भी यह दुकान रद्दी चौकी स्थित मरहीमाता मंदिर से सट कर 10 मीटर की दूरी पर संचालित हो रही है। जिससे मंदिर आने जाने वालों को दिक्कत हो रही हैं और शराबियों की हरकतों से लोगों को शर्मिंदा होना पड़ रहा है। यहां से शराब दुकान हटाने के लिए कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सहायक आबकारी अधिकारी डी.सी.चतुर्वेदी को सौंपा गया। ज्ञापन सौंपते समय एडवोकेट सैय्यद ताहिर अली पूर्व पार्षद, जिला बार के सचिव एडवोकेट ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, एडवोकेट अंकुश चौधरी अध्यक्ष महाकौशल विधि छात्र संघ, एडवोकेट दीपांशु मिश्र, गोपाल लोधी, शैलेश रजक, मुकेश चौधरी, नीरज पटेल आदि लोग उपस्थित थे।

जनहित याचिका दायर करेंगे

पूर्व पार्षद ताहिर अली ने कहा है कि 24 घंटों के अंदर यह दुकान नहीं हटाई गई तो क्षेत्र की जनता अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी और हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर दोषियों अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की जायेगी।

जबलपुर-डिंडोरी-पेंड्रा के बीच नई रेल लाइन सर्वे को मंजूरी

दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे को बजट में फंड आवंटित

जबलपुर। रेल विभाग ने जबलपुर से सीधे छत्तीसगढ़ के लिए नई रेल लाइन की बहुप्रतीक्षित मांग पर रेल बजट में प्रस्तावित जबलपुर व्हाया डिंडौरी-पेंड्रा नई लाइन का सर्वे कराने को मंजूरी दे दी है। रेलवे के वर्ष 2026-27 के बजट में इस सर्वे के अलावा मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के बीच कुछ अन्य नई रेल लाइन के लिए भी सर्वे कराने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन के मुताबिक इस कार्य के लिये बजट आवंट होने के पश्चात सर्वे कार्य में तेजी आयेगी, जिसके बाद इसके लिए कोई अंतिम निर्णय लिया जा सकेगा। बताया जाता है कि दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे (एसईसीआर) को इस बजट में जिन इंजीनियरिंग व ट्रैफिक सर्वे के लिए फंड आवंटित किया गया है, उनमें मध्यप्रदेश के लिए पेंड्रा-अमरकंटक-डिंडौरी-मंडला- घंसौर के अलावा जबलपुर-पेंड्रा व्हाया डिंडोरी 200 किमी.- जबलपुर और पेंड्रा के बीच डिंडोरी होते हुए नई रेल लाइन के लिए प्रारंभिक इंजीनियरिंग एवं यातायात सर्वेक्षण (240 किमी) - सिवनी से कटंगी (92.10 किलोमीटर) के बीच नई बीजी लाइन के लिए सर्वेक्षण.। - रामटेक-वारासिवनी-खापा नई लाइन (36 किमी) 0.09 के लिए सर्वेक्षण. - वारासिवनी-खैरलांजी-तिरोडी नई लाइन (50 किमी) के लिए इंजीनियरिंग सह यातायात सर्वेक्षण. जयसिंह नगर - शहडोल के बीच (50 किमी) आदि प्रमुख हैं।

8 अप्रैल को भोपाल में करेंगे जंगी प्रदर्शन

पात्रता परीक्षा के विरोध में शिक्षक लामबंद

जबलपुर। शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में आर पार की लड़ाई के लिए संकल्पित हुए शिक्षक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के बाद अब सड़क की लड़ाई के लिए संघर्ष का ऐलान कर दिया है। इस क्रम में भोपाल में प्रदेश के समस्त शिक्षक संगठनों ने संयुक्त होकर एक अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा का गठन किया और प्रदेश भर में जिला, ब्लॉक एवं प्रांत स्तर के आंदोलन की विधिवत घोषणा कर दी।

जबलपुर में हुई बैठक

प्रांत स्तर पर हुए निर्णय के समर्थन में जबलपुर के गांधी स्मारक में जिला स्तरीय शिक्षक संगठनों की बैठक आहूत हुई .इसमें राज्य शिक्षक संघ,प्रांतीय शिक्षक संघ,आजाद अध्यापक संघ,शासकीय अध्यापक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सहित अनेक सदस्य शामिल हुए। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 8 अप्रैल को संपूर्ण जिले के शिक्षकों के द्वारा जंगी प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा जबलपुर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 8 अप्रैल के जिले स्तरीय प्रदर्शन के बाद 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर और 18 अप्रैल को राजधानी भोपाल में प्रदेश भर के शिक्षक संगठनों द्वारा उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इस बैठक में उमाशंकर पटेल नरेंद्र त्रिपाठी. .राकेश उपाध्याय .जगत पटेल. अजय रजक. संध्या अवस्थी. दीपक पटेल. शिव चौबे. महेंद्र अहवासी . संतोष झारिया. मथुरा उपाध्याय . भूमिका पटेल अनिल पटेल राकेश मिश्रा. विनय नामदेव .उमाकांत पटेल दुष्यंत श्रीवास्तव .इंद्र सिंह राजपूत प्रियाशु शुक्ला. राम किशोर हल्दकार. श्रुति जैन सहित आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240